THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 91 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.2 2082 शुक्रवार, 27 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एअर इंडिया हादसे के बाद मिले ब्लैक बॉक्स की जांच जारी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया हादसे के बाद मिले ब्लैक बॉक्स के जांच से जुड़ी जानकारी साझा की है। मंत्रालय ने बताया है कि 24 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स से क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (सीपीएम) को सुरक्षित रूप से निकाल लिया गया और 25 जून को मेमोरी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया और इसका डेटा एएआईबी लैब में डाउनलोड किया गया। सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण जारी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि इन प्रयासों का उद्देश्य दुर्घटना कारणों का पता लगाना और विमानन सुरक्षा को बढ़ाने व भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए योगदान देने वाले कारकों की पहचान करना है।

एससीओ में पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से नहीं मिले राजनाथ

> साझा दस्तावेज में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं, भारत ने साइन करने से इनकार किया

शंघाई, 26 जून (एजेंसियां)। चीन के किंगदाओ में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत ने जॉइंट स्टेट पर साइन करने से इनकार कर दिया है। गुरुवार को हुई इस बैठक भारत की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया था। जॉइंट स्टेटमेंट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शामिल नहीं किया गया था, जबकि बलूचिस्तान में हुई घटना इसमें शामिल थी। >14

संसदीय समिति से मुलाकात करेंगे पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। पूर्व सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ और जेएस खेहर एक साथ चुनाव कराने से जुड़े विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी सूत्रों ने गुरुवार को दी। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति की अगली बैठक 11 जुलाई को निर्धारित की गई है। उसी दिन पैनल के सदस्य दोनों सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों के साथ बातचीत करेंगे।

मूसलाधार बारिश से भूस्खलन, माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग बंद, अब पारंपरिक रास्ते से जा रहे श्रद्धालु

जम्मू, 26 जून (एजेंसियां)। कश्मीर में भारी बारिश के चलते माता वैष्णो देवी यात्रा एक बार फिर रोक दी गई है। मूसलाधार बारिश के चलते हिमकोटी ट्रैक पर भूस्खलन हुआ। इससे वैष्णो देवी यात्रा मार्ग बाधित हो गया। भूस्खलन की घटना के बाद वैष्णो देवी यात्रा का नया यात्रा मार्ग पूरी तरह बंद कर दिया गया है। यह इस वर्ष तीसरी बार है, जब यह मार्ग खराब मौसम की वजह से बंद हुआ है। भूस्खलन के कारण बैटरी कार, केबल कार और हेलीकॉप्टर सेवाएं भी अस्थायी रूप से रोक दी गई हैं। बारिश के बाद हिमकोटी मार्ग पर करीब 30 फीट तक मलबा जमा हो गया है और बड़े-बड़े पत्थर गिरने से मार्ग अवरुद्ध हो गया है। हालांकि, माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और प्रशासन ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया है और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा को पारंपरिक पुराने मार्ग से जारी रखा गया है। प्रशासन की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे मौसम को देखते हुए सतर्कता बरतें और सिर्फ अधिकृत मार्गों व दिशानिर्देशों का पालन करें। साथ ही श्राइन बोर्ड की टीमें और आपदा प्रबंधन बल मौके पर तैनात हैं और मलबा हटाने का कार्य तेजी से जारी है। इससे पहले भी जून महीने में दो बार भारी बारिश के कारण यही मार्ग बंद किया गया था, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा था। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि वह हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं

दिल्ली हाईकोर्ट से कनाडा सरकार को बड़ी राहत संजय मदान केस में करोड़ों की रकम होगी जब्त

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने कनाडा सरकार को राहत देते हुए भारतीय मूल के पूर्व कनाडाई अफसर संजय मदान और उनके सहयोगियों के भारतीय बैंक खातों से करीब 659 करोड़ की वसूली की अनुमति दे दी है यह रकम कनाडा में चल रहे करोड़ों के गबन के मामले से जुड़ी है दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस मनीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने इंडसइंड बैंक और आरबीएल बैंक को निर्देश दिया कि वे फंड ट्रांसफर से पहले 'नो योर कस्टमर' प्रक्रिया पूरी करें इसके साथ ही कोर्ट ने संजय मदान के सभी भारतीय खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है, सिवाय कुछ लिमिटेड छूटों के जैसे कि 'कोर्ट द्वारा कहे गए धनराशि का ट्रांसफर और वैध दस्तावेजों के आधार पर कानूनी फीस का भुगतान' दिल्ली हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए संजय मदान ने इस ट्रांसफर पर सहमति जताई उनके वकील ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि इंडसइंड बैंक में 38 करोड़ और आरबीएल बैंक में 29 करोड़ की राशि जमा है, और मदान को फंड ट्रांसफर करने में कोई आपत्ति नहीं है यह मामला 290 करोड़ की धोखाधड़ी से जुड़ा है, जिसमें संजय मदान जो ओंटारियो की एजुकेशन मंत्रलाय में आईटी डाइरेक्टर रह चुके हैं लेकिन, 2011 से 2020 के बीच शेल कंपनियों और कोविड-19 राहत कार्यक्रमों का दुरुपयोग कर 474 मिलियन कनाडाई डॉलर की हेराफेरी करने का आरोप है अप्रैल 2023 में उन्हें दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई गई थी उन्होंने 30 मिलियन कनाडाई डॉलर लौटाए और बाकी राशि 15 सालों में चुकाने पर सहमति जताई यदि वह बचे हुए पैसे चुकाने में असफल रहते हैं, तो उनकी सजा छह साल और बढ़ सकती है

कनाडा सरकार ने दायर की थी कोर्ट में अर्जी

कनाडा सरकार ने यह रिकवरी केस भारत की दीवानी प्रक्रिया संहिता की धारा 84 के तहत दायर किया था, जो विदेशी सरकारों को भारत में कानूनी कार्रवाई की अनुमति देता है दिल्ली कोर्ट ने अन्य भारतीय बैंकों जैसे कि यस बैंक, कोटक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक और पंजाब नेशनल बैंक को आदेश दिया है कि वे संजय मदान और सह-आरोपी विधान मदान के खातों से जुड़ी जानकारी हलफनामे के रूप में अदालत में दाखिल करें दोनों आरोपियों को भारत में मौजूद अपनी सारी संपत्तियों का विवरण भी देने का निर्देश दिया गया है

आदित्य बिड़ला कैपिटल का ऐप हैक लूटे 195 करोड़, ऐसे लगाई हैकर ने सेंध

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। मुंबई के प्रभादेवी इलाके में एक बड़े साइबर अपराध का खुलासा हुआ है, जहां एक अज्ञात हैकर ने आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल लिमिटेड के ऐप को हैक कर 435 ग्राहकों के डिजिटल गोल्ड बेच दिए इससे 195 करोड़ रुपये की ठगी की हैकर ने कंपनी के सर्वर और ऐप के बीच चल रहे एपीआई को निशाना बनाया और सुरक्षा प्रणाली को बायपास कर रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिया यह मामला तब सामने आया, जब कई ग्राहकों ने कॉल सेंटर पर शिकायत की कि उनके डिजिटल गोल्ड को उनकी जानकारी और अनुमति के बिना बेच दिया गया कंपनी के फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट हेड रविंद्र राजमल चौधरी ने मुंबई पुलिस की सेंट्रल रीजन साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी के जरिए डिजिटल गोल्ड की खरीद-बिक्री और रेजरपे के माध्यम से लेन-देन की सुविधा देती है आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल लिमिटेड ऐप की सुरक्षा प्रणाली के मुताबिक, डिजिटल गोल्ड की बिक्री के लिए ग्राहक का मोबाइल ओटीपी जरूरी है लेकिन, हैकर ने सिस्टम में सेंध लगाकर इस प्रक्रिया को निष्क्रिय कर दिया और 9 जून को 435 ग्राहकों के गोल्ड को बेच डाला कंपनी को इसकी जानकारी तकनीकी टीम के माध्यम से मिली, जिसके बाद डिजिटल गोल्ड बिक्री सेवा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया आदित्य बिड़ला कैपिटल डिजिटल लिमिटेड में हुई साइबर ठगी के मामले में कंपनी ने जांच का जिम्मा अपनी सूचना सुरक्षा टीम को सौंपा है 435 पीड़ित ग्राहकों की सूची पुलिस को दी गई है साइबर सेल अब टेक्निकल ट्रेसिंग और फंड ट्रैकिंग के जरिए हैकर की पहचान में जुटी है

एनआईए का आतंकी साजिश मामले में एक्शन

18 जगहों पर रेड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में तलाशी जारी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। पूरे देश में आतंकवाद को लेकर सख्त कदम उठाए जा रहे हैंराष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आतंकी साजिश मामले में पंजाब में नौ, हरियाणा में 7 और उत्तर प्रदेश में दो स्थानों पर तलाशी ले रही है एनआईए 18 जगहों पर तलाशी अभियान चला रही हैपंजाब के जालंधर और होशियारपुर के टांडा में एनआईए ने रेड की है इसी के साथ ही हरियाणा में भी एनआईए ने छापा मारा है करनाल में भी रेड चल रही है पंजाब के जालंधर में सुबह-सुबह एनआईए ने आरोपी नाम निखिल जोशी के घर में दबिश दी है जानकारी के मुताबिक, सुबह 6 बजे एनआईए की टीम ने रेड की बताया जा रहा है कि फ्रैंड्स कालोनी में एनआईए की टीम ने यह कार्रवाई की है इस दौरान पंजाब पुलिस भी एनआईए की टीम के साथ मौजूद रही अभी तक इस मामले में किसी अधिकारी ने कोई जानकारी नहीं दी है

हरियाणा में एनआईए का एक्शन

हरियाणा के करनाल में एनआईए की रेड के दौरान पता चला है कि करनाल की गली नंबर 19 में जिस घर में कार्रवाई की गई है, उस घर का लड़का यूके में रहता है सूत्र बताते है कि व्यक्ति द्वारा किसी आरोपी को ट्रांसजेक्शन की गई है इस दौरान जिस आरोपी के खाते में ट्रांजेक्शन की गई है वह आरोपी पंजाब से संबंधित है इसी के चलते हरियाणा के बाद एनआईए की टीम द्वारा रेड की जा रही है

यूट्यूबर सुखबीर के घर तलाशी अभियान

वहीं, मानसा के कस्बा बुड़लाडा में तड़कसार एनआईए ने यूट्यूबर सुखबीर सिंह के घर में रेड की है यूट्यूबर के घर पर ना मिलने के चलते एनआई की टीम ने घर में 1:30 घंटे सर्च ऑपरेशन किया जिसके बाद एनआईए टीम दस्तावेज खंगलाकर वापस रवाना हो गई बताया जा रहा है कि एनआईए की टीम ने यूट्यूबर के परिजनों को यूट्यूबर से संबंधित मैसेज दे दिया है कि वो चंडीगढ़ एनआईए के दफ्तर में आए सूत्रों के हवाले से पता चला है कि यूट्यूबर सुखबीर सिंह के पाकिस्तान के शहजाद भट्टी से चैट और बातचीत होने को लेकर एनआईए की टीम ने रेड की थी

मोदी सरकार के फैसले से खुश सीएम उमर अब्दुल्ला, पूर्ण राज्य के दर्जे पर चर्चा चल रही है

जम्मू, 26 जून (एजेंसियां)। कश्मीर में एक बार फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने को लेकर मांगें तेज हो गई है इस बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार (26 जून) को कहा कि पूर्ण राज्य के दर्जे पर चर्चा चल रही है, ये चर्चा होनी चाहिए, अच्छी बात है हम तो चाहेंगे कि जल्द से जल्द इस चर्चा का खात्मा हो और जो हम मांग रहे हैं, वो हमें मिले इसके साथ ही सीएम ने इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए मोदी सरकार से मिले हालिया फंड पर खुशी जताई उन्होंने कहा कि मुगल रोड के टनल की लंबे समय से मांग थी 2008-09 में जब सड़क का काम पूरा हुआ तभी से मांग थी कि ये सड़क सभी मौसम में चालू रहना चाहिए उसके लिए टनल बनना चाहिए टनल को मंजूरी मिल गई है उन्होंने कहा, "तंगधार को जोड़ने के लिए साधना पास पर टनल की जरूरत थी, लंबे समय से मांग थी उसे भी मंजूरी मिली 10 हजार 600 करोड़ रुपये दिए गए हैं, ये मामूली रकम नहीं है गुरेज आदि में भी टनल की जरूरत है, इसके लिए हम आगे मांग करेंगे" मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने का फैसला लिया था इसके साथ ही राज्य को दो भागों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बांटते हुए दोनों को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया इसके बाद से ही पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग उठती रही है पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कई मौकों पर कह चुके हैं कि सही समय पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूर्ण राज्य के दर्जे को लेकर आशंका बढ़ गई,

खुशी के बीच आप को मिला गम विधायक उमेश ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। गुजरात के विसाबदर विधानसभा सीट पर जीत के बाद से आम आदमी पार्टी (आप) जश्न मना रही है इस बीच बोटाद से आप विधायक उमेश मकवाना ने विधानसभा में चीफ व्हिप पद से इस्तीफा दे दिया उन्होंने ज्वाइंट सेक्रेटरी पद से भी इस्तीफा दे दिया हालांकि उन्होंने कहा कि वो पार्टी में रहेंगे और विधायकी नहीं छोड़ेंगे मकवाना ने कहा कि पार्टी ने अपनी विचारधारा को छोड़ दिया है, इसलिए इस्तीफा दिया है इसको लेकर उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है अरविंद केजरीवाल को भेजी चिट्ठी में मकवाना ने कहा कि जय भारत, साथ में सूचित करता हूं कि मैं आम आदमी पार्टी में राष्ट्रीय संयुक्त सचिव के पद पर ढाई साल में सेवा कर रहा हूं इसके साथ ही गुजरात विधानसभा में आम आदमी पार्टी चीफ व्हिप के रूप में सेवा कर रहा हूं फिलहाल मेरी सामाजिक सेवाएं कम होने से, मैं आम आदमी पार्टी के तमाम पद से इस्तीफा दे रहा हूं मैं एक कार्यकर्ता के रूप में पार्टी का कार्य करूंगा मुझे सभी पद पर से और जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए मेरा आपसे अनुरोध है मकवाना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "गुजरात की राजनीति में पिछले कई वर्षों से जातिवादी विचारधारा का प्रभाव बढ़ता जा रहा है बीजेपी, कांग्रेस या अन्य किसी भी पार्टी में यही स्थिति है मैंने 2020 से पहले बीजेपी छोड़कर आम आदमी पार्टी (आप) जॉइन की थी 2022 में बोटाद से चुनाव लड़ा और विधायक बना, फिर मुख्य सचेतक भी बना" उन्होंने कहा, "बीजेपी ने आज तक कोली समाज के किसी भी प्रतिनिधि को न तो मुख्यमंत्री बनाया है और न ही प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस सत्ता से बाहर होने के बावजूद पिछड़े समाज की आवाज नहीं बन सकी है विपक्ष की भूमिका निभाने में भी कांग्रेस कमजोर साबित हुई है" मैं 2027 के चुनाव में पिछड़े समाज के लोगों से चर्चा के बाद निर्णय लूंगा कि क्या करना है नई पार्टी बनाऊंगा या नहीं, इसके बारे में बाद में जानकारी दूंगा गुजरात की उप-चुनावों में भी आम आदमी पार्टी में भेदभाव की नीति देखने को मिली पाटीदार नेता गोपाल इटालिया को जिताने के लिए पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी,

कैंसर पीड़ित दादी को कचरे की ढेर में फेंकने वाला पोता गिरफ्तार

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। मुंबई में कैंसर पीड़ित दादी को कचरे के ढेर में फेंकने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शर्मशार कर देने वाले मामले में पोता, देवर और रिक्शा ड्राइवर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राहुल शेवाले (पोता), बाबा साहब गायकवाड़ और संजय कडरेसिम के रूप में किया गया है। स्किन कैंसर पीड़िता महिला को युवक को हॉस्पिटल में भर्ती करने के बजाय उसे जिंदा कचरे के ढेर में डंप कर दिया। जानकारी के अनुसार, मुंबई के आरे कॉलोनी के जंगल में 22 जून को कचरे के ढेर में 60 साल की महिला जख्मी अवस्था में मिली थी। शुरुआती जांच में पता चला कि महिला कांदिवली पूर्व के हनुमान नगर इलाके की रहने वाली है। महिला के पोते ने पुलिस को बताया कि महिला खुद से घर से निकल कर आई थी। लेकिन सीसीटीवी फुटेज और जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि महिला के पोते ने ही 22 तारीख की सुबह ऑटो रिक्शा से महिला को आरे कॉलोनी की जंगल लाया और कचरे ने डंप कर दिया था। जब महिला पुलिस को मिली थी तब वह गंभीर स्थिति में थी। फिलहाल उसे कूपर अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां पर उसका इलाज चल रहा हैं। महिला का नाम यशोदा गायकवाड (60) है और उसको स्किन कैंसर हैं।

गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश का रेड और ऑरेंज अलर्ट, नवसारी में ताड़केश्वर महादेव मंदिर पानी में डूबा

गांधीनगर, 26 जून (एजेंसियां)। गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। नवसारी समेत कई जिलों में गुरुवार को भी भारी बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में मानसूनी बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। नर्मदा और तापी जिलों में मूसलाधार बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। गुजरात के दाहोद, छोटा उदयपुर, भरूच, सूरत, डांग, नवसारी, वलसाड और दमन, दादरा नगर हवेली जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अरावली, पंचमहल, महिसागर और वडोदरा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। सौराष्ट्र-कच्छ के अमरेली, भावनगर में भारी बारिश होगी। मौसम विभाग ने बनासकांठा, पाटन, मेहसाणा, साबरकांठा, गांधीनगर, अरावली, खेड़ा, अहमदाबाद, आनंद, पंचमहल, दाहोद और महिसागर जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की आंधी और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवा चलने की संभावना है। जानकारी के अनुसार, नवसारी जिले में आज सुबह तेज बारिश हुई। ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण कावेरी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। कावेरी नदी पर बना ताड़केश्वर महादेव मंदिर पानी में डूब गया। पानी का बहाव बढ़ गया और पुल के ऊपर से पानी बहने लगा।

गुजरात के सूरत, वापी और नवसारी जिलों में भारी बारिश हुई है। सूरत में पिछले 48 घंटे में 400 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई। इससे कई हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। भारी बारिश से कई सड़कें और आवासीय परिसर जलमग्न हो गए। भारी बारिश के कारण तापी नदी उफना गई जिससे निचले इलाकों में जलभराव हो गया। बारिश के कारण कुछ गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई।

'मिलकर काम करेंगे, तो समाज से नशे की बुराई खत्म होगी'

विश्व नशा मुक्ति दिवस पर बोलीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर सीएम ने कहा कि नशे को खत्म करने के लिए हम सभी को एक टीम बनाकर मिलकर काम करना होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, इस वर्ष 2025 में हमारी दिल्ली पुलिस ने नशे के कारोबार में शामिल 1100 लोगों को गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और जितनी भी नशीली दवाएं मिलीं, उन्हें जब्त किया है। सरकार, पुलिस, समाज सब इसे खत्म करने के काम में लगे हैं लेकिन हम सभी को एक टीम बनाकर मिलकर काम करना होगा। मेरा मानना है कि जब हम सब मिलकर काम करेंगे, तो समाज से नशे की बुराई पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

राहुल गांधी ने घरों की बढ़ती कीमतों पर जताई चिंता

कहा- गरीबों से सपने देखने का अधिकार छीना गया

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घरों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अब गरीबों से सपने देखने का अधिकार भी छीन लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बार जब कोई आपको सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बताए तो उन्हें अपने घरेलू बजट की सच्चाई बताएं। अपने व्हाट्सएप चैनल पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में आय के हिसाब से शीर्ष 5 प्रतिशत शहरी परिवारों को भी मुंबई में घर खरीदने के लिए 100 वर्षों से अधिक तक बचत करनी पड़ेगी। उन्होंने लिखा कि यदि आपको विश्वास नहीं हो रहा है, तो मैं इसे दोहराता हूं कि 'मुंबई में घर खरीदने के लिए, भारत के सबसे अमीर पांच प्रतिशत लोगों को भी अपनी आय का 30 प्रतिशत 109 वर्षों तक बचाना होगा। उन्होंने कहा कि यही हाल है ज्यादातर बड़े शहरों का, जहां आप अवसरों और सफलता की तलाश में कड़ी मेहनत करते हैं। और इतनी बचत कहां से आएगी? लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग को विरासत में धन नहीं, बल्कि जिम्मेदारियां मिलती हैं। बच्चों की महंगी शिक्षा, महंगे इलाज की चिंता, माता-पिता की जिम्मेदारी या परिवार के लिए एक छोटी कार।

गांधी ने कहा कि अभी भी दिलों में एक सपना है कि 'एक दिन' हमारा अपना घर होगा! लेकिन जब वह एक दिन अमीरों के लिए भी 109 साल दूर हो, तो समझ लीजिए कि गरीबों को उनके सपनों के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। हर परिवार को आरामदायक चार दीवारें और सिर पर छत की जरूरत होती है, लेकिन दुर्भाग्य से इसकी कीमत आपके पूरे जीवन की कड़ी मेहनत और बचत से भी अधिक होती है।

कौन हैं सालबेग, सबसे पहले मजार के सामने क्यों रुकती है भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा?

पुरी, 26 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के जगन्नाथ पुरी मंदिर में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन यानी आज 27 जून को रथ यात्रा निकाली जाएगी। हर साल इस रथ यात्रा को देखने के लिए लाखों की संख्या में देश-विदेश से जगन्नाथ पुरी में भक्त पहुंचते हैं। भक्त अपने भगवान का रथ खींचने के लिए लालायित रहते हैं। इस दौरान एक अनोखा दृश्य तो तब नजर आता है जब भगवान का रथ मंदिर से चलकर करीब 200 मीटर की दूरी पर रुक जाता है और कुछ देर ठहरने के बाद यह रथ फिर से आगे बढ़ता है। यह जगह है- भगवान जगन्नाथ के भक्त सालबेग की मजार। सालबेग एक मुस्लिम परिवार में जन्मे थे। उनके पिता तालबेग मुगल साम्राज्य के एक बड़े अधिकारी यानी सूबेदार थे। सालबेग की पढ़ाई-लिखाई वृंदावन में हुई, लेकिन एक बार वह किसी काम से पुरी आए जहां उन्होंने भगवान जगन्नाथ की महिमा सुनी, तो उनके मन में भी यह इच्छा जागी कि वे भगवान के दर्शन करें। जब सालबेग मंदिर पहुंचे, तो उन्हें दरवाजे पर ही रोक दिया गया, क्योंकि मंदिर में गैर-हिंदुओं का प्रवेश वर्जित है। इस बात से सालबेग को दुख तो हुआ, लेकिन साथ ही भगवान जगन्नाथ के लिए उनकी जिज्ञासा और भक्ति भी गहरी होती चली गई। उन्होंने मंदिर में प्रवेश न मिल पाने के बावजूद भगवान के प्रति अपनी भक्ति बनाए रखी। वह भजन, कीर्तन और प्रभु का नाम जपने लगे। एक रात सालबेग को सपना आया, जिसमें भगवान जगन्नाथ स्वयं प्रकट हुए और कहा, "मैं तुम्हारी भक्ति से बहुत प्रसन्न हूं। भले ही तुम मुझे मंदिर में नहीं देख सके, लेकिन मैं तुम्हें दर्शन दूंगा।" सालबेग ने भगवान से पूछा, "कब?" तब प्रभु ने कहा, "जब रथ यात्रा निकलेगी, तब मेरा रथ तुम्हारे सामने रुकेगा और सब जान जाएंगे कि तुम मेरे सच्चे भक्त हो।"समय बीता और एक दिन रथ यात्रा आई। जैसे ही भगवान जगन्नाथ का रथ उस जगह पहुंचा, जहां सालबेग ठहरे थे, रथ वहीं अटक गया। हजारों लोगों ने मिलकर भी रथ को आगे नहीं बढ़ा सके। तभी भगवान जगन्नाथ की फूलों की माला लेकर सालबेग तक पहुंचाई गई। तभी जाकर रथ आगे बढ़ा। लोगों को समझ में आ गया कि यह कोई संयोग नहीं था, बल्कि भगवान ने अपने भक्त को खुद दर्शन दिए। पंडों को भी इस बात का पछतावा हुआ कि उन्होंने एक सच्चे भक्त को मंदिर में प्रवेश से रोका था। सालबेग ने बाद में भगवान की सेवा भी की और 1646 में उनका देहांत हुआ। पुरी के राजा ने उस स्थान पर एक मंदिर बनवाया जिसे कई लोग सालबेग की मजार भी कहते हैं। आज भी रथ यात्रा के समय भगवान जगन्नाथ का रथ मंदिर के सामने कुछ देर जरूर रुकता है। यह कहानी बताती है कि भगवान की भक्ति के लिए न तो धर्म जरूरी है, न जात-पात। जरूरत है तो सच्चे मन और विश्वास की।

बच्चों ने अपमानित किया तो आर्मी के रिटायर्ड अफसर ने मंदिर को दान कर दी करोड़ों की संपत्ति

चेन्नई, 26 जून (एजेंसियां)। जब कोई अपनों से दर्द से पाता है तो दिल पर क्या गुजरती है, इसका अंदाजा वही लगा सकता है जिसके ऊपर बीती हो। बच्चों से अपमानित से माता-पिता क्या कर सकते हैं, इसका उदाहरण तमिलनाडु में देखने को मिला है। बच्चों से अपमानित होकर सेना के पूर्व अधिकारी ने अरुलमिगु रेणुगांबल अम्मन मंदिर को चार करोड़ की अपनी संपत्ति दान कर दी। जानकारी के अनुसार, 24 जून को मंदिर की दान पेटी में 4 करोड़ की दो संपत्तियों के दस्तावेज मिले। मंदिर प्राधिकरण के सदस्य ये दस्तावेज पाकर हैरान रह गए। दरअसल, तमिलनाडु के अरुलमिगु रेणुगांबल अम्मन मंदिर में मंदिर प्राधिकरण के सदस्य हर दो महीने में एक बार भक्तों से मिलने वाले दान, आमतौर पर नकद चढ़ावे की गिनती करते हैं। मंगलवार चढ़ावे की गिनती के दौरान मंदिर के सदस्य 4 करोड़ की दो संपत्तियों के मूल दस्तावेज पाकर हैरान रह गए। यह मंदिर तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले में अरनी शहर के पास स्थित है। चार करोड़ रुपये की संपत्ति दान करने वाले भक्त की पहचान सेवानिवृत्त सेना अधिकारी एस विजयन के रूप में हुई है। केशवपुरम गांव के मूल निवासी विजयन बचपन से ही मंदिर में पूजा करते आ रहे हैं। अपनी पत्नी वी कस्तूरी (56) से मतभेद के बाद वे करीब दस साल से अकेले रह रहे हैं। 65 वर्षीय पूर्व सैनिक की दो बेटियां हैं, दोनों विवाहित हैं और चेन्नई और वेल्लोर में रहती हैं। हालांकि, उन्हें कथित तौर पर अपने परिवार से कोई सहायता नहीं मिलती है। उनकी बेटियां उन पर संपत्ति अपने नाम करने के लिए दबाव डाल रही थीं। एस विजयन का कहना है कि मुझे अपने बच्चों द्वारा दैनिक खर्चों के लिए भी अपमानित किया जाता था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 27 जून, 2025

सुविचार: कोई हमारा बुरा करे ये उसका कर्म है हम किसी का बुरा न करें ये हमारा धर्म है

गोलकोंडा किले में बोनालु उत्सव समारोह शुरू

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रतिनिधित्व करने वाला बोनालु उत्सव गुरुवार को गोलकोंडा किले में भव्य तरीके से शुरू हुआ। परंपरागत रूप से, समारोह की शुरूआत राज्य सरकार की ओर से हैदराबाद के लंगर हाउस स्थित मंदिर में देवी जगदंबा महाकाली को समर्पित उद्घाटन पूजा के साथ होती है। यह उत्सव किले में अंतिम बोनम के साथ समाप्त होगा, जिसमें एक महीने की अवधि के लिए हर गुरुवार और रविवार को नौ पूजाएं आयोजित की जाएंगी। 2025 के लिए आषाढ़ महीने के बोनालु उत्सव की शुरूआत का जश्न मनाने के लिए, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार ने मंत्रियों पोन्नम प्रभाकर और कोंडा सुरेखा के साथ देवी गोलकोंडा जगदम्बा महाकाली को रेशमी वस्त्र भेंट किए और सम्मान में पहला बोनम आयोजित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि आषाढ़ बोनालु तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का सार दर्शाता है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि देवी जगदम्बा का आशीर्वाद तेलंगाना के लोगों और राज्य सरकार पर बरसेगा। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आषाढ़ महीने के दौरान बोनालु उत्सव को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि हैदराबाद की परंपराओं और रीति-रिवाजों ने दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल की है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार ने बोनालु उत्सव के उपलक्ष्य में 3,000 मंदिरों का समर्थन करने के लिए 20 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पूरे एक महीने तक विभिन्न मंदिरों में बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। जीएचएमसी मेयर गदवाल विजया लक्ष्मी, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, बीसी आयोग के अध्यक्ष निरंजन, प्रमुख सचिव (बंदोबस्ती) शैलजा राम अय्यर, हैदराबाद कलेक्टर दसारी हरिचंदना, पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव, मत्स्य निगम के अध्यक्ष मेट्टू साईकुमार और अन्य प्रमुख नेता और अधिकारी भी उपस्थित थे। इस बीच, बीआरएस एमएलसी कविता ने भी समारोह में भाग लिया और देवता जगदंबिका अम्मावरु को बोनम भेंट किया।

पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोलकोंडा जगदम्बा महाकाली अम्मावरी के आषाढ़ बोनालु के पहले बोनम के शुभ अवसर पर, तेलंगाना सरकार की ओर से देवी को रेशमी वस्त्र अर्पित किए गए। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम लंगर हाउस एक्स रोड पर हुआ, जिसमें मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा (एंडोवमेंट मंत्री), और विधान सभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद सहित कई गणमान्य लोगों ने अन्य प्रमुख नेताओं के साथ भाग लिया। समारोह के बाद, सी.वी. आनंद आईपीएस, महानिदेशक और हैदराबाद पुलिस आयुक्त ने व्यक्तिगत रूप से लंगर हाउस चौराहे से लेकर गोलकुंडा किले तक सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख की। इसके बाद उन्होंने जगदम्बिका अम्मावरी के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त करते हुए विशेष पूजा की।

इस पहले बोनम के दिन हजारों भक्तों की अनुमानित भीड़ को देखते हुए, अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि जनता को कोई असुविधा न हो। आयुक्त श्री आनंद ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अपराध पुलिस ने जेबकतरी और चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत निगरानी स्थापित की है। इसके अलावा, ईव-टीजिंग को रोकने के लिए शी टीमों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी आवश्यक सक्रिय उपाय किए गए हैं। कार्यक्रम में अन्य प्रमुख पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति देखी गई, जिनमें विक्रम सिंह मान आईपीएस, अतिरिक्त सीपी (कानून और व्यवस्था), डी. जोएल डेविस आईपीएस, संयुक्त सीपी (यातायात), के. अपूर्व राव आईपीएस, डीसीपी (विशेष शाखा), डी. चंद्रमोहन, डीसीपी (दक्षिण पश्चिम क्षेत्र) और एंडे श्रीनिवास राव, अतिरिक्त डीसीपी टास्क फोर्स, अन्य शामिल थे।

बीएलओ और पर्यवेक्षकों का आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में प्रशिक्षण

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली में शुरू हुआ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए चुनावों के सुचारू और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने में अच्छी तरह से प्रशिक्षित मतदान कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

यह कार्यक्रम क्षेत्र-स्तरीय चुनावी क्षमता को मजबूत करने और चुनावों के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने की व्यापक पहल का हिस्सा है। मुख्य चुनाव अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी, आईएएस भी प्रशिक्षण के दौरान मौजूद थे और उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की, चुनावी प्रक्रिया में जमीनी स्तर पर भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रमुख प्रतिभागियों में जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) मिकिलिनेनी मनु चौधरी, आईएएस, कलेक्टर और जिला चुनाव अधिकारी, मेडचल मलकाजगीर और अनुदीप दुरीशेट्टी, आईएएस, कलेक्टर और जिला चुनाव अधिकारी, हैदराबाद शामिल थे। प्रशिक्षण में कुल 56 बीएलओ पर्यवेक्षकों और 63 बूथ स्तर के अधिकारियों ने भाग लिया, जिससे जमीनी स्तर पर एक मजबूत चुनावी ढांचे को मजबूती मिली। सत्र में प्रतिभागियों को मतदाता पंजीकरण प्रक्रियाओं, मतदाता सूची की अखंडता, डिजिटल उपकरणों के उपयोग और चुनावी मानदंडों और दिशानिर्देशों के अनुपालन में अद्यतन ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया में सटीकता, जवाबदेही और समावेशिता को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर तेलंगाना के प्रमुख निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) और वरिष्ठ अधिकारी टी. विनोद कुमार, ईआरओ और राजस्व मंडल अधिकारी, आदिलाबाद, राजेंद्र कुमार, राजस्व मंडल अधिकारी, निजामाबाद, एस. रमेश बाबू, राजस्व मंडल अधिकारी, हुजुराबाद मंडल, करीमनगर, डी. देवुजा, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और ईआरओ, श्रीनू, राजस्व मंडल अधिकारी, कलवाकुर्ती, जी. अंजनेयुलु, ईआरओ और उपायुक्त, उप्पल सर्कल, वी. सम्मिया, ईआरओ और उपायुक्त, सर्कल नंबर 18 (जुबली हिल्स), जीएचएमसी, ई. नवीन कुमार, राजस्व मंडल अधिकारी, महबूबनगर, वाई. अशोक रेड्डी, ईआरओ, 92-नलगोंडा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और आरडीओ, नलगोंडा, जी. गणेश, ईआरओ एवं आरडीओ, थोरूर, एम. राजेश्वरी, एसडीसी (एलए) आईपीटी और आरएलवाईएस, खम्मम उपस्थित रहे।

कोमटिरेड्डी ने नलगोंडा में पुनर्निर्मित भाविता केंद्र का उद्घाटन किया

नलगोंडा, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क, भवन और छायांकन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने नलगोंडा में नव पुनर्निर्मित भाविता केंद्र का उद्घाटन किया, जिसे प्रतीक फाउंडेशन के सहयोग से उन्नत किया गया था। इस अवसर पर, उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि किसी अतिरिक्त सुविधा की आवश्यकता होगी, तो उसे प्रतीक फाउंडेशन के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि फाउंडेशन ने इस परियोजना के लिए पहले ही 10 लाख रुपये का योगदान दिया है।

जब जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी ने सप्ताह में दो बार स्पीच थेरेपी सत्र शामिल करने का अनुरोध किया, तो मंत्री ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की। भाविता केंद्र के आधुनिकीकरण, जिसमें एक गतिविधि कक्ष का निर्माण और बुनियादी ढांचे को बढ़ाना शामिल है, को प्रतीक फाउंडेशन से 10 लाख रुपये और जिला कलेक्टरेट फंड से अतिरिक्त 7 लाख रुपये का समर्थन दिया गया है। मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि केंद्र पूरी तरह सुसज्जित हो और उन्होंने केंद्र में एयर कंडीशनर लगाने का भी निर्देश दिया।

2 लाख करोड़ रुपये के कर्ज पर श्वेत पत्र दे सरकार : कविता

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने गुरुवार को मांग की कि कांग्रेस सरकार अपने शासन के सिर्फ़ 18 महीनों में बॉन्ड नीलामी के ज़रिए लिए गए लगभग 2 लाख करोड़ रुपये पर एक श्वेत पत्र जारी करे। सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को रिकॉर्ड समय में इस 'ऋण मील का पत्थर' हासिल करने के लिए व्यंग्यात्मक रूप से बधाई दी, लेकिन सवाल किया कि धन का उपयोग कहां किया गया था।

उन्होंने कहा, भारी मात्रा में उधार लेने के बावजूद, युवा महिलाओं के लिए स्कूटर, बढ़ी हुई सामाजिक सुरक्षा पेंशन या छात्रों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति सहित एक भी प्रमुख चुनावी वादा पूरा नहीं किया गया है। कविता ने मुख्यमंत्री के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उधार का इस्तेमाल बीआरएस शासन से लिए गए ऋणों को चुकाने के लिए किया जा रहा था, उन्होंने इसे 'सरासर झूठ' बताया।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के तहत, तेलंगाना ने एक साफ-सुथरा वित्तीय रिकॉर्ड बनाए रखा और यहां तक कि ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) से जिम्मेदार ऋण सेवा के लिए 'ए' ग्रेड भी हासिल किया। इसके विपरीत, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार 1,321 करोड़ रुपये का बकाया चुकाने में विफल रहने के कारण जल्दी ही एक संदिग्ध प्रतिष्ठा हासिल कर रही थी। उन्होंने कहा, बीआरएस शासन के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के लिए लिए गए ऋण को चुकाने की समयसीमा 2035 तय की थी। हालांकि, सत्ता में आने के बाद कांग्रेस सरकार ने 2040 तक ऋण का पुनर्गठन करने की मांग की। आरईसी ने न केवल प्रस्ताव को खारिज कर दिया, बल्कि राज्य पर लगातार तीन महीनों तक ऋण न चुकाने का आरोप भी लगाया।

उन्होंने आरईसी के 6 जून के पत्र का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि यदि 1,321 करोड़ रुपये का बकाया तुरंत नहीं चुकाया गया तो तेलंगाना को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घोषित किया जा सकता है, जिससे राज्य की साख को नुकसान पहुंच सकता है। कविता ने आरोप लगाया कि ऋण चुकाने या कल्याणकारी और विकास योजनाओं को लागू करने पर ध्यान देने के बजाय, कांग्रेस सरकार अपने पसंदीदा ठेकेदारों को अग्रिम भुगतान करके बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त है। उन्होंने कहा कि ये ठेकेदार फिर कांग्रेस नेताओं को कमीशन दे रहे हैं।

कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के स्वामित्व वाली राघव कंस्ट्रक्शन्स और एमईआईएल को कथित तौर पर 1,200 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान किया गया, जबकि जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं हुई। उन्होंने रेवंत रेड्डी को भ्रष्टाचार का सम्राट करार दिया और घोषणा की कि तेलंगाना जागृति जल्द ही उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों का विवरण देने वाली एक पुस्तक प्रकाशित करेगी।

कविता ने गोदावरी-बनकाचेरला परियोजना पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि इसे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के साथ रेवंत रेड्डी की बैठक के बाद अंतिम रूप दिया गया था। उन्होंने कहा कि परियोजना को सर्वोच्च परिषद से अनिवार्य मंजूरी के बिना आगे बढ़ाया जा रहा है, जैसा कि एपी पुनर्गठन अधिनियम के तहत आवश्यक है। उन्होंने कहा, आंध्र प्रदेश के बुद्धिजीवी भी इस परियोजना की उपयोगिता पर सवाल उठा रहे हैं।

कोकापेट ट्रम्पेट यातायात को आसान बनाने के लिए तैयार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोकापेट (नियोपोलिस) में एक तुरही के आकार का फ्लाईओवर परिचालन के लिए तैयार है। यह फ्लाईओवर पाटनचेरु और कोकापेट लेआउट, कोकापेट लेआउट और गच्चीबावली, कोकापेट लेआउट और शमशाबाद, शमशाबाद और गच्चीबावली, साथ ही कोकापेट लेआउट और पाटनचेरु के बीच चलने वाले मोटर चालकों के लिए निर्बाध यात्रा कनेक्शन सुनिश्चित करेगा। फ्लाईओवर की अनूठी वास्तुकला योजना हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा विकसित की गई थी और रणनीतिक सड़क विकास योजना (एसआरडीपी) के हिस्से के रूप में 65 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया गया था। अधिकारी इस महीने के अंत तक फ्लाईओवर का उद्घाटन करने की योजना बना रहे हैं। एचएमडीए के अधीक्षण अभियंता (एसई), वीवीएस अप्पा राव ने बताया, 530 एकड़ में फैले कोकापेट लेआउट के एकीकृत विकास के हिस्से के रूप में, एचएमडीए ने पाटनचेरु और शमशाबाद की ओर प्रवेश और निकास के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करने के लिए मूवी टावर्स के पास एक तुरही फ्लाईओवर के माध्यम से एक एक्सेस-नियंत्रित एक्सप्रेसवे (ओआरआर) का प्रस्ताव रखा है।

ट्रम्पेट फ्लाईओवर की विशेषताओं के बारे में बताते हुए, एसई ने कहा कि एक ट्रम्पेट के साथ दो प्रवेश रैंप और दो निकास रैंप बनाए गए हैं। एचएमडीए ने अलग-अलग वक्रता त्रिज्या के साथ आउटर रिंग रोड (ओआरआर) से पांच निकास लेन और तीन प्रवेश लेन बनाए हैं। एचएमडीए इस नए फ्लाईओवर पर कुल आठ टोल बूथ संचालित करेगा- पांच निकास लेन के लिए और तीन प्रवेश लेन के लिए। एक और मुख्य विशेषता यह है कि कोकापेट में ट्रम्पेट एक ही ट्रम्पेट है, जबकि घाटकेसर में डबल ट्रम्पेट है। डबल ट्रम्पेट का कारण राजमार्ग पर परेशानी मुक्त आवागमन प्रदान करना है।

बीआरएस नेता ने रैतु भरोसा फंड में देरी पर भूख हड़ताल शुरू करने की दी चेतावनी

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता पी कार्तिक रेड्डी ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर कांग्रेस सरकार एक सप्ताह के भीतर रंगारेड्डी जिले के किसानों को रैतु भरोसा सहायता जारी करने में विफल रहती है तो वे अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर देंगे। भेदभाव का आरोप लगाते हुए उन्होंने जिले के किसानों को लाभ योजना से बाहर रखने पर राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए कार्तिक रेड्डी ने सवाल किया कि क्या किसानों को पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट न देने की सज़ा दी जा रही है। उन्होंने कहा, जबकि सरकार विकास परियोजनाओं के लिए जिले में कृषि भूमि अधिग्रहण करने के लिए उत्सुक है, लेकिन वह उन किसानों का समर्थन करने के लिए कोई इच्छा नहीं दिखाती है जो उस पर खेती करते हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती रंगारेड्डी जिला देश में प्रति व्यक्ति आय के मामले में गुरुग्राम के बाद दूसरे स्थान पर है, फिर भी कांग्रेस सरकार विकास और कल्याणकारी योजनाओं के मामले में इसके साथ भेदभाव कर रही है। बीआरएस नेता ने कैबिनेट प्रतिनिधित्व में पक्षपात का भी आरोप लगाया और चुनावी वादों, खासकर जीओ 111 से संबंधित वादों को पूरा करने में सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की। मौजूदा और पिछली सरकारों के बीच अंतर बताते हुए उन्होंने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने किसानों की मां की तरह देखभाल की, जबकि रेवंत रेड्डी उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं।

किशन रेड्डी ने निजामाबाद में हल्दी बोर्ड का दौरा किया

> केंद्रीय मंत्री ने हल्दी बोर्ड कार्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज निजामाबाद जिले में हल्दी बोर्ड कार्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह 29 जून को निजामाबाद शहर का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हल्दी किसानों की आकांक्षाओं के अनुसार हल्दी बोर्ड के लिए संघर्ष लंबे समय से चल रहा था और उन्होंने कहा कि कई राजनीतिक दलों ने हल्दी किसानों से कई वादे किए थे, लेकिन उन्हें लागू नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से निजामाबाद जिले में हल्दी बोर्ड की घोषणा की गई है। यह बहुत अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने देशभर में हल्दी बोर्ड की गतिविधियों के लिए निजामाबाद में राष्ट्रीय मुख्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के साथ-साथ कुछ अन्य राज्यों की सरकारों ने केंद्र से अपने राज्यों में राष्ट्रीय मुख्यालय स्थापित करने का अनुरोध किया था, लेकिन यह निजामाबाद को दिया गया है। निजामाबाद जिले में हल्दी बोर्ड की स्थापना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किसानों को एक उपहार है। निजामाबाद के एक किसान को राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त करना सराहनीय है। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड कार्यालय का उद्घाटन 29 जून को गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

उसके बाद बोर्ड के लोगो का अनावरण किया जाएगा। बाद में वे किसानों की बैठक को संबोधित करेंगे। रेड्डी ने कहा कि हल्दी बोर्ड के उद्घाटन में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता पूरी तरह से शामिल होंगे। राज्य के सभी गांवों के किसान इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि निजामाबाद जिला कई वर्षों से किसान आंदोलनों का केंद्र बिंदु रहा है और यह किसान चेतना का प्रतीक बन गया है। किसान संगठन बनाकर गांव की राजनीति से परे अपनी समस्याओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। स्थानीय नेताओं और सांसदों की इच्छा के अनुसार केंद्र द्वारा निजामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना इस क्षेत्र के किसानों के लिए गर्व की बात है। हम सभी को स्वेच्छा से और राजनीति से परे इस कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित करते हैं। हल्दी हिंदू समाज में पवित्रता का प्रतीक रही है।

वैदिक काल से ही हल्दी का उपयोग शुभ कार्यों, वैज्ञानिक तरीकों और कई स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं में किया जाता रहा है। केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की घोषणा का उद्देश्य हल्दी किसानों के जीवन पर प्रकाश डालना है। इस बोर्ड के माध्यम से प्रत्येक किसान को लाभान्वित करने के उद्देश्य से सभी किसानों को समन्वित तरीके से गतिविधियां बनानी चाहिए। रेड्डी ने कहा कि बोर्ड के शुभारंभ के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अमित शाह अन्य मंत्रियों और अधिकारियों के साथ आगे की गतिविधियों पर चर्चा करेंगे और कहा कि वे हल्दी की कीमतें बढ़ाने और मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास के माध्यम से रोजगार के अवसरों में सुधार के लिए कदम उठाएंगे, जबकि इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का सम्मान बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि निजामाबाद जिले में हल्दी बोर्ड की स्थापना प्रधानमंत्री मोदी के शासन के दौरान तेलंगाना राज्य के लिए एक अद्भुत उपहार है। बाद में, केंद्रीय मंत्री ने 29 जून को पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में होने वाली अमित शाह की बैठक की व्यवस्था का निरीक्षण किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NB SUB/LA R B REDDY, R/O : BALIZERUGULLA, BESTHAWARIPETA, GIDDALUR, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523346, Have Changed My Son's Name From VVKDK BASI REDDY to VENKATA VAMSI KRUSHNA DHANUSH KUMAR BASI REDDY vide Affidavit dt. 26-06-2025 duly Sd.by P.RAVEENDRANATH ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना भ्रष्टाचार में आगे बढ़ रहा है : प्रभाकर

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कांग्रेस सरकार के नारे तेलंगाना आगे बढ़ रहा है का उपहास करते हुए राज्य भाजपा उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आरोप लगाया कि विकास में आगे बढ़ने के बजाय रेवंत रेड्डी सरकार भ्रष्टाचार के मामलों, वित्तीय अनियमितताओं, शराब और सरकारी जमीन की बिक्री, जांच आयोगों के गठन, अत्याचार और आत्महत्या के मामलों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार है। फोन टैपिंग और केएलआईपी मामलों में सीबीआई की मांग को दोहराते हुए प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जांच आयोगों की नियुक्ति करने के बजाय कोई कार्रवाई करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के 10 साल के दौरान कई वित्तीय अनियमितताएं हुईं, लेकिन कांग्रेस सरकार ने अभी तक तथ्यों को उजागर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

फोन टैपिंग मामले का जिक्र करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जजों, राजनीतिक नेताओं और फिल्म क्षेत्र की हस्तियों समेत कई महत्वपूर्ण हस्तियों के फोन टैप किए गए। लेकिन अभी तक जांच में कुछ भी सामने नहीं आया है। प्रभाकर ने कहा कि केएलआईपी की सीबीआई जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी क्योंकि पूर्व सीएम चंद्रशेखर राव और पूर्व सिंचाई मंत्री टी हरीश राव इंजीनियर विशेषज्ञों को दोषी ठहराने की कोशिश कर रहे हैं और बीआरएस सरकार ने जल बंटवारे के मुद्दे पर कृष्णा और गोदावरी नदी में आंध्र प्रदेश के साथ तेलंगाना के हित को गिरवी रख दिया था।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

26.06.2025

Notice is hereby given to the general public that, Sri. Padala AJAY President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **Bharatiya Yuvajana Party** (Name of the Party) with the location of it's Head Office H.No.7-37, Julapelli, Kamanpur, PeddaPalli, T.G. 505-188 under the registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the party are Sri. Padala AJAY, President, Sri. Padala Sridhar General Secretary and Sri. Bharath Bollampalli, Treasurer. Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp. PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad-500004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated the Commission will process to register Bharatiya Yuvajana Party as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

President
Padala Ajay
Bharatiya Yuvajana Party

मुकेश सहनी की पार्टी में जायेगी बिंदु यादव, झंझारपुर से लड़ सकती हैं चुनाव

मधुबनी, 26 जून (एजेंसियां)। पूर्व विधायक गुलाब यादव की बेटी और मधुबनी जिला परिषद की चेयरमैन बिंदु गुलाब यादव पहली बार किसी राजनीतिक पार्टी की विधिवत सदस्यता लेंगी बिंदु गुलाब यादव मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी में शामिल हो रही हैं झंझारपुर के पूर्व विधायक गुलाब यादव की बेटी बिंदु गुलाब यादव को जिला परिषद के अध्यक्ष के उम्मीदवार के तौर पर राजद ने समर्थन दिया था माना जा रहा है कि बिंदु गुलाब यादव झंझारपुर से विधानसभा का चुनाव लड़ सकती है इसी सीट से उनके पिता 2015 में विधायक निर्वाचित हुए थ पुणे यूनिवर्सिटी से एमबीए पासआउट बिंदु गुलाब यादव महज 29 साल की उम्र में राजनीति में आयीं और झंझारपुर प्रखंड के जिला परिषद क्षेत्र संख्या 49 से पहली बार चुनावी मैदान में उतरी बिंदु गुलाब यादव ने दिग्गजों को हराकर जिला परिषद सदस्य का चुनाव जीता और मधुबनी जिला परिषद की चेयरमैन चुनी गई बिंदु गुलाब यादव बिहार में सबसे कम उम्र में जिला परिषद की अध्यक्ष रहीं हैं बिंदु गुलाब यादव की मां अंबिका यादव भी निर्दलीय एमएलसी रही हैं बिंदु गुलाब यादव के पिता गुलाब यादव करीब एक वर्ष से ईडी की गिरफ्त में हैं ईडी ने पूर्व विधायक गुलाब यादव पर करोड़ों की बेनामी संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया है ईडी पूर्व आरजेडी विधायक गुलाब यादव के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है ईडी ने गुलाब यादव को आईएएस संजीव हंस के साथ इस मामले में सह आरोपी बनाया हुआ है

बीजेपी के पूर्व सासंद ने राहुल गांधी को लेकर कह दी ये बड़ी बात

बोले- उनको शशि थरूर से प्रेरणा लेनी चाहिए

मेरठ, 26 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पीएम मोदी की तारीफ कर डाली और ये तारीफ राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है पीएम मोदी की तारीफ को लेकर मेरठ से पूर्व लोकसभा सांसद रहे राजेन्द्र अग्रवाल ने राहुल गांधी को लेकर बड़ी बात कह डाली है उन्होंने इमरजेंसी को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा है और इमरजेंसी की पुरानी यादों को याद कर वो सिहर उठे हैं मेरठ से तीन बार के लोकसभा सांसद रहे राजेन्द्र अग्रवाल का कहना है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे राहुल गांधी को कांग्रेस सांसद शशि थरूर से प्रेरणा लेनी चाहिए यदि विपक्ष का कोई नेता किसी की तारीफ करता है तो उसे संदेह के घेरे में नहीं लेना चाहिए अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इंदिरा गांधी की तारीफ की थी, उस बात को भी ध्यान रखना चाहिए पीएम मोदी तारीफ के काबिल हैं और उन्होंने आज पूरी दुनिया में देश का सिर गर्व से उपर कर रखा है और पीएम मोदी की विदेश नीति का लोहा पूरी दुनिया मान रही हैं इसीलिए तो कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पीएम मोदी की तारीफ की है और पीएम मोदी हैं ही ऐसे कि विपक्ष के लोग उनकी तारीफ किए बिना रह ही नहीं सकते, इसलिए शशि थरूर से राहुल गांधी को भी प्रेरण लेनी चाहिए

समाजवादी पार्टी के नेता पर भी बोला हमला

समाजवादी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र चौधरी ने इमरजेंसी को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है उनका कहना है कि आज के हालात भी इमरजेंसी से मिलते जुलते से ही हैं, कोई आवाज उठाता है तो जेल में डाल दिया जाता है इस बयान पर जब मेरठ से पूर्व लोकसभा सांसद राजेन्द्र अग्रवाल से सवाल किया गया तो उन्होंने राजेन्द्र चौधरी पर पलटवार किया कि राजेन्द्र चौधरी को इमरजेंसी की जानकारी नहीं है, पहले वो इमरजेंसी का इतिहास जाने और उसके बाद इमरजेंसी को लेकर कुछ कहें मुकदमा दर्ज होना इमरजेंसी नहीं हैं, यदि हम कुछ गलत करेंगे तो हम पर भी मुकदमा दर्ज होगा भले ही सरकार हमारी है, लेकिन इमरजेंसी तानाशाही थी जो इंदिरा गांधी ने की थी बांके बिहारी कॉरिडोर बनने का विरोध करने के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के बयान पर भी उन्होंने बड़ी बात कही और बोले, कांग्रेस उल्टे ही काम करती है, अजय राय जैसे व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए वर्ना जनता देख रही है

सांसद ने याद किए अपने जेल के दिन

बात 1975 की है राजेन्द्र अग्रवाल पीलीभीत में आरएसएस के जिला प्रचारक थे उन्हें भी आपातकाल में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था 16 महीने वो यहां जेल में रहें राजेन्द्र अग्रवाल इमरजेंसी की यादों को ताजा कर सिहर उठे, बोले 16 महीने कब सूर्योदय हुआ और कब सूर्यास्त पता ही नहीं चलता था इसके बाद मुझे बरेली की सेंट्रल जेल में भेज दिया गया था और वहां भी करीब पांच महीने जेल में रहा इस तरीके से 21 महीने जेल में रहा, लेकिन उस दौरान लोगों को उल्टा लटकाकर पीटना, उन्हें यातनाएं देना और भी न जाने-क्या था इंदिरा गांधी की ये इमरजेंसी देश के लिए काला अध्याय है मार्च में इमरजेंसी खत्म हुए, लेकिन मुझे तब भी अप्रैल में रिहा किया गया था दरअसल, मेरठ के आईएमए हॉल में बीजेपी ने इमरजेंसी के 50 साल को लेकर कार्यक्रम किया था जिसमें बीजेपी के पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल भी पहुंचे थे

कर्ज में डूबे परिवार ने खाया जहर, मां-बेटी की मौत, पिता और बेटी की हालत नाजुक

बिजनौर, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के नूरपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां कर्ज से परेशान एक ही परिवार के चार लोगों ने जहर खा लिया। बताया गया कि मां और एक बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता और दूसरी बेटी की हालत नाजुक बनी हुई है। यह मामला नूरपुर क्षेत्र के टेंडरा गांव का है, जहां साहूकारों से कर्ज लेकर जूझ रहे पुखराज के परिवार ने जहर खाकर जान देने की कोशिश की। इनमें मां रमेशिया और बड़ी बेटी अनीता की मौत हो गई जबकि पिता पुखराज और छोटी बेटी सुनीता को हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार परिवार लंबे समय से साहूकारों से लिए कर्ज और लगातार हो रहे दबाव से मानसिक तनाव में था। आर्थिक तंगी ने परिवार को इतना तोड़ दिया कि सामूहिक जहर खाने जैसा कदम उठाना पड़ा।

अखिलेश यादव की सांसद रुचि वीरा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत, दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

मुरादाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद से सपा सांसद रुचि वीरा और याचिकाकर्ता उमाकांत गुप्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है हाईकोर्ट ने मुरादाबाद की एसीजेएम कोर्ट से जारी समन आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर फिलहाल रोक लगा दी है जस्टिस समित गोपाल की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और विपक्षी संख्या दो को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है साथ ही याचिकाकर्ताओं को तीन हफ्तों में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने का समय दिया गया है अब इस मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त को होगी मामले में एसीजेएम कोर्ट द्वारा सपा सांसद रुचि वीरा और उमाकांत गुप्ता को समन जारी किया गया था इनके खिलाफ 6 अप्रैल 2024 को मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी एफआईआर लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में दर्ज की गई थी एफएसटी प्रभारी उमेश कुमार त्रिवेदी की तहरीर पर आईपीसी की धारा 171एच और 188 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था आरोप था कि सपा प्रत्याशी रुचि वीरा ने बिना अनुमति के उमाकांत गुप्ता के डिप्टीगंज स्थित घर पर कार्यकर्ताओं के साथ जनसभा की थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ था इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता इरशाद अहमद ने कोर्ट में पक्ष रखा रुचि वीरा अमरोहा जिले की रहने वाली हैं और उनका जन्म हसनपुर गांव में हुआ, उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली से कला स्नातक (बीए) की डिग्री प्राप्त की है रुचि वीरा ने सपा के टिकट पर 2014 में बिजनौर विधानसभा उपचुनाव जीता इसके बाद वह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल हुईं, लेकिन 2023 में फिर सपा में लौटीं वह सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की करीबी मानी जाती हैं

एक्शन में ईडी

मुश्किल में फंसे रेलवे इंजीनियर 747 करोड़ की संपत्ति जब्त

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना कार्यालय ने भारतीय रेलवे में सहायक अभियंता (बाद में उप मुख्य विद्युत अभियंता) के पद पर तैनात रहे रवीश कुमार और उनकी पत्नी मीनाक्षी राज की 747 करोड़ की संपत्ति अंतिम रूप से जब्त कर ली। इसके पहले इन संपत्तियों को औपबंधिक रूप से जब्त किया गया था। जब्त संपत्तियों में जमीन के टुकड़े, फ्लैट व बैंक में जमा राशि शामिल हैं। निदेशालय से मिली जानकारी के अनुसार ईडी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), सीबीआई पटना की ओर नवंबर 2020 में दर्ज प्राथमिकी और उसके बाद की गई चार्जशीट के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। सीबीआई ने अपने आरोप पत्र में कहा कि रवीश कुमार ने जनवरी 2009 से अक्टूबर 2020 की अवधि के दौरान अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। यह संपत्ति आय से करीब 756 करोड़ रुपये अधिक है। जो उनकी वैध संपत्ति से करीब 320 गुना ज्यादा है। ईडी की जांच से पता चला कि रवीश कुमार और मीनाक्षी राज के नाम पर 16 अचल संपत्तियां खरीदी गई थीं। जिनका अधिकांश भुगतान नगद में किया गया। इन अचल संपत्तियों की कीमत 604 करोड़ रुपये के करीब है। जिन्हें अंतिम रूप से कुर्क कर लिया गया है। इस संपत्ति में बैंक में जमा राशि, फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी), टर्म डिपाजिट (टीडी), नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) के रूप में 142 करोड़ रुपये (लगभग) मूल्य की चल संपत्तियां हैं।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में कोर्ट में पेश हुए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, आरोप तय

मुंगेर, 26 जून (एजेंसियां)। 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़े आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में गुरुवार को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कुल पांच आरोपितों के विरुद्ध आरोप गठित किया गया। इसको लेकर उप मुख्यमंत्री सहित सभी पांच आरोपित मुंगेर के अपर मुख्य अधिकारी द्वितीय पंकज कुमार के न्यायालय में उपस्थित हुए। जहां न्यायालय ने बिना प्रशासनिक स्वीकृति के आम सभा आयोजित करने तथा जुलूस निकालने के मामले में आरोप सभी पांचों के विरुद्ध गठित किया गया। हालांकि, इस मामले में कुल आठ लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज कराया गया था। इसमें से तीन लोग की मृत्यु हो चुकी है। इसमें दो पूर्व विधायक नेता चौधरी और गणेश पासवान सहित एक अन्य आरोपित शामिल हैं। वहीं, जिन पांच लोगों के खिलाफ आरोप गठित किया गया है उसमें उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उदय नारायण चौधरी, समीर मधुकर, दिवाकर तथा योगेंद्र शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अधिवक्ता मुकुंद कुमार सिंह ने बताया कि आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित एक मामले में उपमुख्यमंत्री सहित पांच लोगों के विरुद्ध आरोप गठित किया गया। इस आरोप को सभी आरोपियों ने नकारा दिया। अब आगे साक्ष्य पर बहस होगी। इधर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि वह न्यायालय का सम्मान करते हैं इसलिए न्यायालय की कार्रवाई में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान मुंगेर तथा भागलपुर के विकास पर अधिक है। मुंगेर में एयरपोर्ट का विकास होगा। इसके अलावा मुंगेर से भागलपुर के बीच गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण पर भी सहमति बन गई है। उन्होंने बताया कि बांका होते हुए हल्दिया तक जाने वाली सड़क जो रक्सौल से हल्दिया तक जाएगी, इस ओर से ही होकर गुजरेगी। उन्होंने कहा कि जिले में सभी स्थानों पर छठ घाट का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा अगुआनी घाट से सुल्तानगंज के बीच बना रहे सड़क पुल पर पटना उच्च न्यायालय के आदेशानुसार सुपर स्ट्रक्चर तैयार कर निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा सुल्तानगंज में शिव भक्तों के सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे से 17 एकड़ जमीन बिहार सरकार ने प्राप्त किया है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बड़ा हादसा

डबल डेकर बस बेकाबू हो रेलिंग तोड़ नीचे गिरी, दो की मौत

इटावा, 26 जून (एजेंसियां)। इटावा जिले में बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 52 लोग घायल हो गए। सभी को आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ले जाया गया। इनमें से दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य लोगों को उपचार दिया जा रहा है। बुधवार को बिहार के मधुबनी से दिल्ली के लिए लगभग 70 सवारी लेकर डबल डेकर बस निकली थी। गुरुवार सुबह लगभग चार बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 103 पर बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर पड़ी। हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। सूचना पर यूपीडा की टीम और थाना पुलिस पहुंच गई।

दो की मौत और 50 का इलाज जारी

टीम ने रेस्क्यू करके सभी को बाहर निकला। हादसे में घायल 52 लोगों को आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ले जाया गया। यहां सहीना (20) निवासी बरदाहा गांव, थाना जलेसर, जिला मोहतारी, नेपाल, मनोज कुमार (59) निवासी रामपुर डीह, दरभंगा बिहार को मृत घोषित कर दिया। अन्य लोगों को उपचार दिया जा रहा है।

यतीमखाना मामले में आजम खां की याचिका की सुनवाई तीन जुलाई को, कोर्ट ने दी नई तारीख

प्रयागराज, 26 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सपा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री व पूर्व सांसद मो आजम खां के खिलाफ चल रहे 2016 के चर्चित यतीमखाना केस की वैधता के खिलाफ याचिका को लंबित अन्य याचिकाओं के साथ तीन जुलाई को पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कोई अंतरिम राहत नहीं दी गई है। इस याचिका को भी अन्य आरोपियों की विचाराधीन याचिका के साथ संबद्ध कर दिया गया है।यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने वीरेंद्र कुमार व एक अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता एनआई जाफरी, अधिवक्ता शाश्वत आनंद व शशांक तिवारी ने पक्ष रखा। यह तर्क दिया कि जब तक मुख्य गवाहों की दोबारा गवाही नहीं कराई जाती और केस से संबंधित महत्वपूर्ण वीडियो फुटेज रिकार्ड में नहीं लाये जाते, तब तक निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं है। इसलिए सुनवाई रोकी जाए। कोर्ट ने आजम खां और वीरेंद्र गोयल की याचिका को लंबित सह अभियुक्त की याचिका से संबद्ध करने का निर्देश दिया। याचिका में ट्रायल कोर्ट के 30 मई के आदेश को चुनौती दी गई है। ट्रायल कोर्ट ने याची की उस मांग को अस्वीकार कर दिया, जिसमें 12 एफआइआर के शिकायतकर्ता और मुख्य अभियोजन गवाहों, विशेष रूप से सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन ज़फर अहमद फारूकी को पुनः बुलाने की मांग की गई थी। इनका कहना है कि जिस वीडियोग्राफी का उल्लेख खुद फारूकी ने किया है, वह याचियों की घटनास्थल पर अनुपस्थिति को साबित कर सकती है और अभियोजन के पूरे मामले को खोखला कर देती है।

याचिका में कहा गया है कि यह मुकदमा संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 20 और 21 का घोर उल्लंघन है और राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है। मुकदमे को रद किया जाय। मामले के अनुसार यतीमखाना मामले को लेकर रामपुर कोतवाली में दर्ज मुकदमे में आजम और अन्य पर डकैती, घर में अनधिकृत प्रवेश और आपराधिक षड्यंत्र जैसे संगीन आरोप लगाए गए हैं।

कैमूर में मिला अवैध हथियारों का जखीरा 3700 कारतूस के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कैमूर, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर में पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मोहनिया थाना क्षेत्र के समेकित चेक पोस्ट के पास एक ब्रेजा कार से 3700 पिस अवैध कारतूस को जब्त किया है। कार सवार दो तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों से पूछताछ में पता चला कि कारतूस उत्तर प्रदेश के कानपुर से बिहार के नालंदा ले जाया जा रहा था। इनकी निशानदेही पर नालंदा में भी छापेमारी की गई। वहां से भी 740 कारतूस पकड़ने की जानकारी मिल रही है। गिरफ्तार आरोपियों में उत्तर प्रदेश के औरैया जिला के स्वर्गीय रामशरण शर्मा का 38 वर्षीय पुत्र शत्रुघन शर्मा और बिहार के नालंदा जिला के मोरा तालाब गांव के राजेंद्र प्रसाद का 25 वर्षीय पुत्र कुमार अभिजीत बताया जा रहा है। इनके पास से 3700 पिस जिंदा कारतूस, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, एटीएम कार्ड और मोबाइल को पुलिस ने जप्त किया है। सभी कारतूस पिस्तौल और राइफल में इस्तेमाल होने वाले बताए जा रहे हैं। तस्करों ने उत्तर प्रदेश से अंकल जी के यहां से कारतूस लाने की बात स्वीकार की है। कैमूर एसपी हरिमोहन शुक्ला ने प्रेस वार्ता कर बताया वाराणसी की तरफ से एक उजला रंग का ब्रेजा कार से अवैध कारतूस के परिवहन किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना के आलोक में कैमूर पुलिस एवं विशेष कार्य बल पटना द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए रविवार की देर शाम कार को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक गाड़ी को लेकर भागने का प्रयास किया। पुलिस की टीम ने आरोपियों को पकड़ लिया।

घर में मिली परिवार के तीन लोगों की लाश, छह माह का बच्चा और बुजुर्ग महिला सुरक्षित

प्रतापगढ़, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से दर्दनाक घटना सामने आई है। एक घर में परिवार के तीन लोगों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। छह माह का बच्चा और बुजुर्ग महिला घर में सुरक्षित मिले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। जानकारी के अनुसार, लीलापुर थाना क्षेत्र के सगरा सुंदरपुर बाजार स्थित एक मकान में दुकानदार समेत तीन की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घर के अंदर कमरे में बेड पर तीनों के शव मिले हैं। मां, बेटा, पत्नी की मौत से कोहराम मच गया है। बीती रात परिवार के पांच लोग खाना खा कर सोए थे। छह माह का बच्चा और बुजुर्ग महिला घर में सुरक्षित मिले हैं। सुसाइड करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मौके पर जांच में जुटी है। सुसाइड नोट नहीं मिला है। जो बुजुर्ग महिला बची है उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है। प्रथम दृष्टि जहर निगलने से तीनों की मौत की बात सामने आई है। पुलिस जांच में जुटी है।

चुनावी साल में नीतीश कुमार का बड़ा तोहफा, दिल्ली-यूपी-बंगाल समेत कई राज्यों के लिए चलेंगी 299 बसें

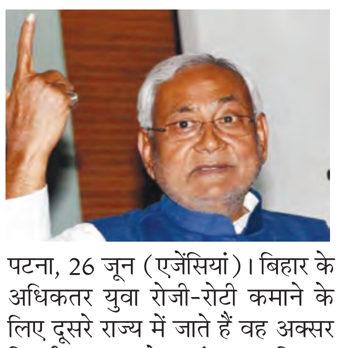

पटना, 26 जून (एजेंसियां)। बिहार के अधिकतर युवा रोजी-रोटी कमाने के लिए दूसरे राज्य में जाते हैं वह अक्सर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी कमाई का स्रोत ढूंढ़ते हैं लेकिन जब उन्हें त्योहार मनाने घर आना होता है, तो उन्हे काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है इन मुश्किलों को दूर करने के लिए बिहार सरकार एक योजना लेकर आई है बिहार सरकार ने बाहर जाकर कमाने वाले लोगों को एक बड़ी राहत देने जा रही है वह बिहार से जुड़े अंतर्राज्यीय मार्गों पर एसी और नॉन एसी बसों की सुविधा उपलब्ध कराएगी इस बात की जानकारी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी है बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा कि जब बिहार के लोग छठ, होली, दीपावली आदि त्योहारों पर घर आते हैं, तो उन्हें कई तरह की परेशानी देखने को मिलती है उन्होंने कहा कि इन सभी परेशानियों को दूर करने के लिए और बिहार आने वाले लोगों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए बिहार सरकार 299 एसी और नॉन एसी बसों का परिचालन शुरू करने जा रही है इसके आगे उन्होंने लिखा कि बिहार सरकार नागरिकों की सहूलियत के लिए हमेशा प्रयासरत है इस योजना को लेकर मंगलवार को मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें इस योजना को स्वीकृति दे दी गई है बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार 10582 करोड़ रुपये बस खरीदने में खर्च करेगी, जिसमें 75 वातानुकूलित और 74 डीलक्स बसें शामिल होगी साथ ही लोक निजी भागीदारी के अन्तर्गत भी 150 अतिरिक्त एसी बसों का परिचालन कराया जाएगा बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार केंद्र सरकार से अपील करेगी कि त्योहार के समय वह विशेष ट्रेन चलवाए जिससे बिहार आने वाले लोगों को सहूलियत हो और वह सावधानी पूर्वक अपने घर पहुंच सकें बिहार सीएम नीतीश कुमार ने बिहार की बेटियों के विवाह के लिए एक योजना लेकर आई है उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बात की जानकारी देते हुए लिखा कि मुझे खुशी हो रही है कि हमारी सरकार बेटी के विवाह में सहूलियत के लिए हर पंचायत में विवाह भवन का निर्माण करेगी उन्होंने इस योजना को मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना नाम दिया उन्होंने लिखा कि इन मंडपों को बनाने में सरकार ने लगभग 40 अरब रुपये के खर्च की स्वीकृति दी है

सपा सांसद से सगाई करने वाले क्रिकेटर रिंकू सिंह को योगी सरकार देने जा रही सरकारी नौकरी

लखनऊ, 26 जून (एजेंसियां)। सपा सांसद प्रिया सरोज के साथ सगाई करने वाले क्रिकेटर रिंकू सिंह को यूपी सरकार सरकारी नौकरी देने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेटर रिंकू सिंह को यूपी सरकार शिक्षा विभाग में नौकरी देने जा रही है। रिंकू सिंह को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियम-2022 के तहत उन्हें इस पद पर नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस मामले में बेसिक शिक्षा निदेशक को एक पत्र भी जारी किया गया है। रिंकू सिंह की बीएसए पद पर नियुक्ति यूपी सरकार की उस नीति का हिस्सा है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय एथलीटों को सरकारी सेवाओं में पद प्रदान करके उन्हें सम्मानित किया जाता है। सरकार का कहना है कि विश्व स्तर पर रिंकू सिंह ने भारत को गौरवान्वित किया है। यह नियुक्ति राज्य की नीति के अनुरूप है, जिसमें खेल उत्कृष्टता को सार्वजनिक सेवा भूमिकाओं में एकीकृत किया गया है। बता दें कि 12 अक्टूबर 1997 को अलीगढ़ के एक साधारण घर में जन्मे रिंकू सिंह का शुरुआती जीवन आसान नहीं था। उनके पिता गैस सिलेंडर डिलीवरी मैन के रूप में काम करते थे और रिंकू अक्सर उनका हाथ बंटाते थे। इन कठिनाइयों के बावजूद, क्रिकेट उनका जुनून बना रहा और उन्होंने इसे लगातार आगे बढ़ाया। रिंकू ने सबसे पहले स्कूल-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खिताब जीतकर प्रसिद्धि पाई। उनकी सबसे बड़ी सफलता इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ मिली।

10वीं की छात्रा से अकेले में बोला टीचर- मुझे बॉयफ्रेंड बना ले फिर की ऐसी हरकत, मच गया हंगामा

आगरा, 26 जून (एजेंसियां)। टीचर और स्टूडेंट का रिश्ता बहुत पवित्र होता है लेकिन कुछ लोग इसे भी शर्मसार करके रख देते हैं ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के आगरा से सामने आया है यहां एक स्कूल में 10वीं में पढ़ने वाली छात्रा को उसके कोचिंग टीचर ने कहा- मुझे अपना बॉयफ्रेंड बना ले फिर उससे अश्लील बातें करने लगा मौका पाते ही उससे बैड टच भी किया छात्रा ने डर के कारण कुछ नहीं कहा तो टीचर की हिम्मत और बढ़ गई फिर उसे रोज परेशान करने लगा बाद में तंग आकर छात्रा ने अपने परिजनों को टीचर की ये करतूत बताई, जिसके बाद खूब हंगामा मचा मामला आगरा के नगला बूढ़ी चौराहा (न्यू आगरा) स्थित एक कोचिंग सेंटर का है यहां के कोचिंग टीचर पुनीत पर दसवीं कक्षा की एक छात्रा को अपना बॉयफ्रेंड बनाने के लिए लगातार दबाव डालने का आरोप लगा है छात्रा के मुताबिक, शिक्षक उससे अश्लील बातें करता था और छेड़छाड़ भी करता था पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है

बाप-बेटा मिलकर होटल की आड़ में चला रहे थे गंदा धंधा

छापेमारी हुई तो सामने आई चौंकाने वाली करतूत

नागपुर, 26 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में एक होटल की आड़ में सेक्स रैकेट चलाने वाले एक अपराधी और उसके बेटे पर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई की है। गोपनीय जानकारी के आधार पर पुलिस ने होटल में छापा मारा। 2 पीड़िताओं को छुड़ाकर पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी दत्तधामनगर, बेसा निवासी सचिन गंगाधर टुले (47) प्रज्वल सचिन टुले (22) हैं। पिता-पुत्र दोनों मिलकर ये बिजनेस कर रहे थे। दोनों ग्राहको को हॉटेल उपलब्ध कराते थे। फिर एक खास कोडवर्ड दिया जाता था जिसके बाद उन्हे रूम और महिला के पास भेजा जाता था। 3 साल पहले सचिन और प्रज्वल ने बेसा रोड पर यह होटल शुरू किया था। आरोपी गरीब युवतियों और महिलाओं को अपने होटल में बुलाते थे। इसके बाद ग्राहकों के साथ सौदा करके होटल में रूम उपलब्ध करवाए जाते थे। पिता-पुत्र ग्राहकों से 5,000 रुपये लेते थे और फिर वहां काम कर रही महिलाओं उनमें से 1,500 रुपये देते थे। क्राइम ब्रांच की सामाजिक सुरक्षा शाखा को गश्त के दौरान जानकारी मिली कि होटल में देह व्यवसाय चल रहा है। इसके बाद पुलिस ने पंटर ग्राहक तैयार कर आरोपियों के पास भेजा। सौदा तय होते ही पंटर ने पुलिस को इशारा दे दिया और होटल पर छापा मारा गया। जांच करने पर देह व्यवसाय में 2 पीड़िताएं लिप्त मिलीं। एक अविवाहित और दूसरी तलाकशुदा 50 वर्षीय महिला है। पुलिस ने उन्हें छुड़ाकर सचिन और प्रज्वल को हिरासत में ले लिया।

चुनाव आयोग चर्चा को तैयार, राहुल गांधी को बुलाया, कांग्रेस ने कहा- पहले ये डिमांड पूरी करो

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के बाद से ही चुनाव को लेकर आवाज उठा रही है इसी के चलते कांग्रेस ने चुनाव आयोग को भी पत्र लिखा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिखे पत्र के जवाब में चुनाव आयोग ने जवाब दिया चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर उन्हें 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के आयोजन के संबंध में किसी भी "मुद्दे" पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था इसी के बाद कांग्रेस ने चुनाव पैनल को पत्र लिखकर महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव को लेकर कई चीजों की मांग की। कांग्रेस ने पैनल से महाराष्ट्र वोटिंग लिस्ट की डिजिटल कॉपी, महाराष्ट्र और हरियाणा के वोटिंग के दिन की वीडियो फुटेज की मांग की।

पार्टी ने कहा- इसको मानना चुनाव आयोग के लिए आसान होना चाहिए यह पत्र कांग्रेस की 8 सदस्यीय ईगल समिति ने चुनाव आयोग सचिव अश्विनी कुमार मोहल को भेजा था। समिति का मकसद देश में चुनावों पर नजर" रखना और "भारत के चुनाव आयोग द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के संचालन की निगरानी करना" है पत्र में कहा गया- जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं, दिसंबर 2024 के बाद से, इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों के नेताओं ने कई पत्रों, याचिकाओं, प्रेस कॉन्फ्रेंस, लोकसभा में भाषणों के जरिए हमने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए वोटर्स की संख्या में हुई बढ़त और चुनाव के दिन शाम 5 बजे के बाद वोटिंग में अचानक आई तेजी को लेकर कई सवाल उठाए कई तथ्यात्मक मुद्दे सामने रखे पार्टी ने आगे कहा, यह पेचीदा और हैरान करने वाला है कि वोटिंग लिस्ट उपलब्ध कराने के बजाय, चुनाव आयोग बाकी सभी तरह की प्रतिक्रियाओं, मीडिया लीक और निंदा में लगा हुआ है आप हमें हमारे अनुरोध के अनुसार फाइनल वोटिंग लिस्ट क्यों नहीं देते? पत्र में सवाल पूछते हुए कहा गया, क्या आपके पास ये वोटिंग लिस्ट हैं या नहीं? साथ ही मतदान के दिन का वीडियो फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह और संदेह को और ज्यादा जन्म देता है पत्र में साथ ही कहा गया है कि कांग्रेस पार्टी नेतृत्व (राहुल गांधी) चुनाव आयोग से अपनी मांगें पूरी होने के बाद मिलेंगे साथ ही कहा गया कि उस बैठक में, हम अपने विश्लेषण के नतीजे भी आपके सामने पेश करेंगे बुधवार को सामने आया कि 12 जून को चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर किसी भी "मुद्दे" पर चर्चा करने के लिए उसे मिलने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही दोहराया कि पैनल यह सुनिश्चित करता है कि चुनाव चुनावी कानूनों के अनुसार हों

नैनीताल हाईकोर्ट हैरान: ये कैसा महंत

विवाह एक से, लिव इन दूसरी के साथ और तीसरी को छेड़ने पर जेल में बंद

नैनीताल, 26 जून (एजेंसियां)। नैनीताल हाईकोर्ट ने हरिद्वार में प्रसिद्ध चंडी मंदिर का प्रबंधन अगले आदेश तक बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति को सौंपते हुए मंदिर के चढ़ावे की चोरी हुई रकम के मामले में रीना बिष्ट के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद उसे अग्रिम जमानत दी है साथ ही उसे सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई में वीसी के माध्यम से हरिद्वार के डीएम और एसएसपी भी उपस्थित हुए।

रीना बिष्ट ने अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र दायर कर कहा था कि थाना श्यामपुर, हरिद्वार में शिकायतकर्ता की ओर से कहा गया था कि चंडीघाट हरिद्वार निवासी रोहित गिरी (चंडी मंदिर का तत्कालीन महंत) के साथ शिकायत कर्ता का विवाह हुआ था। अगस्त 2021 में रोहित गिरी ने बताया कि आज मन्दिर में तुम्हारी बडी बहन की पुरानी परिचित रीना बिष्ट आई थी। उसने बताया कि उसकी पहली लव मैरिज गुमानीवाला ऋषिकेश के प्रतिष्ठित भटट परिवार में हुई थी किन्तु पति ने बिना तलाक के ही प्रार्थिनी को मार पीट कर छोड़ दिया जिस कारण वह मजबूरी में दिल्ली में काम करने चाली गई जहां तलाकशुदा एमबीबीएस डाक्टर से उसने विवाह कर लिया। उसके दूसरे पति ने भी उसे उपेक्षित करके रखा हुआ है। उसकी दयनीय हालत देखकर मैने उसे तुम्हारा फोन नम्बर दिया है। फोन पर रीना बिष्ट ने भी यही सब कहा जिस पर रीना बिष्ट को उसने घर पर रख लिया।

महाराष्ट्र में गरमाई सियासत, हिंदी अनिवार्यता पर राज ठाकरे से मिलेंगे शिक्षा मंत्री

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा की अनिवार्यता को लेकर छिड़े विवाद के बीच राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने बड़ी पहल की है वे शुक्रवार (27 जून) सुबह 11 बजे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से उनके निवास पर मुलाकात करेंगे इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा है, क्योंकि मनसे लगातार हिंदी भाषा की स्कूलों में अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन कर रही है राज ठाकरे के नेतृत्व में मनसे कार्यकर्ताओं ने राज्यभर में स्कूलों के बाहर जाकर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है इस अभियान में अभिभावकों से समर्थन पत्र भरवाए जा रहे हैं और सरकार पर मराठी भाषा को प्राथमिकता देने का दबाव बनाया जा रहा है मनसे की मांग है कि मराठी ही राज्य की प्रमुख भाषा होनी चाहिए और हिंदी को जबरन स्कूलों में थोपा नहीं जाना चाहिए राज ठाकरे ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि महाराष्ट्र में 'हिंदी सक्ती' स्वीकार नहीं की जाएगी इसी पृष्ठभूमि में शिक्षा मंत्री दादा भुसे खुद राज ठाकरे के निवास शिवतीर्थ, दादर पहुंचकर उनसे चर्चा करेंगे सूत्रों के अनुसार, इस मुलाकात में वे विवाद को सुलझाने की कोशिश करेंगे और राज्य सरकार का दृष्टिकोन स्पष्ट करेंगे राज्य में फिलहाल त्रिभाषा सूत्र को लेकर चर्चा गरमाई हुई है कई सामाजिक संगठन, पालक, शिक्षण तज्ञ और राजकीय पक्ष यावर तीव्र प्रतिक्रिया दे रहे हैं क्या यह मुलाकात हिंदी अनिवार्यता पर सरकार के रुख में बदलाव लाएगी? इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं दरअसल, पिछले कई दिनों से महाराष्ट्र मे हिंदी की सख्ती को लेकर सियासत गरमाई हुई है राज ठाकरे की पार्टी हर स्कूल के बाहर हस्ताक्षर अभियान चला रही है महाराष्ट्र मे आने वाले दिनो मे स्थानीय चुनाव होने जा रहे हैं ऐसे मे यह मराठी के मुद्दा चुनाव को नया रंग देगा

बुलडोजर एक्शन के खिलाफ ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में हो रही डिमोलिशन कार्रवाई को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) एक बार फिर विरोध दर्ज कराने जा रही है आज (26 जून) एआईएमआईएम दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष डॉ शोएब जमई ने इस बारे में जानकारी दी है कल यानी शुक्रवार (27 जून) को एआईएमआईएम दिल्ली का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा यह बैठक शाम 4 बजे निर्धारित है, जिसमें विशेष रूप से बटला हाउस इलाके के प्रभावित लोगों का प्रतिनिधित्व किया जाएगा प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में चल रही डिमोलिशन कार्रवाई के खिलाफ ज्ञापन सौंपेगा डॉ शोएब जमई इस मुद्दे पर शुरू से मुखर रहे हैं उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, दिल्ली में हर तरफ बुलडोजर का एक्शन चल रहा है गरीबों का आशियाना हर रोज उजाड़ा जा रहा है 30-40 साल से दिल्ली में रह रहे परिवार भी सुरक्षित नहीं हैं उनके अनुसार यह कार्रवाई न केवल मानवीय दृष्टिकोण से अनुचित है, बल्कि सामाजिक असंतुलन भी पैदा कर रही है गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की ओर से डिमोलिशन कार्रवाई पर सफाई देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ कह चुकी हैं कि यह कार्रवाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार की जा रही है उन्होंने कहा था, माननीय कोर्ट ने निर्देश दिए थे कि बरसात से पहले नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास बने अवैध निर्माण को हटाया जाए ताकि जल निकासी में कोई रुकावट न आए सरकार का दावा है कि यह कदम सार्वजनिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है

14 साल पहले ट्रक ने मारी थी टक्कर, अब जाकर शख्स को मिला 4171 लाख का मुआवजा

ठाणे, 26 जून (एजेंसियां)। स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति को 14 साल बाद 4171 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है सदस्य आर वी मोहिते की अध्यक्षता वाली एमएसीटी ने मंगलवार को जारी अपने आदेश में ट्रेलर ट्रक के मालिक (दोषी) और बीमाकर्ता को संयुक्त रूप से मुआवजे के लिए उत्तरदायी ठहराया हालांकि उस हादसे के बाद शख्स की जिंदगी परेशानियों से भरी हुई है मुआवजा राशि याचिका दायर करने की तारीख से, पूर्ण मुआवजा मिलने की तारीख तक नौ फीसदी सालाना ब्याज की राशि के साथ देने का आदेश भी न्यायाधिकरण ने दिया मुआवाजे के लिए दावा करने वाला मोनेश उर्फ मनीष विजय सुतार नामक व्यक्ति दुर्घटना के समय 12 साल का था वह महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी का निवासी है यह दुर्घटना 8 मई 2011 को हुई थी सुतार अपने पिता के साथ मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा था तभी वाडा-भिवंडी रोड पर पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी ट्रेलर ट्रक ने सुतार के पिता को लगभग 30 फुट तक घसीटा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी सुतार के शरीर के निचले हिस्से के ऊपर से ट्रेलर चल गया जिससे उसका पेल्विक वाला हिस्सा बुरी तरह कुचल गया इसके कारण उसके पेरिनियल हिस्से में गहरा असर पड़ा, उसकी कई पेल्विक हड्डी टूट गई और उसके 'यूरेथ्रा' (मूत्रमार्ग) में भी चोट पहुंची थी उसे पहले भिवंडी और बाद में ठाणे के एक अस्पताल में काफी समय तक इलाज कराना पड़ा उसे यूरोप्लास्टी (मूत्रमार्ग की सर्जरी) करानी पड़ी, लेकिन चिकित्सकों ने बताया कि 'यूरेथ्रा' में पहुंची चोट के कारण उसे जीवन भर कैथेटर (मूत्रनली) का उपयोग करना पड़ेगा इस स्थिति के चलते उसे बार-बार संक्रमण, लगातार दर्द और अपने भविष्य के वैवाहिक जीवन से वंचित होना पड़ा जज ने 41 लाख 71 हजार 520 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया, जिसमें इलाज के लिए 135 लाख रुपये, भविष्य की कमाई का नुकसान होने के लिए 10,36,800 रुपये, भविष्य के लिए 4,14,720 रुपये, दर्द और सुख-सुविधाओं की हानि के लिए छह लाख रुपये, विवाह की संभावनाओं के खत्म होने के लिए तीन लाख रुपये, भविष्य में चिकित्सा उपचार के लिए चार लाख रुपये, विशेष आहार के लिए 15,000 रुपये, परिवहन के लिए 15,000 रुपये और घरेलू सहायिका के लिए 40,000 रुपये शामिल हैं न्यायाधिकरण ने कहा कि मुआवजा राशि में से 25 लाख रुपए दावेदार के नाम पर पांच साल के लिए सावधि जमा में निवेश किए जाएंगे तथा शेष राशि अकाउंट पेयी चेक के माध्यम से वितरित की जाएगी

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में सुबह-सुबह बड़ा हादसा, अलकनंदा नदी में समा गई यात्रियों से भरी बस, 3 की मौत

रुद्रप्रयाग, 26 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में गुरुवार सुबह-सुबह बड़ा अनर्थ हो गया। जिले के घोलतीर में उफनती अलकनंदा नदी में एक पूरी बस समा गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई है। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है और 8 लोग घायल हुए हैं। घायलों में 9 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं। दोनों घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर एसडीआरएफ की टीम मौजूद हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फिलहाल 10 यात्री लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए हर सभंव कोशिश की जा रही है। उत्तराखंड के आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि बस में राजस्थान के 7, मध्य प्रदेश के तीन, गुजरात के सात, महाराष्ट्र के दो यात्री सवार थे और ड्राइवर हरिद्वार का था। कुल 31 यात्रियों की क्षमता वाली मिनी बस में, हादसे के समय चालक समेत 20 श्रद्धालु सवार थे और वह बदरीनाथ धाम की ओर जा रही थी। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर घोलतीर के पास मिनी बस ट्रक की टक्कर से खाई में जा गिरी। बस में 20 लोग सवार बताए जा रहे हैं जिनमें से सात लोग बस के ऊपर ही छटक गए। बाकी पूरी बस नदी में समा गई। बताया जा रहा है कि यात्री केदारनाथ से यात्रा करने के बाद रात को रुद्रप्रयाग रुके थे। आज सुबह बद्रीनाथ के लिए रवाना हुए थे लेकिन गोचर के पास अचानक ट्रक की टक्कर से बस खाई में जा गरी और उसके बाद अलकनंदा नदी में समा गई। राहत एवं बचाव कार्यों में नदी का तेज बहाव चुनौती बना हुआ है लेकिन बचाव दल स्थानीय लोगों के साथ मिलकर लगातार श्रद्धालुओं की खोजबीन कर रहे हैं। वाहन में राजस्थान के उदयपुर का एक परिवार भी था जो चारधाम यात्रा पर आया था।

नाबालिग से दुराचार मामले में थाना प्रभारी को हाई कोर्ट से मिली अनोखी सजा, लगाने होंगे 1000 फलदार पौधे

जबलपुर, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आदेश का पालन न करने पर सतना जिले के कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र द्विवेदी को 1000 फलदार पौधे आम, जामुन, महुआ, अमरूद लगाने की सजा सुनाई है मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की डबल बेंच की जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह की कोर्ट ने नाबालिग से दुराचार के एक गंभीर मामले में पीड़िता को समय पर नोटिस तामील न कराने की लापरवाही के चलते थाना प्रभारी को ये सजा सुनाई है यही नहीं कोर्ट ने सभी पौधों की तस्वीरें और उनकी जीपीएस लोकेशन के साथ एक अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया है दरअसल, यह पूरा मामला अक्टूबर 2021 का है सतना की जिला अदालत ने आरोपी रामअवतार चौधरी को नाबालिग से दुराचार के मामले में दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी इस सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी 30 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट ने पीड़िता को नोटिस जारी करने का आदेश दिया था, लेकिन कोतवाली थाना प्रभारी रविंद्र द्विवेदी द्वारा यह नोटिस समय पर तामील नहीं कराया गया, जिस पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई थाना प्रभारी ने पीड़िता को नोटिस तामील न कराने के लिए माफी मांगते हुए कोर्ट से यह भी कहा कि वह पुलिस महानिरीक्षक द्वारा लगाई गई पांच हजार की जुर्माना राशि का भुगतान करेंगे और स्वयं 1000 पौधे लगाएंगे

अदालत ने निर्देश दिया है कि ये पौधे आम, जामुन, महुआ, अमरूद जैसे फलदार किस्मों के हों और ये सतना जिले के चित्रकूट क्षेत्र में 1 जुलाई से 31 अगस्त 2025 के बीच लगाए जाएं इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि लगाए गए पौधों की देखभाल एक साल तक स्वयं थाना प्रभारी करेंगे, ताकि पौधे अच्छे से विकसित होकर स्थापित हो सकें साथ ही थाना प्रभारी को सभी पौधों की तस्वीरें और उनकी जीपीएस लोकेशन के साथ एक अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करनी होगी इस रिपोर्ट के साथ सतना एसपी का शपथ-पत्र भी संलग्न किया जाए, जिसमें एसपी पौधारोपण स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट देंगे

इस मामले की अगली सुनवाई 16 सितंबर 2025 को होगी हाईकोर्ट के आदेश में पर थाना प्रभारी रविंद्र द्विवेदी ने अपनी गलती के लिए माफी मांगी है और भविष्य में इस तरह की लापरवाही नहीं दोहराने का वचन दिया है कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पौधारोपण का पूरा खर्च टीआई को अपनी निजी आय से करना होगा बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब हाईकोर्ट ने पर्यावरणीय सजा दी हो दिसंबर 2024 में भी कोर्ट ने अपने आदेश की अवहेलना करने वाले एक व्यक्ति को एक माह में 50 पेड़ लगाने का निर्देश दिया था

दिग्विजय सिंह के खिलाफ जारी हुआ मानहानि का नोटिस, 21 जुलाई को होंगे पेश

भोपाल, 26 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है, क्योंकि एमपी-एमएलए कोर्ट ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को मानहानि के एक मामले में नोटिस जारी किया है कोर्ट ने उन्हें 21 जुलाई को पेश होकर अपना बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया है यह नोटिस पनागर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक सुशील इंदु तिवारी द्वारा दायर परिवाद के आधार पर जारी किया गया है साल 2023 के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी विधायक इंदु तिवारी पर गंभीर आरोप लगाए थे उन्होंने दावा किया था कि विधायक तिवारी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत मिलने वाले राशन के 50 प्रतिशत अनाज की कालाबाजारी में लिप्त हैं इस बयान को लेकर सुशील इंदु तिवारी ने कड़ा ऐतराज जताते हुए एमपी एमएलए कोर्ट में दिग्विजय सिंह के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया विधायक और गवाहों के बयान दर्ज करने के बाद विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट ने प्रतिवादी दिग्विजय सिंह को नोटिस जारी करते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया कोर्ट की अगली सुनवाई 21 जुलाई को तय की गई है इस मामले ने राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस को जन्म दिया है, जहां विपक्षी दल इसे अभिव्यक्ति की आजादी का मामला बता रहे हैं, जबकि बीजेपी इसे अपनी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश मान रही है यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब राज्य में राजनीति फिर से गति पकड़ रही है और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है देखना होगा कि दिग्विजय सिंह कोर्ट में क्या बयान देते हैं और यह मामला किस दिशा में आगे बढ़ता है

'शक कितना ही पक्का क्यों न हो सबूत की जगह नहीं ले सकता', कोर्ट ने हत्या आरोपी महिला को किया बरी

ठाणे, 26 जून (एजेंसियां)। शक चाहे कितना भी मजबूत क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता" यह ठाणे की अदालत का बयान है। इस बयान के साथ ही कोर्ट ने हत्या की आरोपी महिला को बरी कर दिया। दरअल, ठाणे की एक अदालत ने वर्ष 2018 के हत्या के एक मामले में 36 वर्षीय महिला को बरी करते हुए कहा कि आरोपी पर संदेह तो था लेकिन अभियोजन पक्ष उसके अपराध को साबित करने में विफल रहा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसबी अग्रवाल ने एक आदेश में कहा, "शक चाहे कितना भी मजबूत क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता।" अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए परिस्थितिजन्य साक्ष्य यह साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं थे कि आरोपी रूमा बेगम अनवर हुसैन लश्कर हत्या के लिए जिम्मेदार थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, महिला ने कबीर अहमद लश्कर की कपड़े से गला घोंटकर, उसके गुप्तांगों पर धारदार हथियार से वार कर और ईंट से हमला कर कथित तौर पर हत्या कर दी थी। ठाणे शहर के घोड़बंदर रोड पर साईनगर में एक बंद घर के अंदर 19 मार्च, 2018 को मकान मालिक ने चादर में लिपटा हुआ एक क्षत विक्षत शव देखा था। इस घटना के बाद महिला को बेंगलुरु में ढूंढ लिया गया था। अनवर हुसैन पहले बेंगलुरु में एक साइकिल स्टोर पर महिला के साथ काम करता था और बाद में वह ठाणे के कासरवडावली इलाके में एक साइकिल की दुकान पर काम करने लगा। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि दोनों 2016 और 2018 के बीच रिश्ते में थे, जो अंततः शादी को लेकर विवादों के कारण खराब हो गया। यह मामला पूरी तरह से परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित था, जिसमें मोबाइल कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) और मकान मालिक व उसकी पत्नी के बयानों पर काफी हद तक भरोसा किया गया था। अभियोजन पक्ष ने दावा किया कि आरोपी महिला बेंगलुरु से ठाणे आई और उसे अनवर हुसैन के साथ देखा गया था। अदालत ने घटना के पीछे मकसद, प्रत्यक्षदर्शियों और विश्वसनीय पहचान प्रक्रियाओं जैसे पुष्टि करने वाले सबूतों की कमी पर गौर किया।

कोई भी सबूत सीधे तौर पर आरोपी से जुड़ा नहीं

न्यायाधीश ने कहा कि किसी से भी आरोपी महिला की पहचान नहीं कराई गई थी और लगभग 6 वर्ष बाद पहली बार मकान मालिक ने अदालत के सामने आरोपी महिला की पहचान की। अदालत ने यह भी कहा कि फोरेंसिक विश्लेषण में चाकू, अंगवस्त्र, ईंट और बिस्तर की चादर जैसी वस्तुओं पर मानव रक्त पाया गया, लेकिन इनमें से कोई भी सीधे तौर पर आरोपी से जुड़ा नहीं था। न्यायाधीश ने कहा, "शक चाहे कितना भी मजबूत क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता।" अदालत ने कहा कि इसलिए आरोपी को तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत दंडनीय अपराध के आरोप से बरी किया जाता है।

100 करोड़ की जमीन पर हाईटेक गौशाला या फिर कब्रिस्तान? भोपाल में बवाल, हिंदू और मुस्लिम आमने-सामने

भोपाल, 26 जून (एजेंसियां)। बीते दिनों हाईटेक गौशाला के लिए भोपाल के कोलार क्षेत्र के अकबरपुर में हुआ भूमि पूजन हिंदू और मुस्लिम पक्ष के बीच जंग की वजह बन गया। दरअसल, 100 करोड़ रुपये की मानी जा रही इस जमीन का भूमि पूजन होते ही मुस्लिम पक्ष सामने आया और कहा कि ये कब्रिस्तान है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी की ओर से दस्तावेज दिखाए जा रहे हैं कि यह जमीन कब्रिस्तान के नाम पर दर्ज है और इस पर वक्फ बोर्ड का दावा है। मुस्लिम पक्ष दावा कर रहा है कि यहां पर उनकी कुछ कब्रें दफन हैं, जिस पर भू माफिया कब्जा करना चाहते हैं। जमीन की कीमत लगभग 100 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दरअसल, इस जमीन पर अश्विनी श्रीवास्तव नाम के कांग्रेस नेता का दावा है। यह जमीन उनकी है जिस पर वह हाईटेक गौशाला बनाना चाहते हैं। लेकिन मुस्लिम पक्ष इस दावे को नकार रहा है। भूमि पूजन हो जाने के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी समित समेत मुसलमान वक्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने प्रतीकात्मक अर्थी बनाकर वक्फ बोर्ड से सवाल किया कि जब कब्रिस्तान चले जाएंगे तो मुर्दे कहां जाएंगे।

इस दौरान युवकों को कफन में लपेटकर सड़क पर सुलाया गया। इस समय "गुम होते जा रहे कब्रिस्तान, कहां दफन करें जिंदा इंसान, कहां गया यह कब्रिस्तान जमीन खा गया या आसमान?" के बैनर के साथ प्रदर्शन किया गया। गौशाला भूमि पूजन वाली जगह पर पहुंचा कब्रिस्तान होने का दावा करने वाला मुस्लिम पक्ष, मुस्लिम त्योहार कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन बल्ली ने इंडिया टीवी से बातचीत के दौरान कहा कि भू-माफिया स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा को गुमराह करके जमीन पर कब्जा कर रहे हैं जिसे वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यहां गौशाला बनने से गंदगी होगी और हम कब्रिस्तान पर गौशाला नहीं बनने देंगे। हम आंदोलन करेंगे और कोर्ट भी जाएंगे। इस मामले में बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, यह जमीन सरकारी है। नवाबी कल में यहां पर 60 साल पहले हिंदू बच्चों को दफनाया जाता था। यह मुसलमानों द्वारा 100 करोड़ की जमीन तक जाने की कोशिश है। यह उनके अब्बा की जमीन नहीं है। यहां पर गौशाला ही बनेगी। वहीं, स्थानीय लोग कब्रिस्तान के दावे से बेहद नाराज हैं। लोग यहां गौशाला बनाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि यहां पर कभी कब्रिस्तान नहीं रहा, चारों तरफ हिंदू आबादी है और ऐसे में कब्रिस्तान के नाम पर जमीन पर कब्जा हो रहा है। यहां पर हमारे बच्चे खेलते हैं। इस जगह पर गौशाला ही बननी चाहिए हम कब्रिस्तान नहीं बनने देंगे। स्थानीय लोगों ने कहा, हम पिछले 15 से 20 सालों से हैं लेकिन यहां पर कभी कब्रों को दफन होते नहीं देखा। वहीं, भोपाल मध्य से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद भी सामने आए। उन्होंने कहा कि यह वक्फ की जमीन है, भाजपा विधायक जबरन कब्जा कर रहे हैं।

ईरान और इजरायल युद्ध में कौन जीतकर भी हार गया ?

अशोक भाटिया

ईरान और इजरायल के आकाश में अब शांति के बादल मंडरा रहे हैं। मिसाइलों की बारिश और लड़ाकू विमानों की आवाजें अब नहीं आ रही हैं। लेकिन जमीन पर मलबा ही मलबा है। दोनों देशों को भारी नुकसान हुआ है। युद्ध में कौन जीता, कौन हारा, कौन जीतकर भी हार गया। ये सब बातें बहस की हैं, लेकिन आम नागरिकों को सिर्फ और सिर्फ नुकसान हुआ है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं, हजारों को अपने घर छोड़कर कहीं और भागना पड़ा है, सैकड़ों लोग मारे गये हैं, हजारों घायल हैं। ईरान खुद को विजेता बता रहा तो इजरायल ने अपने गले में जीत की माला पहन ली है। डोनाल्ड ट्रंप खुद को असली चौधरी बता रहे हैं, लेकिन आंकड़ों को देखने के बाद ही अंजाम पर पहुंचना चाहिए कि असल में कौन जीता है, कौन हारा है, किसे कितना नुकसान हुआ है और इस युद्ध का आगे जाकर क्या असर होने वाला है।

गौरतलब है कि इज़राइल ने 13 जून की रात को ईरान पर एक आश्चर्यजनक हवाई हमला किया, जिससे मध्य पूर्व में एक नया युद्ध शुरू हो गया, जिसमें दोनों देशों ने एक-दूसरे पर घातक हमले किए, जिसमें कोई भी शुरुआती संघर्ष में पीछे हटने को तैयार नहीं था। युद्ध ने केवल रॉकेट दागे और मिसाइलों का विनाश।नागरिक चीखें और सैन्य ठिकानों की राख बनी रही। ईरान ने तेल अवीव जैसे प्रमुख इजरायली शहरों को निशाना बनाया, जबकि इजरायल ने ईरानी कमांड और परमाणु संरचनाओं को नष्ट करने के लिए अपनी सारी ताकत का इस्तेमाल किया। तीन ईरानी परमाणु रिएक्टरों पर अमेरिकी हमले के बाद, ईरान ने कतर में एक अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। इसने मध्य पूर्व में राजनीति और सुरक्षा को हिला दिया। दोनों देशों के बीच संघर्ष कोई सामान्य संघर्ष नहीं था। इस युद्ध में दोनों देशों ने अपने पास मौजूद सबसे घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इससे दोनों देशों में भारी तबाही हुई। युद्ध मिसाइलों और ड्रोन तक ही सीमित नहीं था, बल्कि साइबर हमले, परमाणु ठिकानों और सैन्य ठिकानों पर हमले भी थे और ईरान को इसका सबसे बड़ा नुकसान हुआ। 13 जून को, इज़राइल ने राइजिंग लायन नामक एक गुप्त ऑपरेशन के हिस्से के रूप में ईरान के कई सबसे महत्वपूर्ण सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 200 ईरानी सैनिक, तकनीशियन, वैज्ञानिक और वरिष्ठ रिवोल्यूशनरी गार्ड अधिकारी मारे गए, जिनमें कुछ वरिष्ठ वैज्ञानिक भी शामिल थे, और कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। मृतकों में 380 नागरिक और 253 सुरक्षा बल के जवान थे। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायल के हमले में लगभग 400 ईरानी मारे गए और 3,056 घायल हुए। इजरायल के हमले में कई ईरानी सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक, नागरिक और आईआरजीसी प्रमुख मारे गए। तेहरान के उत्तर में 100,000 से अधिक लोग भाग गए। युद्ध से पहले, ईरान की अर्थव्यवस्था 3. 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी। युद्ध के कारण विकास 0. 3 प्रतिशत तक गिर गया, उन्होंने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था का 60 प्रतिशत तेल और गैस निर्यात से आता है। 12 दिनों के हमले ने तीन प्रमुख तेल रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया, उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत की कमी आई और लगभग 10 बिलियन डॉलर का निर्यात नुकसान हुआ।

ईरान ने इजरायल पर हजारों घातक हमले किए, उनमें से ज्यादातर इजरायल की मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों आयरन डोम, डेविड स्लिंग और एरो सिस्टम द्वारा हवा में नष्ट कर दिए गए। हालांकि, कुछ मिसाइलें और ड्रोन आवासीय क्षेत्रों में गिर गए, जिससे इजरायल को काफी नुकसान हुआ। अस्पताल, आवासीय भवन, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को बड़ा नुकसान हुआ था। हजारों लोग अस्थायी रूप से बेघर हो गए थे। वहीं, ईरान के मिसाइल हमलों के कारण इजरायल के वीजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसे इस्रायल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। क्योंकि इजरायल में यहां कई बड़ी प्रयोगशालाएं थीं। वहां महत्वपूर्ण शोधकर्ता काम कर रहे थे। ईरान के मिसाइल हमले में इजरायल में करीब 25 से 30 लोग मारे गए थे। तेल अवीव और हाइफा में कुल 24 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। ईरान के हमले में इस्रायल में 200 से अधिक लोग घायल होने की बात कही जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि युद्ध के दौरान इजरायल ने एक दिन में $ 725 मिलियन खर्च किए। यह एक बहुत महंगा युद्ध निकला। अगर संघर्ष कुछ और दिनों तक जारी रहता, तो कुल लागत प्रति माह $ 12 बिलियन तक पहुंच जाती। इसके अलावा, इज़राइल को आवासीय भवनों, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा, हजारों बेघर हो गए, प्रभावित तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और गैस क्षेत्रों को प्रभावित किया, उत्पादन, यात्रा और व्यापार रोक दिया।

युद्ध के अंत में, ईरान ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदेद पर मिसाइल हमले के साथ दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे ईरान ने फोर्डो, नतांज और इस्फ़हान में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के जवाब में अंजाम दिया।हालांकि, बाद में यह कहा गया कि ईरान ने कतर और संयुक्त राज्य अमेरिका को हमले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था, जिससे यह सवाल उठ गया कि यह किस तरह का हमला था। कतर में अमेरिकी हवाई अड्डे पर ईरान का हमला केवल प्रतीकात्मक था। जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए यह जानकारी पहले ही दे दी गई थी। ईरान की अधिकांश मिसाइलें नष्ट हो गईं और कोई हताहत नहीं हुआ। अमेरिकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में ईरान ने यह हमला किया था। इसकी पुष्टि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया कमजोर और अपेक्षित थी और उम्मीद है कि कोई और नफरत नहीं होगी, यह कहते हुए कि ट्रम्प ने ईरान को हमले की अग्रिम सूचना देने के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ और कोई घायल नहीं हुआ। शायद अब ईरान इस क्षेत्र में शांति और सद्भाव की ओर बढ़ सकता है और इजरायल को शांति के मार्ग पर चलने के लिए कह सकता है। उसने कहा। कुछ घंटों बाद, ट्रम्प ने एक दूसरे पोस्ट में घोषणा की कि ईरान और इज़राइल एक पूर्ण और स्थायी संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए थे, जो अगले छह घंटों में प्रभावी होगा, लेकिन ट्रम्प के दावे को भी अब तक खारिज कर दिया गया है।

ईरान और इज़राइल एक भयंकर युद्ध में लगे हुए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 22 जून को ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया और कहा कि यह एक बार का हमला था। ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने का दबाव था। बेस पर हमला करते समय भी, ईरान एक बड़ा युद्ध नहीं चाहता था क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था पहले ही कमजोर हो चुकी है। यही कारण है कि ईरान ने कतर में अल-उदीद बेस को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सेना के मध्य कमान का मुख्यालय स्थित है। कतर में हमले का एक और कारण यह है कि ईरान और कतर के बीच अच्छे संबंध हैं। कतर ने इस क्षेत्र में तटस्थ मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। इजरायल और हमास के बीच वार्ता में कतर की मध्यस्थता सफल रही। हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। अमेरिका ने पिछले सप्ताह अल-उदीद से अपने अधिकांश विमानों को ग्राउंडेड कर दिया था। 19 जून तक, केवल पांच अमेरिकी विमान बचे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि हमले के पीछे ईरान का इरादा बहुत नुकसान पहुंचाने के बजाय अपनी ताकत दिखाना था, इसलिए युद्ध, जो कई बार गंभीर और कभी-कभी लूटपाट लग रहा था, नियंत्रण में लाया गया लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसने वास्तव में कुछ हासिल किया है, खासकर जब से ईरान ने अमेरिकी हमले से पहले अपने समृद्ध यूरेनियम को स्थानांतरित करने की बात कही थी।

भारतीय क्षमता का प्रदर्शन

बुधवार की दोपहर को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट से जब कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष के लिए रवाना हुए तभी भारत ने अपने नाम एक इतिहास दर्ज कर लिया। शुक्ला पृथ्वी की सीमा से बाहर जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। पहले, विंग कमांडर राकेश शर्मा 1984 में गए थे। तब पीएम इंदिरा गांधी ने पूछा था कि भारत अंतरिक्ष से कैसा दिखता है, तो उन्होंने जवाब दिया 'सारे जहां से अच्छा'। लेकिन 41 सालों में दुनिया काफी बदल चुकी है। इसके साथ ही भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा भी काफी बदल गई है। राकेश शर्मा, सोवियत सोयुज कैप्सूल में शीत युद्ध के दौरान एक राजनयिक पहल के रूप में गए थे। लेकिन शुक्ला एक अलग लहर पर सवार हैं। यह लहर वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्रांति और स्वदेशी मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम से प्रेरित है। भले ही वे एक निजी अमेरिकी अंतरिक्ष यान में उड़े हैं, लेकिन यह भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान के युग की शुरुआत तो है ही। शुभांशु शुक्ला का मिशन एक्सीओम स्पेस के चौथे निजी अंतरिक्ष यात्री उड़ान का हिस्सा है। उनके क्रू में एक अमेरिकी, एक पोल और एक हंगेरियन शामिल हैं। यह भी गर्व की बात है कि एक भारतीय वायु सेना का अधिकारी कक्षा में वैश्विक समकक्षों के साथ तिरंगा लगाए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। यह सिर्फ प्रतीकात्मक कूटनीति नहीं है, बल्कि भारतीय क्षमता का प्रदर्शन भी है। गगनयान - इसरो का मानव अंतरिक्ष यान प्रोजेक्ट है। अभी तक इसरो ने अपना पहला क्रू मिशन लॉन्च नहीं किया है। लेकिन शुक्ला की उड़ान एक तरह की रेकी है। यह प्रक्रियाओं का परीक्षण, अंतरिक्ष के अनुकूल होना और माइक्रोग्रैविटी को समझना है। इससे ज्यादा गौरव की बात और क्या होगी कि यह सब भारत के झंडे के बैनर तले हो रहा है। 1984 में, भारत के पास मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए बुनियादी ढांचा तक नहीं था। राकेश शर्मा का युग एक अकेली चिंगारी थी। लेकिन आज, गगनयान अगले कुछ वर्षों में क्रू लॉन्च के लिए तैयार खडा है। एक मजबूत अंतरिक्ष नीति भी है। शुक्ला का मिशन अंतरिक्ष में एक सतत भारतीय मानव उपस्थिति की प्रस्तावना हो सकता है। शुभांशु शुक्ला की उड़ान इसरो के लिए डेटा इकट्ठा करने का अवसर है। भारत को क्रू ट्रेनिंग प्रोटोकॉल, कक्षा में मेडिकल मॉनिटरिंग और सीमित परिस्थितियों में व्यवहार विज्ञान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी। ये सबक गगनयान के अंतिम चरणों में सीधे काम आएंगे। यहां एक और बात है। गगनयान से पहले एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को आईएसएस में भेजकर, भारत खुद को एक अंतरिक्ष-यात्रा करने वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। इस पहिया को फिर से बनाने की ज़रूरत नहीं है। यह चंद्रमा एक रणनीतिक उच्च भूमि बन सकता है। चाहे वह नासा का वाणिज्यिक क्रू फ्रेमवर्क हो या यूरोप का मिशन डिजाइन सिद्धांत। यह उस बात का प्रतीक है जिसे निजी क्षेत्र 'लीपफ्रॉगिंग' कहता है। इस उड़ान को भू-राजनीति के नजरिए से भी देखा जाना चाहिए। हम अंतरिक्ष में एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। लो अर्थ ऑर्बिट (लियो) तेजी से सैन्यीकृत और व्यावसायिक रूप से भीड़भाड़ वाला होता जा रहा है। चीन का तियानगोंग स्पेस स्टेशन चालू है। रूस और नासा आईएसएस पर असहज भागीदार हैं। अमेरिका आर्टेमिस कार्यक्रम को तेज कर रहा है। आने वाले दिनों में इस रणनीति का लाभ भारत को मिले बिना नहीं रहेगा।

सिचुएशनशिप: रिश्ता जिसमें किन्तु-परन्तु नहीं

सचिन त्रिपाठी

प्रेम संबंधों की परिभाषाएं समय के साथ बदलती रही हैं। पहले 'प्रेम' एक स्थायी, सामाजिक और पारिवारिक स्वीकृति वाला संबंध था। फिर प्रेम विवाह, लिव-इन रिलेशनशिप और अब 'सिचुएशनशिप' जैसे नए रूप सामने आए हैं। सिचुएशनशिप कोई पारंपरिक प्रेम संबंध नहीं है, न ही यह पूर्णतः मित्रता है। यह उन दो लोगों के बीच का अनिश्चित-सा, पर भावनात्मक रूप से गहरा जुड़ा हुआ रिश्ता है जिसमें स्पष्टता की बजाय धुंध, स्थायित्व की जगह अस्थाई होना और भरोसे की जगह संभावनाएं होती हैं लेकिन क्या सिचुएशनशिप सिर्फ भ्रम है? या यह आज की पीढ़ी का आत्म-स्वतंत्र और यथार्थवादी प्रेम है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशने के लिए हमें इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को गहराई से समझना होगा।

आज के युवा स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानते हैं चाहे वह करियर हो, स्थान चयन हो या रिश्ते। सिचुएशनशिप इस आज़ादी को जगह देता है। इसमें दोनों व्यक्ति एक-दूसरे की कंपनी पसंद करते हैं, लेकिन अपने जीवन के निर्णय स्वतंत्र रूप से लेते हैं। कोई सामाजिक दबाव नहीं, न ही विवाह का अनावश्यक तनाव। यह रिश्ता उन्हें भावनात्मक संबल देता है जो अभी जीवन में स्थायित्व के लिए तैयार नहीं हैं। युवा जो पढ़ाई, करियर या निजी हीलिंग के दौर से गुजर रहे हैं, वे किसी गंभीर संबंध में बंधे बिना भी साथी के साथ जुड़ सकते हैं। अक्सर सिचुएशनशिप में दोनों पक्ष शुरू से स्पष्ट होते हैं कि वे अभी किसी परिभाषित रिश्ते में नहीं हैं। यह पारदर्शिता कई बार उस झूठ और छल से बेहतर होती है जो परंपरागत प्रेम संबंधों में दिखावे के रूप में होता है। आज की पीढ़ी अपने करियर और आत्म-विकास को पहले स्थान पर रखती है। विवाह या रिश्तों की स्थायित्वपूर्ण जिम्मेदारियों को टालते हुए भी वे एक भावनात्मक सहारा चाहते हैं। सिचुएशनशिप इस जरूरत को पूरा करता है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि इसमें न कोई वचन होता है, न कोई भविष्य की रूपरेखा। कई बार एक व्यक्ति अधिक जुड़ जाता है जबकि दूसरा असमंजस में रहता है। इससे भावनात्मक असुरक्षा, ईर्ष्या और दुख जन्म लेते हैं। सिचुएशनशिप में वर्षों निकल जाते हैं, और जब अंत में कोई एक व्यक्ति दूर चला जाए तो दूसरे के लिए यह गहरे आघात का कारण बनता है। कई युवाओं के लिए यह एक 'इमोशनल इंवेस्टमेंट' होता है जिसकी कोई निश्चित परिणति नहीं होती। भले ही शहरी युवा वर्ग इसे स्वीकार कर चुका हो, लेकिन सामाजिक ढांचे में यह अब भी अजीब या 'अधूरा' माना जाता है। परिवार, समाज और रिश्तेदारों के सवालों का उत्तर नहीं होता: 'क्या चल रहा है?' 'क्या रिश्ता है?' "कब शादी करोगे?' बहुत से लोग सिचुएशनशिप की आड़ में किसी को 'टाइम पास' समझने लगते हैं। वे यह रिश्ता तब तक बनाए रखते हैं जब तक कोई बेहतर विकल्प न मिल जाए। इसमें भावनात्मक धोखा मिलने की संभावना बहुत अधिक रहती है।

भारत में मेट्रो शहरों, विश्वविद्यालय परिसरों और मल्टीनेशनल कंपनियों के युवाओं में यह रिश्ता तेजी से बढ़ रहा है। टिंडर, बम्बल जैसे डेटिंग ऐप्स पर कई युवा अब 'सिचुएशनशिप' को रिश्ता मानते हैं। 2024 के एक ऑनलाइन सर्वे के अनुसार, 18 से 30 वर्ष की आयु के 42% युवाओं ने स्वीकार किया कि वे 'डेट कर रहे हैं पर कमिटेड नहीं हैं'। इसका अर्थ स्पष्ट है; रिश्तों की दिशा बदल रही है। हाल ही में एक सोशल मीडिया घटना वायरल हुई जहां एक युवती ने 'ब्रेकअप नहीं हुआ पर अब हम स्ट्रेंजर हैं' जैसी पोस्ट लिखी।

जातीय टकराव के बीच बंटी राजनीति

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गहरी चिंता व्यक्त की कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हिन्दू समाज को एकजुट करने के प्रयासों के विपरीत, कुछ गैर-भाजपा राजनीतिक दल और उनके समर्थक तत्व योजनाबद्ध ढंग से हिन्दू समाज को जातियों के नाम पर बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं। उन्होंने इसे एक गैर-राजनैतिक साजिश की संज्ञा दी और कहा कि यह केवल सत्ता की राजनीति नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर सीधा हमला है। योगी का यह बयान उस समय आया जब कथावाचक मुकुट मणि यादव का विवाद सुर्खियां बटोर रहा था। दरअसल,मुकुटमणि यादव ने हाल ही में एक धार्मिक आयोजन के दौरान विवादित बयान दिया था जिसको लेकर हंगामा शुरू हो गया, जिसमें उन्होंने(मुकुटमणि यादव) कुछ ऐतिहासिक और धार्मिक संदर्भों पर टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया और देखते ही देखते यह मामला राजनीतिक रंग लेने लगा। शुरुआत में तो यह एक धार्मिक और सामाजिक बहस का मुद्दा था, लेकिन जल्द ही विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसे अपने-अपने तरीके से भुनाना शुरू कर दिया।समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव के समर्थन में बयान देते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा बताया। उनका कहना था कि यादव ने जो कहा, वह ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसमें कोई आपत्तिजनक बात नहीं थी। वहीं, अन्य पार्टियों के नेताओं ने इसे सीधे-सीधे समाज में जहर घोलने वाला बयान करार दिया। कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव को सांप्रदायिक बताते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

इस विवाद ने न केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काया, बल्कि राजनीतिक दलों के बीच की खाई को और गहरा कर दिया। कई जगहों पर यादव के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाए गए और बयानबाजी तेज हो गई। जिन बातों को समझदारी से सुलझाया जा सकता था, उन्हें नेताओं ने वोट बैंक की राजनीति में बदल दिया। नतीजतन, एक धार्मिक प्रवचन राजनीतिक लड़ाई का कारण बन गया, जिसमें सच्चाई और संवाद की जगह कटुता और आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली। इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि जब तक राजनीतिक स्वार्थ ऊपर रहेगा, तब तक कोई भी सामाजिक या धार्मिक मुद्दा विवाद से अछूता नहीं रह सकता।इस विवाद के बीच मुष्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक समारोह के दौरान कहा कि भाजपा ने हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश की है, चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का हिन्दुत्व जातिविहीन, समरसतामूलक और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण पर आधारित है, जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की राजनीति केवल विभाजन, तुष्टीकरण और जातिगत समीकरणों पर टिकी है, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ रहा है।

इस सन्दर्भ में, उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार कुछ राजनीतिक संगठन चुनाव आते ही पिछड़ी, दलित या सवर्ण जातियों के नाम पर भावनात्मक भाषण देते हैं, रैलियों में जातिगत नारे लगवाते हैं, और जाति-विशेष के मसीहा बनने का प्रयास करते हैं। योगी ने सवाल उठाया कि जो लोग सालों से सत्ता में रहे, उन्होंने कभी गरीबों के घर बिजली, पानी, शिक्षा या स्वास्थ्य क्यों नहीं पहुँचाया? क्यों उन्होंने जातियों के नाम पर केवल वोट मांगे और सत्ता में आते ही अपनी व्यक्तिगत समृद्धि सुनिश्चित की? कई राजनीतिक विश्लेषकों और बुद्धिजीवियों ने भी इस विषय पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. संजीव त्रिपाठी ने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा की हिन्दुत्व की राजनीति अब केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता की ओर बढ़ रही है। इससे विपक्षी दलों के पारंपरिक जातिगत समीकरण कमजोर हो रहे हैं, इसलिए वे बौखलाहट में पुनः जातिगत ध्रुवीकरण की ओर जा रहे हैं।

इसी प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र की प्रोफेसर डॉ. रूचि श्रीवास्तव का कहना है, भारतीय समाज ऐतिहासिक रूप से जातियों में विभाजित रहा है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद से अब तक जाति को केवल वोटबैंक की तरह इस्तेमाल किया गया। यदि अब कोई नेता इसे समरसता में बदलने की बात करता है, तो उसका विरोध केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि इससे कुछ लोगों की राजनीति संकट में पड़ सकती है।

एक प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक चिन्तक डॉ. नरेश मालवीय ने टिप्पणी करते हुए कहा, वास्तव में यह एक बड़ा नैरेटिव युद्ध है। भाजपा हिन्दुओं को एक समरूप सांस्कृतिक पहचान के माध्यम से एक मंच पर लाना चाहती है, जबकि विपक्ष इसे सामाजिक विविधता के नाम पर तोड़ना चाहता है। लेकिन यह विविधता तब तक उपयोगी नहीं जब तक वह समाज को जोड़ती है, न कि बाँटती है।

गौरतलब हो हाल ही में कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा पिछड़े और दलित समुदायों के नाम पर अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसमें देखा गया कि किस प्रकार जातिगत पहचान को फिर से मुखर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने इसे राजनैतिक मुनाफाखोरी का कुत्सित प्रयास बताया और कहा कि अब समय है कि जनता इस षड्यंत्र को पहचानें और समरस समाज के निर्माण में सहयोग दें।

इस पर राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा ने जिस प्रकार सबका साथ, सबका विकास के नारे को विस्तार देकर सबका प्रयास की ओर ले जाया गया, वह उनके समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

इसके मुकाबले, विपक्ष की रणनीति जातिगत गणनाओं और संख्यात्मक समीकरणों पर आधारित दिखती है, जो आज के समय में युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग को बहुत आकर्षित नहीं कर पा रही। जहाँ एक ओर भाजपा अपने कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों को शामिल करने का प्रयास कर रही है, वहीं विपक्ष के जाति आधारित सम्मेलन यह संदेश देते हैं कि वे अभी भी सामाजिक एकता की बजाय विखंडन की राजनीति पर भरोसा कर रहे हैं। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ की चिंता केवल राजनैतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल पर भी विचारणीय है।

मोदी सरकार की तटस्थ रहने वाली विदेश नीति

संजय सक्सेना

भाजपा के दिग्गज नेता नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की विदेश नीति में एक नया दृष्टिकोण देखने को मिल रहा है, जिसे कई विशेषज्ञ तटस्थता या रणनीतिक संतुलन की नीति के रूप में परिभाषित करते हैं। यह नीति खासतौर पर अमेरिका और रूस के बीच तनाव, चीन के उभार, और वैश्विक ध्रुवीयता के संदर्भ में भारत के रुख को दर्शाती है।ऐसा ही इजरायल और ईरान के बीच जंग के दौरान भी देखने को मिला। भारत किसी के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ बल्कि दोनों देशों को शांति का पैगाम देता रहा। यही भारत की तटस्थ नीति है। तटस्थ रहने की नीति का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत अपनी संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए किसी एक वैश्विक शक्ति के साथ पूरी तरह से नहीं जुड़ता, बल्कि सभी के साथ संवाद और सहयोग बनाए रखता है। हालांकि इस नीति के अपने फायदे हैं, वहीं कुछ गंभीर नुकसान भी सामने आते हैं।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के दौरान भी मोदी सरकार ने अपनी तटस्थता वाली विदेश नीति को प्राथमिकता दी। वैश्विक राजनीति के इस संवेदनशील मोड़ पर जब कई देश खुले समर्थन या विरोध में उतर आए, भारत ने संयम और संतुलन का परिचय देते हुए किसी पक्ष का खुला समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने मानवता, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता को आधार बनाते हुए एक ऐसा रुख अपनाया जिससे भारत की साख एक जिम्मेदार और परिपक्व लोकतंत्र के रूप में और मजबूत हुई। सरकार ने आधिकारिक बयानों में शांति, संवाद और संयम की अपील की, साथ ही युद्ध में शामिल दोनों देशों से बातचीत के रास्ते तलाशने को कहा। यह नीति न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक हितों और पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा को ध्यान में रखती है, बल्कि वैश्विक मंचों पर भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को भी दर्शाती है। भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण बताता है कि वह किसी एक खेमे में नहीं बल्कि वैश्विक स्थिरता और संतुलन में विश्वास करता है।

तटस्थता का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारत को स्वतंत्र निर्णय लेने की पूरी आज़ादी मिलती है। जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा, तब भारत ने किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय शांति और बातचीत का पक्ष लिया। इससे भारत को दोनों देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में मदद मिली। अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी देशों ने भले ही भारत की स्थिति पर सवाल उठाए हों, लेकिन उन्होंने भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने का जोखिम नहीं उठाया, क्योंकि भारत आज की तारीख में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

दूसरा फायदा यह है कि तटस्थ नीति के कारण भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और ध्यान मिल रहा है। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जिस प्रकार से विकसित और विकासशील देशों के बीच पुल का काम किया, वह इसी नीति का परिणाम है। भारत की स्थिति अब एक ऐसे देश की बन गई है जो वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, न कि केवल किसी एक धड़े का समर्थक है। इससे भारत को वैश्विक कूटनीतिक दबाव से बचने में सहायता मिलती है और वह अपने दीर्घकालिक आर्थिक व सुरक्षा हितों पर फोकस कर पाता है। इसके अतिरिक्त, तटस्थता की नीति भारत को बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में भी मजबूत बनाती है। भारत ब्रिक्स, क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन, और इंडो-पैसिफिक फ्रेमवर्क जैसे कई मंचों का हिस्सा है, जो अलग-अलग वैश्विक शक्तियों से जुड़े हैं। अगर भारत किसी एक पक्ष के साथ खुलकर जुड़ जाता, तो उसकी भागीदारी पर असर पड़ता। इस नीति ने भारत को ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकल्प दिए हैं।

हालांकि, तटस्थ नीति के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वैश्विक संकट के समय भारत की भूमिका अस्पष्ट हो जाती है। जब यूक्रेन युद्ध हुआ या जब गाजा में संघर्ष भड़का, तब भारत की तटस्थता को कुछ विश्लेषकों ने नैतिक चुप्पी के रूप में देखा। इससे भारत की छवि एक नैतिक शक्ति या वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में कमजोर पड़ती है। आज की दुनिया केवल रणनीतिक फायदे नहीं देखती, बल्कि यह भी देखती है कि कौन-सा देश मानवाधिकार, लोकतंत्र और न्याय के पक्ष में बोलता है। भारत की चुप्पी कई बार इसे हित-चिंतक की बजाय हित-साधक बना देती है। दूसरा नुकसान यह है कि तटस्थ रहते हुए भारत कभी-कभी अपने साझेदार देशों के साथ रिश्तों में वह गहराई नहीं बना पाता जो स्पष्ट समर्थन से बनती है। अमेरिका भारत को चीन के खिलाफ एक मजबूत रणनीतिक साझेदार मानता है, लेकिन भारत की रूस के साथ दोस्ती अमेरिका के लिए चिंता का विषय बनती है। इसी तरह, रूस को भारत की अमेरिका के साथ नजदीकी खटकती है।

हर्रा लगे न फिटकरी रंग चोखा

डॉ टी महादेव राव

बहुत पहले जब चर्चा से संबन्धित फिल्मी गाने सुनता था, तो लगता था चर्चित होना या चर्चा में रहना सचमुच बड़े ही गर्व का विषय होगा। सभी के दिलो दिमाग में यह चर्चा खलबली मचाती होगी। जैसे गाने थे- आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे हर ज़ुबान पर, शहर में चर्चा है आदि आदि। उसके बाद दफ्तर में बॉस को मेरा कोई प्रस्ताव समझ में नहीं आता था या कोई विवरण चाहता था तो नोट लिखता था कृपया चर्चा करें। उसके बाद जब श्रमिक संघों की मांगों और नोटिस पर प्रबंधन के साथ आमने सामने अजी वही एक्रोस द टेबल चर्चा होती थी। कभी कभी आस पड़ोस में कोई हादसा हो गया, कोई प्रेमी युगल फरार हो गया तो काफी दिनों तक चर्चा चलती थी। तो चर्चों का दायरा बड़ा सीमित था मेरे लिए। कुछ एक छूट भी गए होंगे।

आजकल तो चर्चों के चर्चे भी बड़े जोरोशोर से होने लगे। और तो और चर्चा को छोटे से दायरे से निकालकर बहुत विशाल आसमान दे दिया गया चर्चा अनंत, चर्चा कथा अनंता बना दिया गया, जिस तरह कविता को किसी विषय से परहेज नहीं होता, जहां न जाय रवि वहाँ जाय कवि की तर्ज़ पर। अब तो चर्चा का तो मार्केट ही निकल पड़ा, चर्चा के लिए विषयों की कमी नहीं। विषय हो या न हो, चर्चा तो होती रहनी चाहिए। ताकि बिना प्रैस मीट किये, पत्रकारों का सामना किए बिना बहुत सारी पब्लिसिटी अपने आप इन चर्चाओं से मिल जाती है, जिससे प्रचार प्रसार के भूखे दिल की कली खिल जाती है। सरकारी विज्ञापनों की लालच में इतने समाचार छपते हैं कि दिल बाग बाग हो जाता है। कहाँ दिल की कली के खिलने की बात थी और कहाँ दिल का बाग बाग होने का मामला। यही तो विकास है। और हमारा विकास जो है किसी से कम नहीं है।

पहले शुरू हुई चाय पे चर्चा। होनी ही चाहिए आखिर चाय सभी की फेवेरेट पेय जो है। प्रधान मंत्री से लेकर आम आदमी तक चाय को पसंद करता है। करना भी चाहिए। इससे चुस्ती फुर्ती आती है। जीवन में खुशियाँ तो सभी ने किसी न किसी तरह छीन लिया, लेकिन चाय अपने स्वाद से उस दर्द को भूल जाने में मदद करता है। मैं सिर्फ चाय तक चर्चा को रखता हूँ। किसी भी विषय पे बात करनी हो, चर्चा करनी हो तो चाय एक उत्प्रेरक के रूप में बहुत सक्रिय काम करता है। चाय पे चर्चा में मेरे मित्र ने चाय के प्रकारों पे जब चर्चा शुरू किया तो मैंने कहा चाय विषय नहीं, एक केटलिस्ट है, उत्प्रेरक है। उसने कहा तब इसे सामन्य चर्चा कहो न! चाय पे चर्चा क्यों कहते हो। मेरे एक और मित्र ने उत्तर दिया- इस बीच केवल चर्चा होती थी, चाय नहीं पिलाया जाता था तो लोग कम आते थे। हमने सोचा चाय पे चर्चा करने पर कम से कम चाय के लिए तो लोग आएंगे। साला, चर्चा में भी पॉलिटिक्स घुस गई। क्या दिन आ गए? है न? इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर गाय पे चर्चा शुरू हो गई। उसके परिणाम सभी ने देख ही लिए। चर्चा ज़रूरी है, विषय नहीं। मेरे बॉस के पास जब फुरसत बहुत होती थी और अगर उस दिन बीवी से बिना झगड़े दफ़्तर आ गया हो तो समझो उस दिन फालतू चर्चा का कार्यक्रम निश्चित ही होता। सब को बैठाकर गप शप।

क्या है छेरा पहरा ? जगन्नाथ रथ यात्रा इसके बिना है अधूरी

जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून 2025 से होगी। रथ यात्रा का पहला दिन बहुत खास माना जाता है, इस दिन छेरा पहरा की रस्म निभाई जाती है, क्या है ये परंपरा और इसका महत्व जानें।

ओड़िशा के पुरी में 27 जून को रथ यात्रा गुंडिचा मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। कहते हैं जो रथ यात्रा में शामिल होता है उसके सारे संकट दूर हो जाते हैं। रथ यात्रा के 9 दिन कई तरह की परंपरा निभाई जाती है। पहले दिन छेरा की रस्म की जाती है।

यह अनुष्ठान रथ यात्रा की शुरुआत का संकेत होता है। सालों से चली आ रही है छेरा पहरा रस्म में पुरी के गजपति राजा, जो भगवान जगन्नाथ के पहले सेवक माने जाते हैं, सोने की झाड़ू से रथों के आगे रास्ता साफ करते हैं और चंदन मिला जल रास्ते पर छिड़कते हैं। इस प्रतीकात्मक सफाई का उद्देश्य होता है भगवान के मार्ग को पवित्र करना, इसके बाद ही रथ को खींचा जाता है। ये दर्शाता है कि ईश्वर के आगे राजा और आम जनता सभी एक समान है।

माना जाता है कि सोने की झाड़ू से सफाई करके भक्त अपनी भक्ति और समर्पण को व्यक्त करते हैं। इसके जरिए भक्त अपनी तरफ से भगवान को सर्वश्रेष्ठ अर्पित करने की इच्छा रखते हैं।

सोना सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक है, यह परंपरा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि यह रथ यात्रा के गौरव और इतिहास को भी दर्शाती है।

स्कंद पुराण के अनुसार प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा का रास्ता साफ करने वाला मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति करता है। कहते हैं इससे व्यक्ति के जीवन में नकारात्मकता का अंत होता है और सुख और समृद्धि भी मिलती है।

आज से शुरू होगी रथ यात्रा

विशाल रथ पर सवार होंगे भगवान जगन्नाथ

ओडिशा के पुरी में स्थित विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के लिए आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि बहुत ही खास होती है क्योंकि इस दिन जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ होता है। इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ 27 जून दिन शुक्रवार से होगा। इस दिन भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ अलग अलग रथों पर सवार होंगे। वे तीनों रथों पर सवार होकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाएंगे। भगवान जगन्नाथ रथ नंदीघोष पर, भाई बलभद्र रथ तालध्वज पर और सुभद्रा रथ दर्पदलन पर सवार होंगी। विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से शुरू होकर 8 जुलाई तक चलेगी। जगन्नाथ रथ यात्रा का यह पूरा कार्यक्रम 12 दिनों का है। हालांकि जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारी और पहले से ही शुरू हो जाती है। आइए जानते हैं जगन्नाथ रथ यात्रा के शुभ मुहूर्त, रस्म और कार्यक्रम का पूरा शेड्यूल।

जगन्नाथ रथ यात्रा 2025 तारीख और मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, जगन्नाथ रथ यात्रा का प्रारंभ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि को होता है। इस साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 26 जून को दोपहर 01:24 पी एम से लेकर 27 जून को 11:19 ए एम तक है। उदयातिथि के आधार पर आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 27 जून को है। इसलिए जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ 27 जून से है।

जगन्नाथ रथ यात्रा के शुभारंभ के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र होंगे। सर्वार्थ सिद्धि योग 05:25 ए एम से 07:22 ए एम तक है, पुनर्वसु 07:22 ए एम तक है, उसके बाद से पुष्य नक्षत्र है। इस दिन का शुभ समय यानि अभिजीत मुहूर्त 11:56 ए एम से 12:52 पी एम तक है।

27 जून, शुक्रवार: रथ यात्रा का प्रारंभ
1 जुलाई, मंगलवार: हेरा पंचमी
4 जुलाई, शुक्रवार: संध्या दर्शन
5 जुलाई, शनिवार: बहुदा यात्रा
6 जुलाई, रविवार: सुना बेशा
7 जुलाई, सोमवार: अधरा पना
8 जुलाई, मंगलवार: नीलाद्रि बिजय, जगन्नाथ रथ यात्रा का समापन

जगन्नाथ रथ यात्रा: जगन्नाथ रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा तीन रथों पर सवार होते हैं। देश और दुनिया भर से आए भक्त मोटे मोटे रस्सों से उन विशाल रथों को खींचते हैं। इन रथों को जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक ले जाया जाता है। जब जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी को रथों पर बैठाया जाता है तो पुरी के राजा 'छेरा पन्हारा' रस्म करते हैं। वे सोने के झाड़ू से रथ के चबूतरे को साफ करते हैं।

क्या होता है नवकलेवर? भगवान जगन्नाथ से जुड़ा है अद्भुत रहस्य

हर 12 साल में पुरी में होता है चमत्कार

हिंदू धर्म में भगवान की पूजा व आराधना का विशेष महत्व है। भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जहां अलग-अलग देवी-देवताओं विराजमान हैं। ऐसे ही हैं भगवान जगन्नाथ, जिन्हें जगत के नाथ भी कहा जाता है। हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण देवता हैं। भगवान जगन्नाथ की मुख्य लीला भूमि ओडिशा की पुरी है। पुरी को पुरुषोत्तम पुरी भी कहा जाता है। उज्जैन में भी हर साल देवास रोड स्थित इस्कॉन मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। इस दिन का इंतजार भक्त बेसब्री के साथ पूरे साल करते हैं। रथयात्रा का आरंभ आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि यानि 27 जून से हो रहा है, जिसमें भारी मात्रा में भक्तों का सैलाब शामिल होता है। कहा जाता है कि जो लोग इस पवित्र यात्रा का हिस्सा बनते हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही काम, क्रोध और लोभ से छुटकारा मिलता है।

उज्जैन इस्कॉन मंदिर के पीआरो पंडित राघव ने बताया कि जगन्नाथ मंदिर को लेकर कई ऐसे रहस्य हैं, जो काफी चौंकाने वाले हैं। इन्हीं में से एक यह भी है कि हर 12 साल में इस धाम की मूर्तियों को बदल दिया जाता है। दरअसल, इस अनुष्ठान को 'नवकलेवर' के नाम से जाना जाता है। नवकलेवर का अर्थ है, नया शरीर, इस परंपरा के अंतर्गत जगन्नाथ मंदिर में स्थापित श्री जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन की प्रतिमा को बदला जाता है, जिसके पीछे कारण है कि ये प्रतिमाएं लकड़ी से बनाई जाती हैं और वे खंडित न हों इस वजह से उन्हें बदला जाता है।

गुप्त रूप से निभाई जाती है परम्परा

इस नवकलेवर परंपरा में मूर्तियां जब बदली जाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब यह पवित्र अनुष्ठान शुरू होता है। उस दौरान पूरे शहर की लाइट को बंद करवा दिया जाता है, जिससे हर जगह अंधेरा हो जाए। यह परंपरा बहुत गुप्त होती है। इतना ही नहीं, यह परंपरा मंदिर के मुख्य पुजारियों द्वारा निभाई जाती है और वो भी भगवान को नहीं देखते हैं।

आज भी धड़कता है श्रीकृष्ण का दिल

ऐसी मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी देह त्यागी, उस समय उनका दिल पुरी में ही रह गया और आज भी वो मूर्तियों के बीच ब्रह्म रूप में मौजूद हैं। जिस समय श्री कृष्ण का अंतिम संस्कार हुआ, वह अपना हृदय छोड़ गए। यहां की मूर्तियों में साक्षात रूप में भगवान जगन्नाथ मौजूद होते हैं, इसलिए उनके पूजन को आज भी भक्त शुभ मानते हैं।

इस बार पूरे नौ दिन की रहेगी गुप्त नवरात्रि

आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि आज (26 जून) से शुरू हो गई है। इस बार की आषाढ़ गुप्त नवरात्रि पूरे नौ दिनों की रहेगी, क्योंकि प्रतिपदा से नवमी तक किसी भी तिथि का क्षय नहीं हो रहा है। 4 जुलाई को भड़ली नवमी पर ये उत्सव खत्म होगा। इस नवरात्रि की शुरुआत सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ हो रही है, इस वजह से इन दिनों में की गई देवी पूजा जल्दी सफल हो सकती है।

एक साल में चार बार नवरात्रि आती है। चैत्र और अश्विन मास में प्रकट नवरात्रि रहती है, जबकि आषाढ़ और माघ मास में गुप्त नवरात्रि मनाई जाती है। प्रकट नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है, जबकि गुप्त नवरात्रि में देवी सती की दस महाविद्याओं की साधना की जाती है, ये साधनाएं गुप्त रूप से की जाती है। इन महाविद्याओं में मां काली, तारा देवी, षोडषी, भुवनेश्वरी, भैरवी, छिन्नमस्ता, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी, और कमला देवी शामिल हैं।

दो ऋतुओं के संधिकाल में आती नवरात्रि

ऋतुओं का संधिकाल यानी दो ऋतुओं के बीच का समय। जब एक ऋतु खत्म होने वाली होती है और दूसरी की शुरुआत होने वाली होती है। दो ऋतुओं के संधिकाल में देवी दुर्गा की पूजा का महापर्व नवरात्रि मनाया जाता है। जैसे अभी आषाढ़ मास की नवरात्रि है। इस समय ग्रीष्म ऋतु खत्म होती है और वर्षा ऋतु शुरू होती है। माघ मास की नवरात्रि के समय शीत ऋतु खत्म होती है और बसंत ऋतु शुरू होती है। चैत्र मास की नवरात्रि के समय बसंत ऋतु खत्म होती है और ग्रीष्म ऋतु शुरू होती है। आश्विन नवरात्रि के समय वर्षा ऋतु खत्म होती है और शीत ऋतु शुरू होती है।

व्रत-उपवास से सेहत को मिलता है लाभ

आयुर्वेद के अनुसार रोगों को ठीक करने की एक विद्या का नाम है लंघन। लंघन में व्रत-उपवास करने की सलाह दी जाती है।

व्रत-उपवास करने से हमारे पाचन तंत्र को आराम मिलता है। खान-पान में संयम रखने से हम बीमारियों से बचे रहते हैं। शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

नवरात्रि के दिनों में अन्न का त्याग करते हैं तो आलस नहीं आता है और पूजा-पाठ में हमारा मन लगा रहता है। इस तरह व्रत करने से धर्म लाभ के साथ ही सेहत को भी फायदा होता है।

गुप्त नवरात्रि में कर सकते हैं ये शुभ काम

नवरात्रि के नौ दिनों में देवी दुर्गा की पूजा करनी चाहिए। देवी मां के मंत्र ऊँ दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप कर सकते हैं। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। देवी भागवत ग्रंथ का पाठ कर सकते हैं।

आषाढ़ मास की नवरात्रि में देवी पूजा के साथ ही नदियों में स्नान, दान का विशेष महत्व है। गणेश जी, शिव-पार्वती के साथ ही भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की भी विशेष पूजा इन दिनों में करनी चाहिए। जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल, छाता, भोजन का दान करना चाहिए। इन दिनों में सुबह देर तक सोना नहीं चाहिए। जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। ऐसा भोजन न करें, जिसे पचने में ज्यादा समय लगता है।

-मुकेश ऋषि

कंफर्ट जोन से बाहर निकलेंगे तो मिलेगी बड़ी सफलता

एक संत के मित्र का परिवार पेड़ की फलियां बेचकर चला रहा था अपना जीवन, संत ने वो पेड़ ही काट दिया

पुराने समय की बात है। एक संत वर्षों बाद अपने बचपन के मित्र से मिलने उसके गांव पहुंचे। जब वे मित्र के घर पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर उनका मन बहुत दुखी हो गया। मित्र बहुत ही गरीबी में जीवन जी रहा था। उसके दो और भाई थे। तीनों भाइयों की जीविका का एकमात्र साधन था घर के बाहर लगा फलियों का एक पेड़।

तीनों भाई उस पेड़ से फलियां तोड़ते, उन्हें बेचते और उसी पैसे से खाने की व्यवस्था होती थी। उस दिन भी यही हुआ, लेकिन फलियों से बहुत कम आमदनी हुई। सिर्फ इतना ही पैसा मिला, जिससे केवल दो लोगों के लिए ही भोजन जुट पाया।

संत के सामने उनके मित्र के दोनों भाइयों ने बहाने बना लिए- एक ने कहा कि मुझे भूख नहीं है और दूसरे ने कहा कि मेरा पेट खराब है। इसके बाद संत और उनके मित्र ने भोजन कर लिया।

संत ये सब देखकर सोच में पड़ गए। उन्हें अपने मित्र की दशा पर दया आई, लेकिन समझ नहीं आ रहा था कि कैसे उसकी मदद कि जाए। रात में संत ने एक साहसिक निर्णय लिया, उन्होंने कुल्हाड़ी से वह फलियों का पेड़ ही काट दिया और गांव से चुपचाप भाग गए।

अगले दिन जब तीनों भाइयों ने पेड़ कटा देखा तो दुख और निराशा से भर उठे। गांववालों ने संत की बहुत बुराई की कि उन्होंने गरीबों की कमाई का इकलौता जरिया ही खत्म कर दिया।

कुछ साल बाद... संत फिर उसी रास्ते से गुजरे और मित्र से मिलने का निश्चय किया, हालांकि उन्हें डर था कि लोग नाराज होंगे, शायद मार सकते हैं। जब संत गांव पहुंचे तो दृश्य बदल चुका था। मित्र का घर अब एक सुंदर और बड़ा मकान बन चुका था। भीतर पहुंचकर उन्होंने देखा कि तीनों भाई अब समृद्ध और खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

मित्र और उसके भाइयों ने संत को देखा और दौड़कर उन्हें गले लगा लिया। संत को देखकर वे भावुक हो उठे और बोले कि- कुछ समय बाद हमें समझ आया कि आपने पेड़ क्यों काटा था। उस पेड़ के भरोसे हम मेहनत करना ही भूल गए थे। जब पेड़ नहीं रहा तो हमें जीवन यापन के लिए खुद पर निर्भर होना पड़ा। धीरे-धीरे मेहनत रंग लाई और आज हम यहां हैं। ये सब आपकी वजह से संभव हुआ है।

संत ये सुनकर बहुत प्रसन्न हुए। उनकी योजना सफल हो गई थी। मित्र और उसका परिवार अब सुख, सम्मान और समृद्धि से भरा जीवन जी रहा था।

कहानी से सीखने योग्य सूत्र

कंफर्ट जोन सबसे बड़ा दुश्मन है

हम अक्सर किसी सहारे या सुविधा के कारण कोशिश करना छोड़ देते हैं। फलियों का पेड़ तीनों भाइयों के लिए ऐसा ही कंफर्ट जोन था। जब तक वह रहा, वे मेहनत करने से बचते रहे। इसी वजह से उनके जीवन में दुख था। जब हम अपने कंफर्ट से बाहर निकलकर काम करते हैं तो बड़ी सफलता जरूर मिलती है।

जीवन में चुनौती के बिना प्रगति संभव नहीं है

संत के द्वारा पेड़ काटना एक बड़ा झटका था, लेकिन उसी ने भाइयों को आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई। जब तीनों भाइयों के सामने जीविका चलाने की चुनौति आ गई, तब उन्होंने काम करना शुरू किया और उनका जीवन बदल गया।

असली मदद वह होती है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बना दे

संत ने मित्र को पैसे देकर या खाना खिलाकर नहीं, बल्कि उनके जीवन की सोच बदलकर मदद की और यही सच्ची मदद होती है। हमें भी खुद को और दूसरों को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

असफलता या संकट, सफलता का द्वार बन सकते हैं

कई बार जीवन में कठिनाइयां हमें मजबूर करती हैं सोचने और कुछ नया करने के लिए। ऐसा समय असहज जरूर होता है, लेकिन इस समय का सामना करके ही हम भविष्य बदल सकते हैं।

बदलाव की शुरुआत भीतर से होती है

बाहरी स्थितियों को दोष देने के बजाय, जैसे ही तीनों भाइयों ने स्वयं मेहनत करना शुरू किया, उनके जीवन की दिशा बदल गई। अगर हम जीवन में कुछ बदलाव चाहते हैं तो इसकी शुरुआत हमें ही करनी होती है।

कलयुग में पुरी धाम के जलमग्न होने के बाद छतिया मंदिर में प्रकट होंगे भगवान जगन्नाथ

ओडिशा में जगन्नाथ पुरी धाम के साथ ही एक और मंदिर प्रसिद्ध है, जिसका नाम है छतिया बट मंदिर। ओडिशा के भुवनेश्वर से लगभग 70 किलोमीटर दूर जाजपुर जिले के एक छोटे से गाँव छतिया में यह अनोखा मंदिर है। यह मंदिर भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि भगवान को समर्पित है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार भगवान कल्कि का जन्म भविष्य में होगा। छतिया बट मंदिर भविष्य में अवतरित होने वाले भगवान कल्कि को समर्पित है, इसी वजह से यह बाकी मंदिरों से बिलकुल अलग और खास माना जाता है।

जगन्नाथ पुरी धाम को लेकर कहा जाता है कि कलयुग जब चरम पर होगा तो यह धाम डूब जाएगा। तब भगवान जगन्नाथ जिस मंदिर में प्रकट होंगे उसके बारे में आज हम आपको जानकारी देने जा रहे हैं।

छतिया बट मंदिर

ओडिशा में जगन्नाथ पुरी धाम के साथ ही एक और मंदिर प्रसिद्ध है, जिसका नाम है छतिया बट मंदिर। ओडिशा के भुवनेश्वर से लगभग 70 किलोमीटर दूर जाजपुर जिले के एक छोटे से गाँव छतिया में यह अनोखा मंदिर है। यह मंदिर भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि भगवान को समर्पित है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार भगवान कल्कि का जन्म भविष्य में होगा। छतिया बट मंदिर भविष्य में अवतरित होने वाले भगवान कल्कि को समर्पित है, इसी वजह से यह बाकी मंदिरों से बिलकुल अलग और खास माना जाता है।

भगवान जगन्नाथ से है इस मंदिर का संबंध

यह मंदिर वैष्णव परंपरा और भगवान जगन्नाथ से जुड़ा हुआ है। यहां पर मां काली, श्री गणेश, भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी की मूर्तियाँ विराजमान हैं। लेकिन एक खास बात ये है कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर में मूर्तियों की जो व्यवस्था होती है यानी भगवान जगन्नाथ और प्रभु बलभद्र के बीच में उनकी बहन सुभद्रा, वह इस मंदिर में नहीं है। छतिया बट मंदिर में सुभद्रा को सबसे अंत में रखा गया है, इसे एक नए युग की शुरुआत के संकेत के रूप में देखा जाता है।

यह मंदिर 15वीं शताब्दी के प्रसिद्ध ओड़िया संत अच्युतानंद दास(भविष्य मालिका के लेखक) की भविष्यवाणियों से भी जुड़ा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलयुग में पुरी का श्री मंदिर जलमग्न हो जाएगा और भगवान जगन्नाथ पुरी के अपने मंदिर को छोड़ कर कल्कि अवतार के रूप में अपने भाई-बहन के साथ छतिया बट मंदिर में प्रकट होंगे। माना जाता है कि यहीं से कलयुग का अंत होगा और सतयुग की शुरुआत होगी।

प्रतिमाओं के दर्शन की अनोखी परंपरा

छतिया बट मंदिर में रखी प्रतिमाओं के दर्शन करने की परंपरा भी अनोखी है। जिस तरह बाकी मंदिरों में भगवान की मूर्ति के दर्शन सामने से किए जाते हैं यहां वैसा नहीं होता। यहां भगवान की प्रतिमाओं को आईने में देख कर उनके दर्शन करने की परंपरा है। यानि भक्त भगवान के सीधे दर्शन नहीं कर सकते। यहां भगवान जगन्नाथ घोड़े पर सवार हैं और उनके हाथों में तलवार भी दिखाई देती है जो दिन पर दिन लंबी होती जा रही है। धार्मिक मत के अनुसार जिस दिन इस तलवार की लंबाई 12 हाथ के बराबर हो जाएगी उस दिन कलयुग का अंत हो जाएगा। साथ ही भगवान कल्कि भी इस दौरान अवतार लेंगे।

यहां भगवान कल्कि होंगे प्रकट

ऐसी मान्यता है कि भविष्य में भगवान कल्कि छतिया गाँव में प्रकट होंगे, और यही वजह है कि छतिया का यह मंदिर इतना प्रसिद्ध और खास है। इसी कारण से इस मंदिर का निर्माण कार्य भी कभी बंद नहीं होता। हर दिन कुछ न कुछ निर्माण इस मंदिर में चलता ही रहता है। माना जाता है कि मंदिर तब तक पूरा नहीं होगा जब तक भगवान कल्कि खुद उसमें विराजमान न हो जाएं। यही वजह है कि भक्त इस मंदिर में दिल खोलकर दान भी करते हैं। छतिया बट मंदिर रथ यात्रा के लिए भी मशहूर है, जिसमें मंदिर के तीन मुख्य देवताओं को भव्य रथों पर बैठाकर यात्रा निकाली जाती है, जैसे पुरी में होता है।

रश्मिका ने धनुष के नाम साझा की पोस्ट कहा - आप एक बेहतरीन इंसान हो

रश्मिका मंदाना फिल्मों में जितना एक्टिव रहती हैं, उतना ही सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में फिल्म 'कुबेर' के अपने को-एक्टर धनुष को लेकर रश्मिका मंदाना ने एक पोस्ट साझा की है। जिसमें उनके साथ काम करने के एक्सपीरियंस का जिक्र किया।

रश्मिका ने बताया कैसे एक्टर-इंसान हैं धनुष

रश्मिका मंदाना ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में धनुष के साथ एक फोटो शेयर की और एक लंबा सा कैप्शन भी लिखा है। वह लिखती हैं, 'भले ही मैंने आपके साथ पूरी फिल्म (कुबेर) की हो लेकिन मेरे पास आपकी यही एक फोटो है। यह पोस्ट में आपकी तारीफ में कर रही हूं। आप एक बेहतरीन इंसान हैं। हर दिन बहुत मेहनत करते हैं। आप जो कुछ भी करते हैं, वह बेहतरीन है।'

तमिल डायलॉग बोलने में की मदद

रश्मिका मंदाना आगे लिखती हैं, 'आप सिर्फ मेरे साथ ही नहीं बल्कि हर शख्स के लिए बहुत काइंड रहे हैं। आप हर किसी से बहुत प्यार से बात करते हैं। मैं हमेशा याद रखूंगी कि आपने मुझे सेट पर कितने लड्डू खिलाए। मेरी किस तरह से तमिल डायलॉग बोलने में मदद की। जब आपको मेरा कोई सीन करने का तरीका पसंद आता था और आप कहते थे, 'यह बढ़िया था।' ये आपके लिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन ये वाकई बहुत बड़ी बातें हैं, जो हमेशा मेरे साथ रहेंगी। आपको फ्यूचर के लिए बहुत सारी बेस्ट विशेज।'

रश्मिका और धनुष की फिल्म का हाल

फिल्म 'कुबेर' में रश्मिका और धनुष के अभिनय की इन दिनों तारीफ हो रही है। बॉक्स ऑफिस पर सोमवार को यह फिल्म 6.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है। इसकी कुल कमाई भी 55.10 करोड़ रुपये हुई। इस तरह यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक-ठाक कमाई कर रही है।

इन फिल्मों में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो आगे वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म में भी नजर आएंगी। 'थामा' में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में रश्मिका, विजय देवरकोंडा के अपोजिट दिखेंगी।

'कुंवारी पत्नी' वाले बयान पर प्रियंका चोपड़ा ने दी प्रतिक्रिया, कहा- ऑनलाइन सावधान रहें

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा ने मर्दों को यह नसीहत दी है कि वह पत्नी को ढूंढते समय कुंवारेपन पर ध्यान न दें। हालांकि प्रियंका चोपड़ा ने इस बात से इंकार किया है।

उनके मुताबिक उन्होंने ऐसी बात नहीं कही है। उन्होंने इस पोस्ट को फर्जी बताया है। उन्होंने कहा है कि कोई भी कंटेट सिर्फ इसलिए असली नहीं हो जाता कि वह ऑनलाइन वायरल है।

प्रियंका ने दी दी सलाह

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सफाई पेश करते हुए एक पोस्टर शेयर किया है। पोस्ट में उन्होंने उस लिंक को पोस्ट किया है जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने कुंवारेपन को लेकर बात कही है। पोस्ट में

लिखा है कि प्रियंका ने कहा है 'कुंवारी दुल्हन न ढूंढें। अच्छी आदत वाली दुल्हन ढूंढें। क्योंकि कुंवारापन एक रात में खत्म हो जाता है और अच्छी आदत हमेशा रहती है।'

इंस्टा स्टोरी पर प्रियंका ने दी सफाई

प्रियंका चोपड़ा ने इस पोस्ट को फर्जी बताया और इंस्टा स्टोरी के जरिए अपनी बात रखी है। प्रियंका चोपड़ा ने कहा 'यह मेरी कही हुई बात नहीं है न ही मेरी आवाज है। क्योंकि यह ऑनलाइन है, इसका मतलब यह नहीं है कि यह सच है। नकली सामग्री बनाना अब वायरल होने का एक आसान तरीका बन गया है।'

प्रियंका ने लोगों को दी नसीहत

प्रियंका चोपड़ा ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर चीजों को देखते वक्त बहुत सावधान रहें। इंटरनेट पर मौजूद हर चीज पर भरोसा न करें। हर लिंक भरोसेमंद नहीं होती। यकीन करने से पहले इसे चेक करें। इस तरह के कंटेट पर भरोसा न करें। हर चीज पर भरोसा न करें और ऑनलाइन सेफ रहें।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आएंगी। यह फिल्म अमेजन प्राइम पर 2 जूलाई को रिलीज होगी। फिल्म में अमेरिका के राष्ट्रपति और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बारे में दिखाया जाएगा।

दिलजीत दोसांझ विवाद के बीच राखी सावंत ने की हानिया आमिर की तारीफ, यूजर्स हुए नाराज

जहां देश भर में पाकिस्तानी कलाकारों का विरोध किया जा रहा है। वहीं अचानक राखी सावंत के मन में पाकिस्तानी कलाकारों के लिए प्रेम जागा है। पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर चल रहे विवाद के बीच राखी ने बड़ी बेशर्मी के साथ हानिया आमिर का सपोर्ट किया है। राखी सावंत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए हानिया आमिर को 'स्वीटहार्ट' बताया है।

राखी सावंत ने पोस्ट में की तारीफ

राखी सावंत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'सरदार जी 3' का वीडियो है। वीडियो शेयर करते हुए राखी सावंत ने लिखा 'मुबारक हो मेरी स्वीटहार्ट हानिया आमिर। मैं बहुत खुश हूं। आखिरकार आप बॉलीवुड फिल्म में हो। मुबारक हो दिलजीत सरदार जी 3।'

एक दूसरी पोस्ट में राखी सावंत ने लोगों से अपील की है कि वह दिलजीत दोसांझ की फिल्म देखें। उन्होंने पोस्ट में लिखा 'हर किसी को ये फिल्म देखनी चाहिए। सरदार जी 3 से हानिया आमिर डेब्यू कर रही हैं। हर किसी को उनकी तारीफ करनी चाहिए। वह मेरी पसंदीदा हैं। मुबारक हो खुदा आपकी हिफाजत करे।'

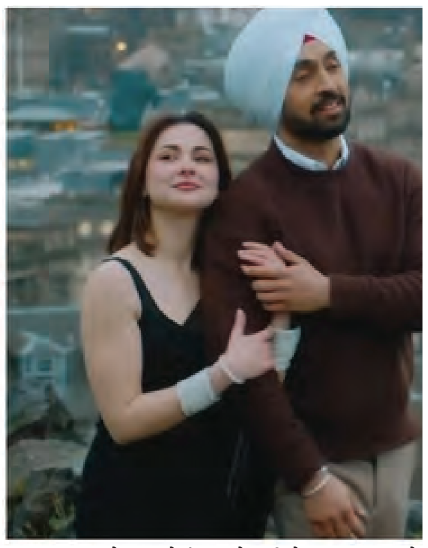

राखी सावंत की पोस्ट से यूजर्स नाराज

एक तरफ जहां पूरी बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री इस वक्त दिलजीत दोसांझ के खिलाफ है, वहीं राखी सावंत उनका सपोर्ट कर रही हैं और हानिया आमिर की तारीफ कर रही हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने राखी सावंत से नाराजगी जताई है। एक यूजर ने लिखा है 'वायरल होना कोई इनसे सीखे।' एक दूसरे यूजर ने राखी सावंत की पोस्ट पर लिखा है 'राखी सावंत मशहूर होना चाहती हैं। इसलिए कोई भी प्रतिक्रिया मत देना।' एक और यूजर ने लिखा है 'चलो बेटा तुम भी बॉयकॉट होने वाली हो।' एक यूजर ने लिखा है 'सबसे पहले राखी को पाकिस्तान भेजो।'

क्या है पूरा मामला?

ख्याल रहे कि गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ को अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर को कास्ट करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। उन पर राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करने का आरोप है। बताया जाता है कि इस साल की शुरुआत में पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, इसके बावजूद दिलजीत ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस को अपनी फिल्म में लिया।

दिलजीत दोसांझ ने दी प्रतिक्रिया

दिलजीत दोसांझ ने इस विवादित मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी यह फिल्म तब पूरी हो चुकी थी, जब भारत और पाकिस्तान के बीच कोई विवाद नहीं था। उन्होंने कहा 'जब यह फिल्म बनी थी तब हालत ठीक थी।'

आपको बता दें कि पहलगाम में इसी साल 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की। तब से दोनों की बीच रिश्ते खराब हैं।

'सरदार जी 3' विवादों के बीच गुरु रंधावा का क्रिप्टिक पोस्ट, बोले- ये सब सोची समझी चाल है!

दिलजीत दोसांझ इस समय अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर लोगों के निशाने पर हैं। उन्हें नेटिजंस की तरफ से खूब खरी-खोटी सुननी पड़ रही हैं, क्योंकि उन्होंने पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ इस फिल्म में काम किया है। इसी कड़ी में मशहूर गायक-संगीतकार गुरु रंधावा ने भी एक टिप्पणी करते हुए कहा कि यह एक पीआर द्वारा रची गई साजिश हो सकती है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

ये सब पीआर टीम की साजिश है?

इस वक्त सरदार जी 3 के लिए अभिनेता दिलजीत दोसांझ को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अब इस मामले पर चर्चित गायक गुरु रंधावा ने बिना नाम लिए टिप्पणी की है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'भले ही अब आपकी नागरिकता भारतीय नहीं है लेकिन आप यहीं पैदा हुए हैं, प्लीज इसे याद रखें। इस देश ने महान कलाकारों को जन्म दिया है और हम सभी को इस पर गर्व है। कृपया उस जगह पर गर्व करें जहां आप पैदा हुए हैं। बस एक सलाह है। अब फिर से विवाद शुरू न करें और भारतीयों को बरगलाना शुरू न करें पीआर कलाकारों से बड़ा है।' इस पोस्ट से अंदाजा लगाया जा रहा है कि गायक ने दिलजीत दोसांझ विवाद मामले पर कहा कि ये सब एक एक सोची समझी साजिश है।

विरोधों का करना पड़ रहा सामना

'सरदार जी 3' फिल्म का ट्रेलर आते ही सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ विवादों में घिर गए थे। इसमें उन्होंने पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ काम किया है। इसी वजह से नेटिजंस उन्हें निशाने पर ले रहे हैं और ट्रोल कर रहे हैं। कुछ तो उन्हें बहिष्कार की मांग कर रहे हैं।

कब रिलीज हो रही फिल्म?

विरोध को देखते हुए फिल्म निर्माताओं ने 'सरदार जी 3' को केवल विदेशों में ही रिलीज करने का फैसला किया था। अब इसे भारत में नहीं रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म विदेशों में 27 जून को रिलीज होगी।

एक्शन मूड में दिखीं कियारा

इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर जैसे सुपरस्टार नजर आएंगे। इसके साथ ही फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी का भी एक्शन अवतार दिखेगा, जिसकी उन्होंने एक झलक दिखाई है। आइए देखते हैं फिल्म का नया पोस्टर।

एक्शन मोड में दिखीं कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी ने अपने इंस्टाग्राम पर दिन कुछ पोस्ट शेयर किए हैं। एक पोस्ट में अभिनेत्री को एक्शन मोड में देखा जा सकता है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं और हाथ में बंदूक लेकर किसी की ओर निशाना लगाने का प्रयास करती दिख रही हैं।

इसके साथ ही उन्होंने पोस्टर के जरिए बताया कि यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषा में रिलीज की जाएगी। वहीं एक्ट्रेस ने कहा कि 50 दिनों बाद 'वॉर 2' सिनेमाघरों में होगी।

ऋतिक रोशन-जूनियर एनटीआर की भी दिखा शानदार लुक

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर खुद के अलावा ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के पोस्टर भी साझा किए हैं, जो फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। दोनों कलाकार ही पोस्टर में जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। दोनों एक्टर्स की जोड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हो रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'वॉर 2' 14 अगस्त, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2019 की एक्शन थ्रिलर 'वॉर' का सीक्वल है, जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर अहम किरदार में थे। 'वॉर' यशराज फिल्म के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा थी, अब 'वॉर 2' भी उसी का हिस्सा है। 'वॉर 2' का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं, जिसमें जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन और कियारा आडवाणी का शानदार अंदाज दिखने वाला है।

पूर्व पति संजय कपूर के निधन के बाद करिश्मा ने किया पहला पोस्ट

बॉलीवुड की चहेती अदाकारा करिश्मा कपूर हाल ही में एक मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। एक्ट्रेस के पूर्व पति संजय कपूर का निधन उनके लिए किसी गहरे सदमे से कम नहीं रहा। इसी बीच अभिनेत्री ने अपना 51वां जन्मदिन मनाया, जिस मौके पर उन्हें उनके परिवार और फैंस की तरफ से ढेर सारी बधाइयां मिलीं। अब पूर्व पति के निधन के बाद पहली बार एक्ट्रेस ने अपने सोश मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नोट शेयर किया है। उन्होंने सभी फैंस और चाहने वालों का शुक्रिया अदा किया है।

करिश्मा कपूर का 51वां जन्मदिन

करिश्मा ने अपने 51वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जो संजय कपूर के असामयिक निधन के बाद उनका पहला बयान माना जा रहा है। बीते कुछ हफ्ते करिश्मा के लिए बेहद भावनात्मक रहे, क्योंकि उनके पूर्व पति सुंजय कपूर का 12 जून को निधन हो गया था। इसके बाद करिश्मा ने उनके अंतिम संस्कार में दिल्ली में शामिल होकर अपने बच्चों समायरा और कियान के साथ परिवार का साथ निभाया।

करिश्मा ने शेयर किया नोट

करिश्मा कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने फैन्स और शुभचिंतकों को जन्मदिन की शुभकामनाओं और समर्थन के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने लिखा, 'आप सभी की शुभकामनाओं और समर्थन के लिए धन्यवाद।' इस छोटे से संदेश में उनका गहरा भाव छिपा था, जो उनके अंदर की भावनात्मक स्थिति को बयां कर रहा था।

करीना कपूर ने बहन को किया था विश

बुधवार को उनकी बहन करीना कपूर खान ने भी करिश्मा के जन्मदिन पर एक प्यारा सा नोट साझा किया। करीना ने लिखा, 'ये मेरी सबसे पसंदीदा तस्वीर है तुम दोनों की... ब्रह्मांड की सबसे मजबूत और सबसे बेहतरीन लड़की को जन्मदिन मुबारक। ये साल हमारे लिए आसान नहीं रहा, लेकिन जैसे कहा जाता है, मुश्किल समय टिकते नहीं, मजबूत लोग टिकते हैं। मेरी बहन, मेरी मां, मेरी सबसे अच्छी दोस्त... हैप्पी बर्थडे मेरी लो लो।'

इंग्लैंड में पोलो मैच के दौरान निधन

संजय कपूर की बात करें तो उनका निधन इंग्लैंड में एक पोलो मैच के दौरान हुआ। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक मधुमक्खी निगलने के बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उनकी कंपनी सोना कॉमस्टार ने एक आधिकारिक बयान में दिल का दौरा पड़ने को मौत का कारण बताया, लेकिन और कोई डीटेल शेयर नहीं की गई।

करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी

करिश्मा कपूर और संजय कपूर की शादी 2003 में हुई थी। दोनों के दो बच्चे हैं – समायरा और कियान। 2014 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दी थी, जो 2016 में मंजूर हुआ। करिश्मा कपूर भले ही फिल्मों से कुछ दूरी बनाए हुए हैं, लेकिन उनका स्क्रीन प्रेजेंस आज भी फैन्स को आकर्षित करता है। निजी जीवन में आए इस दुखद मोड़ के बावजूद, जिस तरह से करिश्मा ने खुद को संभाला और परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहीं, वो उनकी दृढ़ता का प्रमाण है।

शादी के 3 साल बाद पति से तलाक ले रहीं ऐश्वर्या शर्मा? अभिनेत्री ने तोडी चुप्पी

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर जोड़ी ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट अक्सर अपने अभिनय के साथ-साथ अपने रिश्ते को लेकर भी

सुर्खियों में रहते हैं। 'गुम है किसी के प्यार में' जैसे लोकप्रिय शो और 'बिग बॉस' में अपनी मौजूदगी से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले इस कपल को इंडस्ट्री के 'गोल्डन कपल्स' में गिना जाता है। लेकिन बीते कुछ दिनों से इन दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की अफवाहें सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गॉसिप में सामने आ रही थीं। अब ऐश्वर्या शर्मा ने पति से अलग होने की खबरों पर एक बार फिर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

ऐश्वर्या शर्मा ने शेयर किया पोस्ट

ऐश्वर्या ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उनकी चुप्पी को लोग उनकी कमजोरी समझ बैठे हैं, जबकि वो अपनी मानसिक शांति की रक्षा के लिए शांत थीं। उन्होंने ये भी साफ किया कि उन्होंने किसी मीडिया हाउस को कोई इंटरव्यू, बयान या क्लिप नहीं दी है और उनके नाम से जो भी मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं, वे पूरी तरह से झूठ हैं। उन्होंने लिखा, 'अगर किसी के पास कोई असली सबूत है – मैसेज, ऑडियो या वीडियो – तो सामने लाएं। नहीं है, तो मेरे नाम से झूठ फैलाना बंद करें।'

तलाक की अफवाहों पर लगाया विराम

इस पूरे बयान में ऐश्वर्या ने सबसे जरूरी बात ये कही कि 'मेरी जिंदगी तुम्हारा कंटेंट नहीं है और मेरी चुप्पी तुम्हारी मंजूरी नहीं है।' ये लाइन उनके पूरे पोस्ट की भावनात्मक गहराई को दर्शाती है। एक्ट्रेस ने ये साफ किया कि उनका सम्मान और गरिमा उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है और वो शोर की बजाय शांति को चुनना पसंद करती हैं।

ऐश्वर्या के पोस्ट पर लोगों का रिएक्शन

फैंस और दर्शकों के बीच ऐश्वर्या के इस बयान ने जबरदस्त प्रतिक्रिया पाई। कई लोगों ने उनकी ईमानदारी और गरिमामय जवाब देने की सराहना की। कुछ यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा, 'ऐश्वर्या का जवाब उन सभी ट्रोल्स के मुंह पर तमाचा है जो बिना तथ्यों के अफवाहें फैलाते हैं।' वहीं, कई लोगों ने उल्टा ऐश्वर्या को ही खरी-खोटी सुनाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा- 'आपको बिग बॉस के बाद से कोई काम नहीं मिल रहा है।'

एक्स गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन के जन्मदिन को बनाया खास, यूं किया बर्थडे विश

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर आज अपना 40वां जन्मदिन मना रहे हैं और सोशल मीडिया पर उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही है। करीना कपूर ने भी अर्जुन को विश किया है लेकिन जो विश सबसे ज्यादा सुर्खियों बटोर रही है, वो है उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा की। काफी समय पहले दोनों के ब्रेकअप की खबरों ने सबको चौंका दिया था, लेकिन मलाइका के इस पोस्ट से साफ है कि दोनों के बीच की दोस्ती अभी भी कायम है।

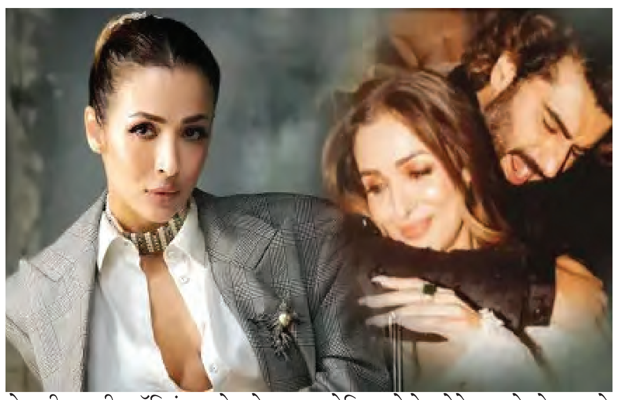

मलाइका अरोड़ा ने किया विश

मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन के जन्मदिन पर इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अर्जुन की एक मजेदार क्लिप शेयर की, जिसमें एक्टर मस्ती के मूड में नज़र आ रहे हैं। साथ में उन्होंने लिखा, 'हैप्पी बर्थडे अर्जुन।' बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर फैंस ने दोनों के बीच की बॉन्डिंग को लेकर कयास लगाने शुरू कर दिए।

दोनों के रिश्ते को लेकर आए फैंस के कमेंट्स

बता दें जब कुछ महीने पहले मलाइका के पिता का निधन हुआ था, तब अर्जुन हर पल उनके साथ खड़े नजर आए थे। यही वजह है कि फैंस अब इस रिश्ते में फिर से जुड़ाव देखने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। भले ही दोनों ने एक-दूसरे से दूरी बना ली हो, लेकिन ऐसे छोटे इशारे ये जताते हैं कि उनकी दोस्ती अभी भी मजबूत है।

मलाइका की विश ने खींचा ध्यान

मलाइका की ये बर्थडे विश सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के लोगों का भी ध्यान खींच रही है। कुछ लोग इसे परिपक्व रिश्ते की मिसाल बता रहे हैं, जहां दो लोग ब्रेकअप के बाद भी एक-दूसरे के लिए सम्मान और स्नेह बनाए रखते हैं।

करीना कपूर ने भी किया विश

अर्जुन कपूर को इस मौके पर करीना कपूर ने भी एक प्यारी सी विश भेजी। उन्होंने अर्जुन के साथ फिल्म की एंड का की एक फोटो पोस्ट की और लिखा, 'जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं अर्जुन।' करीना और अर्जुन की दोस्ती भी फिल्मी पर्दे के बाहर तक फैली हुई है और दोनों को कई बार साथ में मस्ती करते देखा गया है।

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा का रिश्ता हमेशा से सुर्खियों में रहा है। जब उन्होंने पहली बार अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, तो कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं। लेकिन उन्होंने हमेशा ट्रोल्स को नजरअंदाज करते हुए एक-दूसरे का साथ निभाया और अब, जब दोनों अलग हो चुके हैं, तो ये छोटी-सी विश ये बताती है कि रिश्ते खत्म होने का मतलब दूरी होना नहीं होता।

जब रेखा ने कंगना को कहा था अपनी 'बेटी' 'क्वीन' एक्ट्रेस ने लिखी थी दिल की बात

मशहूर एक्ट्रेस रेखा और कंगना रनौत बॉलीवुड की बेबाक अभिनेत्रियों में से हैं। दोंनों कई मुद्दों पर अपनी राय रखती हैं। दोनों का रिश्ता काफी खास है। एक बार रेखा ने कंगना को अपनी बेटी बताया था, इस पर कंगना ने दिल जीतने वाली बात कही थी।

रेखा ने कंगना की तारीफ की

साल 2019 में मराठी ताराका कार्यक्रम में रेखा ने सबके सामने कंगना रनौत की तारीफ की थी। उन्होंने कहा 'अगर मेरी बेटी होती, तो वह बिलकुल कंगना की तरह होती।' इसी कार्यक्रम में कंगना रनौत ने रेखा की दी हुई साड़ी पहनी थी। रेखा के इन शब्दों ने बता दिया कि वह कंगना को कितना मानती हैं।

कंगना ने रेखा की तारीफ की

इसके बाद साल 2022 में कंगना रनौत ने रेखा के उन शब्दों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की और बताया कि रेखा ने कैसे उनकी तारीफ की थी। कंगना ने रेखा के शब्दों को शेयर करते हुए लिखा 'अब तक की सबसे अच्छी तारीफ'।

कंगना ने रेखा को बताया गॉडमदर

कंगना रनौत भी कई मौकों पर रेखा के बारे में अच्छी बातें बोल चुकी हैं। अक्टूबर 2021 में रेखा का जन्मदिन था।

इस मौके पर कंगना ने रेखा के साथ अपनी तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा था 'मेरी गॉडमदर रेखा, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत मुबारकबाद। आप शालीनता और सौंदर्य का प्रतीक हो।'

मां-बाप से झूठ बोलकर पहुंचीं मुंबई, फिर बदला अपना नाम, ऐसे मिली 'पंचायत' की रिंकी को पहचान

फैंस का इंतजार खत्म हो चुका है और उनका पसंदीदा शो पंचायत का चौथा सीजन रिलीज हो चुका है। सीरीज में इस बार फुलेरा गांव में चुनाव का माहौल है। शो में एक बार फिर पुरानी कास्ट ही नजर आई है। इस बार कहानी में सचिव और रिंकी की लव स्टोरी आगे बढ़ती नजर आई है। शो के रिलीज होते ही एक बार फिर पंचायत की रिंकी यानी सान्विका चर्चाओं में आ गई हैं। जानते हैं सान्विका के बारे में।

रिंकी का असली नाम नहीं था सान्विका

मध्यप्रदेश के जबलपुर में जन्मीं सान्विका को लोग उनके असली नाम से कम और पंचायत की रिंकी के नाम से ज्यादा जानते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि सान्विका का नाम पहले सान्विका नहीं था। ये नाम उनके माता-पिता ने नहीं बल्कि खुद उन्होंने रखा है। दरअसल, सान्विका का असली नाम पूजा सिंह था। लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर पूजा सिंह से सान्विका रख लिया। पंचायत के सीजन वन तक उन्होंने अपना ओरिजनल नाम पूजा सिंह ही रखा था।

इसलिए पूजा से बनीं सान्विका

एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुद बताया कि आखिर क्यों उन्होंने अपना नाम बदला। इसके पीछे उनका कहना है कि नाम को लेक काफी कन्फ्यूजन हो रही थी, इसलिए ऐसा करना पड़ा। दरअसल, पंचायत के पहले सीजन में रिंकी की सिर्फ एक झलक दिखी थी। लेकिन इसके बाद ही लोग उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक थे। लेकिन पूजा सिंह के नाम से सर्च करने पर किसी और अभिनेत्री की प्रोफाइल आती थी। यहां तक कि पंचायत के पहले सीजन की विकिपीडिया में भी किसी और अभिनेत्री की ही प्रोफाइल आती है। इसलिए इस कन्फ्यूजन को दूर करने के लिए उन्होंने अपना नाम पूजा से बदलकर सान्विका कर लिया।

करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं सान्विका, नहीं करना चाहती थीं 9-5 की जॉब

पंचायत से लोगों के बीच में मशहूर हुईं सान्विका एक्टिंग की दुनिया में अपने माता-पिता से झूठ बोलकर आई हैं। उनके माता-पिता चाहते थे कि वो नौकरी करें, लेकिन सान्विका 9-5 की प्रॉपर जॉब नहीं करना चाहती थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर घर से निकली थीं। सान्विका का कहना है कि वो अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज थीं, बस वो जॉब नहीं करना चाहती थीं। फिर मुंबई में रह रही उनकी एक दोस्त ने उन्हें मुंबई आने को कहा। लेकिन ये इतना आसान नहीं था।

माता-पिता से झूठ बोलकर पहुंचीं मुंबई

सान्विका अपने पेरेंट्स से झूठ बोलकर मुंबई पहुंची थीं। इसका खुलासा खुद एक बार सान्विका ने करते हुए बताया कि मैंने घर पर मम्मी-पापा से कहा कि मुझे बेंगलुरु जाकर जॉब करना है। तो मुझे परमिशन मिली और फिर मैं बेंगलोर की जगह मुंबई अपनी दोस्त के पास पहुंच गई। इसके बाद कई महीनों तक सान्विका झूठ बोलकर ही मुंबई में रहीं और काम की तलाश करती रहीं।

कुछ और प्रोजेक्ट्स में भी आईं नजर, पंचायत से मिली पहचान

करियर की बात करें तो सान्विका 'हजामत', 'कैदी बंद' और 'प्लान ए प्लान बी' जैसे कुछ एक प्रोजेक्ट्स में भी नजर आई हैं। हालांकि, उन्हें पहचान पंचायत से ही मिली है।

पहले सीजन में वो सिर्फ एक सीन को नजर आई थीं, लास्ट में जहां वो टंकी पर बैठकर सचिव जी के साथ चाय पीती हैं। इसके बाद दूसरे और तीसरे सीजन में रिंकी के किरदार को एक्सपोजर मिला और अब चौथे सीजन में रिंकी और सचिव जी की लव स्टोरी पूरी तरह से आगे बढ़ी है।

सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हैं रिंकी

पंचायत में काफी सिंपल नजर आईं रिंकी असल जिंदगी में उतनी सिंपल नहीं हैं। हालांकि, सान्विका सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहती हैं।

इंस्टाग्राम पर उनके 48 हजार से ज्यादा फॉलोअर हैं। हालांकि, सान्विका के इंस्टाग्राम पर सिर्फ 9 पोस्ट ही हैं। जिनमें कुछ पंचायत के प्रमोशन से जुड़े हुए हैं, जबकि कुछ उनकी अलग-अलग फोटोज हैं। सान्विका की कुछ एक बोल्ड फोटोज भी सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

जल्द ही दुनियादारी में नजर आएंगे गोविंदा

पांच साल तक बड़ी स्क्रीन से दूर रहने के बाद आखिरकार गोविंदा अपनी नई फिल्म से पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। गोविंदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक वीडियो शेयर की है और इसमें अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में जानकारी दी है।

गोविंदा की पोस्ट में क्या है?

गोविंदा ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में वह जींस और शर्ट पहन कर डांस कर रहे हैं। वह हवा में एक लाल कैप उछाल कर अपने सिर पर लगाते हैं और डांस करते हैं। इसके साथ ही वह चेहरे से जबरदस्त एक्सप्रेशन दे रहे हैं। गोविंदा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है 'अपनी अपकमिंग फिल्म 'दुनियादारी' के लिए अभ्यास कर रहा हूं।'

फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है

गोविंदा की अपकमिंग फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी नहीं बताया है कि फिल्म में उनके अलावा कौन से एक्टर या एक्ट्रेस होंगी। इस फिल्म की कहानी क्या है। हालांकि ये देखना दिलचस्प होगा कि गोविंदा हमारे लिए अपनी फिल्म में क्या नया ला रहे हैं? गोविंदा की वीडियो पर कई यूजर्स ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है 'चलो तैयार हो जाओ।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'बॉस आज भी वही लचक है आपकी।'

गोविंदा को काम न मिलने पर पत्नी परेशान

हाल ही में एक इंटरव्यू में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने कहा था कि गोविंदा को काम नहीं मिल रहा है। उनके उम्र के कलाकारों को काम मिल रहा है। उनके बच्चे उन्हें स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि गोविंदा ओटीटी पर काम नहीं करना चाहते हैं वह सिर्फ बड़े पर्दे पर काम करना चाहते हैं।

गोविंदा को अवतार में मिल रहा था काम

इससे पहले गोविंदा ने दावा किया था कि हॉलीवुड के निर्देशक जेम्स कैमरून ने उनसे फिल्म 'अवतार' के लिए उनसे संपर्क किया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि निर्देशक ने उन्हें भारी भरकम फीस ऑफर की थी। हालांकि उन्होंने निर्देशक के ऑफर को ठुकरा दिया था। हालांकि इस बारे में गोविंदा की पत्नी सुनीता ने उर्फी जावेद के यूट्यूब चैनल पर कहा कि उन्हें इस बारे में नहीं पता। आपको बता दें कि गोविंदा आखिरी बार साल 2019 में फिल्म 'रंगीला राजा' में नजर आए थे। फिल्म में उनके साथ शक्ति कपूर, दीगंगना सूर्यवंशी और प्रेम चोपड़ा थे।

संजीदा शेख से लेकर निया शर्मा तक ये एक्ट्रेसेस ओटीटी में पहुंचकर हुईं बोल्ड

टीवी के कई एक्ट्रेसेस हैं जो टीवी में अपने बेहतरीन किरदार के लिए जानी जाती हैं। टीवी पर ये एक्ट्रेस कभी बहू, तो कभी बेटी बन कर आईं। यही एक्ट्रेसेस जब ओटीटी पर आईं तो काफी बोल्ड हो गईं। आज हम उन एक्ट्रेस के बारे में जानेंगे जो ओटीटी पर पहुंच कर काफी बोल्ड हो गईं।

संजीदा शेख

संजीदा शेख ने टीवी से लेकर फिल्मों तक का सफर तय किया है। उन्होंने टीवी सीरियल 'क्या होगा निम्मो का' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने कई वेब सीरीज में बोल्ड सीन दिए हैं।

निया शर्मा

निया शर्मा ने टीवी सीरियल 'काली- एक अग्निपरीक्षा' से एक्टिंग करियर में कदम रखा। इसके बाद इन्होंने ओटीटी का रुख किया। निया शर्मा ने ओटीटी पर 'जमाई राजा 2.0' में रवि दुबे के साथ बोल्ड सीन दिए हैं।

हिना खान

हिना खान ने साल 2009 में टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से एक्टिंग में कदम रखा था। इस सीरियल से उन्होंने काफी पहचान बनाई। उन्होंने ओटीटी पर आने के बाद 'डैमेज्ड 2' में बोल्ड सीने दिए।

शमा सिकंदर

शमा सिकंदर ने साल 2003 में 'ये मेरी लाइफ है' टीवी सीरियल से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने हिंदी के साथ अंग्रेजी वेब सीरीज में काम किया। उन्होंने 'माया' सीरीज में बोल्ड सीन दिए।

त्रिधा चौधरी

त्रिधा चौधरी का सबसे पहला टीवी सीरियल 'दहलीज' है, जो साल 2016 में शुरू हुआ था। इसके बाद उन्होंने ओटीटी का रुख किया। उन्होंने 'आश्रम' के अलावा कई दूसरी सीरीज में बोल्ड सीन दिए।

रिद्धी डोगरा

रिद्धि डोगरा ने साल 2007 में टीवी सीरियल 'झूमे जिया रे' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की थी। इसमें उन्होंने हिमानी का किरदार निभाया था। इन्होंने ओटीटी पर 'द मैरिड वुमेन' में बोल्ड सीन दिए।

दिव्यांका त्रिपाठी

दिव्यांका त्रिपाठी ने साल 2006 में शुरू हुए टीवी सीरियल 'बनूं मैं तेरी दुल्हन' से एक्टिंग करियर की शुरूआत की थी। इसमें उन्होंने विद्या प्रताप सिंह का किरदार निभाया था। ओटीटी पर उन्होंने 'लस्सी और चिकन मसाला' में किस सीन दिए।

अडानी, वेदांता, डालमिया, जिंदल: 57,185 करोड़ कर्ज वाली जेएएल के पीछे पड़े बड़े-बड़े दिग्गज

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारी कर्ज में डूबी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) को खरीदने में कई दिग्गज कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि उसे दिवाला प्रक्रिया के माध्यम से कंपनी के अधिग्रहण के लिए बयाना राशि के साथ पांच बोलियां मिली हैं। हालांकि जेएएल ने उन कंपनियों के नाम नहीं बताए जिन्होंने समाधान योजना पेश की है। लेकिन सूत्रों के अनुसार ये पांच कंपनियां अडानी ग्रुप की कंपनी फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, माइन सेक्टर के दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता, डालमिया भारत सीमेंट, जिंदल पावर और पीएनसी इन्फ्राटेक हैं। सूत्रों ने बताया कि जेपी इन्फ्राटेक की समाधान योजना को कुछ मानदंडों को पूरा न करने के कारण खारिज कर दिया गया है। जेपी इन्फ्राटेक का पहले सुरक्षा ग्रुप ने अधिग्रहण किया था।

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के ऋणदाताओं ने इच्छुक पक्षों द्वारा पेश बोलियों को खोलने के लिए बुधवार को बैठक की। अंतिम तिथि 24 जून थी। अप्रैल में, 25 कंपनियों ने जेएएल का अधिग्रहण करने में रुचि दिखाई थी।

कहां-कहां फैला है कारोबार

जेएएल का बिजनस रियल एस्टेट, सीमेंट मैन्युफैक्चरिंग, होटल और इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन तक फैला है। इसके 3 जून, 2024 के राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ के आदेश के माध्यम से कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में स्वीकृत किया गया था। जेपी ग्रुप के ऋण भुगतान में चूक के बाद जेएएल को दिवाला कार्यवाही में ले जाया गया। लेनदार 57,185 करोड़ रुपये का भारी भरकम दावा कर रहे हैं। एसबीआई की अगुवाई वाले बैंकों के एक कंसोर्टियम से संकटग्रस्त जेएएल ऋण खरीदने के बाद नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) दावेदारों की सूची में सबसे आगे है। जेएएल के पास प्रमुख रियल एस्टेट परियोजनाएं हैं। इनमें ग्रेटर नोएडा में जेपी ग्रीन्स, नोएडा में जेपी ग्रीन्स विशटाउन का एक हिस्सा और जेपी इंटरनेशनल स्पोर्ट्स सिटी शामिल हैं।

होटल-सीमेंट बिजनेस

इसके अलावा कंपनी के दिल्ली-एनसीआर में इसके तीन वाणिज्यिक/औद्योगिक कार्यालय भी हैं। साथ ही कंपनी के दिल्ली-एनसीआर, मसूरी और आगरा में पांच होटल भी हैं। जेएएल के पास मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में चार सीमेंट कारखाने हैं।

दोपहिया गाड़ियों को नहीं देना होगा नेशनल हाइवेज पर टोल : नितिन गडकरी की सफाई

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। कुछ मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि नेशनल हाइवे का इस्तेमाल करने वाले दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। यह नियम 15 जुलाई से लागू होगा। लेकिन सरकार ने इसका खंडन किया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इसका खंडन किया है। उनका कहना है कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। दो-पहिया वाहन के टोल पर पूरी तरह से छूट जारी रहेगी। दोपहिया वाहनों के मालिक से उसी समय रोड टैक्स वसूल लिया जाता है। यही कारण है कि दोपहिया वाहनों से नेशनल हाइवेज पर टोल प्लाजा नहीं वसूला जाता है।

गडकरी ने एक्स पर कहा, 'कुछ मीडिया हाउसेज द्वारा दो-पहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाए जाने की भ्रामक खबरें फैलाई जा रही है। दो-पहिया वाहन के टोल पर पूरी तरह से छूट जारी रहेगी। बिना सच्चाई जाने भ्रामक खबरें फैलाकर सनसनी निर्माण करना स्वस्थ पत्रकारिता के लक्षण

नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं।' कुछ मीडिया हाऊसेस द्वारा दो-पहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाए जाने की भ्रामक खबरें फैलाई जा रही है। ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं हैं। दो-पहिया वाहन के टोल पर पूरी तरह से छूट जारी रहेगी। इस बीच गडकरी ने एक इंटरव्यू में कहा कि देश में ई-रिक्शा के चलन को बढ़ावा देना उनके 11 साल के कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि देश में 2014 में ई-रिक्शा की शुरुआत की गई थी और तबसे करीब 1.5 करोड़ लोगों को मैन्युअल लेबर से मुक्ति मिली है। खासकर झारखंड और पश्चिम बंगाल में हाथ से रिक्शा खींचने का चलन था लेकिन ई-रिक्शा के आने से बड़ी राहत मिली है।

भारतीय बाजार रहा गुलजार; सेंसेक्स ने लगाई 1000 अंकों की छलांग, निफ्टी 25500 के पार

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भू-राजनीतिक तनाव कम होने से बढ़ते आशावाद के बीच भारतीय बाजारों में मजबूती दिखी। गुरुवार को बाजार में भारी वजन रखने वाले एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 40 पैसे बढ़कर 85.68 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,000.36 अंक या 1.21 प्रतिशत चढ़कर 83,755.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,056.58 अंक या 1.27 प्रतिशत बढ़कर 83,812.09 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 304.25 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 25,549.0 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। इसके विपरीत, ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा पिछड़ गए। एसबीआई सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव्स प्रमुख सुदीप शाह ने कहा कि निफ्टी ने न केवल 25,500 के स्तर को पार किया, बल्कि इसके ऊपर भी टिका रहा, और अक्टूबर 2024 के बाद से अपना उच्चतम दैनिक समापन दर्ज किया। यह कदम बाजार की गति में संभावित बदलाव और तेजी की भावना बढ़ने का संकेत देता है।एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुआ।

मध्य सत्र में यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार मिलेजुले रुख पर बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 67.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,427.74 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,372.96 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 700.40 अंक या 0.85 प्रतिशत उछलकर 82,755.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 200.40 अंक या 0.80 प्रतिशत चढ़कर 25,244.75 पर बंद हुआ।

ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा एयरटेल का शेयर

बाजार से चार गुना ज्यादा रिटर्न, आगे क्या रहेगा हाल?

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। देश की दूसरी बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयर की कीमत आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। बीएसई पर कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 2 फीसदी तेजी के साथ 2,009.80 पर पहुंच गया। इस कैलेंडर ईयर में इसने शेयर बाजार से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। इस दौरान यह 27% उछल चुका है जबकि बीएसई सेंसेक्स में सिर्फ 6% की बढ़त हुई है। भारती एयरटेल के पार्टली-पेड शेयर भी 1,532.90 पर पहुंच गए। इस कैलेंडर ईयर में इसमें 30% तेजी आई है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप भी पहली बार 12 ट्रिलियन के पार पहुंच गया। भारती एयरटेल 12 ट्रिलियन का मार्केट कैप हासिल करने वाली देश की चौथी कंपनी है। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज 19.96 ट्रिलियन के मार्केट कैप के साथ पहले नंबर पर है। प्राइवेट सेक्टर का सबसे बड़ा बैंक एचडीएफसी बैंक 15.26 ट्रिलियन के साथ दूसरे और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 12.46 ट्रिलियन के साथ तीसरे नंबर पर है। जानकारों का कहना है कि टेलीकॉम कंपनियों का प्रति यूजर औसत राजस्व अगले 3-5 साल में लगभग 12% की दर से बढ़ेगा। टेलीकॉम कंपनियों के टैरिफ में अगले कैलेंडर ईयर में करीब 15% बढ़ोतरी की संभावना है। माना जा रहा है कि पिछले साल के अंत तक भारत में 5जी ग्राहकों की संख्या 29 करोड़ तक पहुंच गई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 05-47
सूर्यास्त 18-49

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	04-56 बजे
चंद्र-	कर्क में	कर्क...	07-09 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	09-20 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	11-27 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	13-34 बजे
शुक्र-	मेष में	वृश्चिक...	15-42 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	17-56 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-06 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	21-53 बजे
		मीन...	23-31 बजे
		मेष...	01-07 बजे
		वृष...	03-36 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 11-19 तक उपरान्त तृतीया
मास - आषाढ़ शुक्ल , शुक्रवार 27 June
नक्षत्र - पुनर्वसु 07-21 तक उपरान्त पुष्य
योग - व्याघात 21-10 तक उप हर्षण
करण- कौलव 11-19 तक उप तैतिल
विशेष-
व्रत -त्योहार - जगन्नाथ पुरी यात्रा

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:41 से 12:19 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:47 - 07:24	शुभ	रोग	18:49 - 20:15	अशुभ
लाभ	07:24 - 09:02	शुभ	काल	20:15 - 21:36	अशुभ
अमृत	09:02 - 10:41	शुभ	लाभ	21:36 - 22:58	शुभ
काल	10:41 - 12:19	अशुभ	उत्पात	22:58 - 00:19	अशुभ
शुभ	12:19 - 13:58	शुभ	शुभ.	00:19 - 01:41	शुभ
रोग	13:58 - 15:36	अशुभ	अमृत	01:41 - 03:03	शुभ
उत्पात	15:36 - 17:14	अशुभ	चंचल	03:03 - 04:24	शुभ
चंचल	17:14 - 18:49	शुभ	रोग	04:24 - 05:47	अशुभ

बैंकों को 50 बीपीएस दर कटौती का लाभ ग्राहकों तक तुरंत पहुंचाना होगा, आरबीआई बुलेटिन में नसीहत

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। आरबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सभी बैंकों को नीतिगत दरों का लाभ तेजी से ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपनी ऋण दरों में कमी करनी चाहिए। इस महीने की शुरूआत में नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की गई थी। रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में इस बात पर जोर दिया गया कि वित्तीय स्थितियां ब्याज दरों में कटौती का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। अधिकांश बैंकों ने फरवरी और अप्रैल में घोषित ब्याज दरों में कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को पहले ही दे दिया है। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और एचडीएफसी बैंक सहित कई बड़े बैंकों ने 6 जून को आरबीआई द्वारा रेपो दर में 50 आधार अंकों की भारी कटौती के कुछ ही दिनों के भीतर बेंचमार्क ऋण दर से जुड़ी ब्याज दर को उधारकर्ताओं पर समान अंतर से लागू कर दिया है। इस महीने की शुरुआत में रेपो दर में 50 आधार अंकों की कटौती के अलावा, आरबीआई ने वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान चरणबद्ध तरीके से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 100 आधार अंकों की कटौती करके इसे शुद्ध मांग और सावधि देयताओं (एनडीटीएल) के 3 प्रतिशत तक लाने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के जून 2025 बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, वित्तीय स्थितियाँ ब्याज दरों में कटौती का लाभ ऋण बाजार तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं।

सीआरआर में कटौती से दिसंबर 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की प्राथमिक तरलता उपलब्ध होगी। लेख में कहा गया है, टिकाऊ तरलता प्रदान करने के अलावा, इससे बैंकों के लिए निधियों की लागत कम हो जाएगी, जिससे मौद्रिक नीति को ऋण बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने कहा कि बुलेटिन लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। लेख में कहा गया है कि फरवरी-अप्रैल 2025 के दौरान नीतिगत रेपो दर में 50-बीपीएस की कटौती बैंकों की रेपो-लिंक्ड बाहरी बेंचमार्क-आधारित उधार दरों (ईबीएलआर) और फंड आधारित उधार दर की सीमांत लागत (एमसीएलआर) में परिलक्षित होती है। परिणामस्वरूप, फरवरी-अप्रैल 2025 की अवधि के दौरान बैंकों के नए और बकाया रुपया ऋण पर भारित औसत उधार दर में क्रमशः 6 बीपीएस और 17 बीपीएस की गिरावट आई।

जमा पक्ष पर, नई और बकाया जमाराशियों पर भारित औसत घरेलू सावधि जमा दरें इसी अवधि के दौरान क्रमशः 27 आधार अंक और 1 आधार अंक तक कम हुईं। आरबीआई बुलेटिन के एक लेख के अनुसार, वर्तमान सहजता चक्र (फरवरी-अप्रैल 2025) के दौरान, नए रुपया ऋणों पर डब्लूएएलआर में गिरावट निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए मामूली रूप से अधिक थी। बकाया ऋणों के लिए पीवीबी के लिए संचरण अधिक था। जमा के मामले में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने अपनी नई सावधि जमा दरों में पीवीबी की तुलना में अधिक कमी की।

मई में भी बरकरार रही भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार

निवेश और उत्पादन में हुई मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मई 2025 में मजबूत बनी रही। भारतीय रिजर्व बैंक के मासिक बुलेटिन में यह दावा किया गया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह औद्योगिक और सेवा दोनों क्षेत्रों में स्वस्थ विकास की ओर इशारा करते हैं।

मई महीने में जीएसटी राजस्व 2 लाख करोड़ रुपये के पार

रिपोर्ट में कहा गया कि ई-वे बिल, जीएसटी राजस्व, टोल संग्रह और डिजिटल भुगतान जैसे प्रमुख संकेतकों में मजबूती दिखी। यह स्थिर आर्थिक गति को दर्शाती है। आंकड़ों के अनुसार मई में लगातार दूसरे महीने जीएसटी राजस्व 2 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। इसमें मजबूत आयात-संबंधित जीएसटी संग्रह ने मदद की।

स्थायी निवेश में 9.4 प्रतिशत की वृद्धि

इसमें यह भी बताया गया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी 6.5 प्रतिशत बढ़ेगी, जिसमें चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि मुख्य रूप से स्थायी निवेश में 9.4% की वृद्धि और निर्माण क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन के कारण हुई।रिपोर्ट के अनुसार मई में लगातार चौथे महीने मुद्रास्फीति नियंत्रण में रही। यह आरबीआई के लक्ष्य से नीचे दर्ज की गई। फसल उत्पादन के रिकॉर्ड स्तर से इसे समर्थन मिला और खाद्य कीमतों को नियंत्रण रखने में मदद मिली। कुल मिलाकर घरेलू मूल्य स्थिति स्थिर बनी हुई है। पीएमआई के आंकड़ों से यह भी पता चला कि भारत आर्थिक गतिविधि विस्तार में दुनिया में सबसे आगे है। सेवा पीएमआई 58.8 प्रतिशत पर रहा, जबकि विनिर्माण पीएमआई 57.6 प्रतिशत पर रहा। ब्याज दरों में कटौती से सभी क्षेत्रों में ऋण प्रवाह में सुधार हुआ है। इसके अलावा, ग्रामीण मांग बढ़ रही है, जो देश की आर्थिक सुधार में व्यापक भागीदारी का संकेत देती है। साथ ही, भारत विदेशी निवेश के लिए भी एक प्रमुख गंतव्य बना हुआ है। 2020 से 2024 के बीच डिजिटल अर्थव्यवस्था क्षेत्रों में 114 अरब डॉलर के ग्रीनफील्ड निवेश के साथ, एफडीआई प्रवाह में देश वैश्विक स्तर पर 16वें स्थान पर है।

इजरायल-ईरान युद्ध से भारत को मिला बड़ा सबक

अब इस कैपेसिटी को दोगुना करने की तैयारी

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच हाल में हुई जंग के कारण कच्चे तेल की कीमत 5 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। इससे भारत में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमत बढ़ने का खतरा पैदा हो गया था। भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है और इसमें जरा सी भी हलचल सरकार के बजट को बिगाड़ सकती है। पेट्रोल-डीजल कीमत बढ़ने से महंगाई भी बढ़ जाती है। लेकिन अब भारत अपनी एनर्जी सिक्योरिटी को बढ़ाने के लिए अपनी स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व कैपेसिटी दोगुना कर रहा है। मिंट की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सरकार छह नए स्थानों पर स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व बनाने पर विचार कर रही है। जब कच्चे तेल की कीमत कम होती है तो सरकार बड़े पैमाने पर इसकी खरीद करती है और कीमत बढ़ने पर इसे रिलीज करती है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। सूत्रों का कहना है कि सरकार ने इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को नया रिजर्व बनाने के लिए डिटेल फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। इनमें से एक रिजर्व कर्नाटक में मेंगलौर स्पेशल इकनॉमिक जोन और एक राजस्थान के बीकानेर में होगा। माना जा रहा है कि इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड इस साल के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। सरकार की योजना 90 दिन के लिए रिजर्व कैपेसिटी बनाने की है। हाल में इजरायल के साथ हुए संघर्ष के दौरान ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की धमकी दी थी जहां से दुनिया का 20 फीसदी कच्चा तेल गुजरता है। भारत में कच्चे तेल की रोजाना खपत 55 लाख बैरल है जिसमें से करीब 20 लाख बैरल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता है। स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व के पहले चरण में 53.3 लाख मीट्रिक टन की कैपेसिटी जोड़ी गई थी।

देश में पहला स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व 10 साल पहले विशाखापतनम में बनाया गया था। तबसे भारत लगातार अपनी कैपेसिटी बढ़ा रहा है। विशाखापतनम के अलावा मेंगलौर और पडूर में भी भारत ने अंडरग्राउंड भंडार बनाया है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
कार्य क्षेत्र में आपका जीवन संतुलित रहेगा । आप अपने प्रभावशाली नरम कौशल के लिए जाने जायेंगे । आप को और अधिक ज्ञान पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे तथा आप अन्य लोगों के साथ इस ज्ञान को साझा भी कर सकते हैं । लेकिन कुछ अप्रत्याशित परिस्थितियों में आपको भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
यदि आपने नौकरी के लिए आवेदन किया है, तो कंपनी से इसकी जाँच करें। आपको नौकरी से संबंध में एक अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। पदोन्नति या वेतन वृद्धि भी आपको आज मिल सकती है । यह निवेश के किसी भी प्रकार के लिए एक शुभ दिन है। अगर आप संपत्ति खरीदने के लिए योजना बना रहे है, तो आज का दिन सौदे के लिए अनुकूल है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप अपने सबसे अच्छे आलोचक हैं । अपनी स्थिति का विश्लेषण और उसके अनुसार कार्य करे । आज आपको समय के अनुसार चलने के लिए अपने आप को प्रेरित करने की आवश्यकता है । ध्यान केंद्रित करे जिससे की आप नीचे की और न जाये । समय के साथ आपको बड़ी जिम्मेदारियों के साथ सौंपा जा सकता है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोज़न कर सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

खाते में नहीं 10,000 तो देना होगा तगड़ा जुर्माना

इस बैंक ने एटीएम से पैसे निकालने पर भी बढ़ाया चार्ज

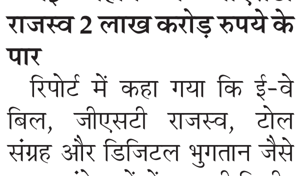

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। डीबीएस बैंक इंडिया के ग्राहकों के लिए जरूरी खबर है। अगर आपके डीबीएस बैंक इंडिया के बचत खाते में महीने का औसत बैलेंस कम रहता है, तो आपको जुर्माना देना होगा। यह नियम 1 अगस्त 2025 से लागू होगा। बैंक ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी है। बैंक का कहना है कि अगर आप अपने खाते में जरूरी बैलेंस नहीं रखते हैं, तो आपको जितना बैलेंस कम होगा, उसका 6% जुर्माना देना होगा। लेकिन यह जुर्माना 500 रुपये से ज्यादा नहीं होगा। इसका मतलब है कि अगर आपके खाते में बैलेंस कम है, तो आपको कुछ पैसे जुर्माने के तौर पर देने होंगे. डीबीएस बैंक इंडिया के मुताबिक सामान्य बचत खाते में ग्राहकों का औसत मासिक बैलेंस 10,000 रुपये होना चाहिए। अगर आपका बैलेंस इससे कम रहता है, तो आपको जुर्माना देना होगा। डीबीएस बैंक ने अपने ग्राहकों को एसएमएस के जरिए भी यह जानकारी दी है।। एसएमएस में लिखा गया है कि 1 अगस्त 2025 से, मासिक औसत बैलेंस कम होने पर लगने वाला चार्ज एमएबी में कमी की राशि का 6% होगा। यह अधिकतम 500 रुपये तक होगा। डीबीएस बैंक बचत खाते के लिए एमएबी 10,000 रुपये ही रहेगा। बैंक ने ग्राहकों को जुर्माने से बचने के लिए आवश्यक एमएबी बनाए रखने की सलाह दी है। बैंक ने अपनी वेबसाइट पर बताया है कि 1 अगस्त 2025 से नॉन-मेंटेनेंस चार्ज आपके बचत खाते के प्रकार के आधार पर बदल जाएंगे। अलग-अलग खातों के लिए अलग-अलग चार्ज होंगे। इसकी जानकारी आपको बैंक की वेबसाइट पर मिल जाएगी. 1 मई 2025 से डीबीएस बैंक ने एटीएम से कैश निकालने के नियमों में भी बदलाव किया है। अब मुफ्त लिमिट से ज्यादा बार पैसे निकालने पर आपको ज्यादा फीस देनी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को यह अनुमति दी है कि वे मुफ्त लिमिट के बाद एटीएम से पैसे निकालने पर अधिकतम 23 रुपये तक चार्ज कर सकते हैं।डीबीएस बैंक अब नॉन-डीबीएस बैंक एटीएम से मुफ्त लिमिट के बाद पैसे निकालने पर 23 रुपये चार्ज करेगा। हालांकि, डीबीएस बैंक के एटीएम से पैसे निकालने पर कोई चार्ज नहीं लगेगा। आप डीबीएस बैंक के एटीएम से जितनी बार चाहें उतनी बार बिना किसी फीस के पैसे निकाल सकते हैं। अगर आप डीबीएस बैंक इंडिया के ग्राहक हैं, तो आपको इन बदलावों के बारे में पता होना चाहिए।

कीमती धातुएं रहीं स्थिर; सोना 98600 और चांदी 103100 रुपये पर कायम

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। गुरुवार को राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया। सोने का भाव 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु भी 98,050 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही। वहीं, चांदी की कीमतें भी गुरुवार को 1,03,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं।अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टी की है।

वैश्विक बाजार में हुई सोने में मामूली बढ़त

वैश्विक मोर्चे पर, सोना हाजिर मामूली बढ़त के साथ 3,334.41 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि सोने में गुरुवार को मामूली बढ़त देखी गई, जो सौदेबाजी करने वाले खरीदारों और कमजोर अमेरिकी डॉलर से प्रेरित थी। अमेरिकी डॉलर सूचकांक 97.0 से नीचे गिर गया, जो मार्च 2022 के बाद से इसका

सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट निराशाजनक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और संभावित ब्याज दरों में कटौती के बारे में बढ़ती अटकलों के कारण हुई। इसके अलावा, बढ़ती राजकोषीय चिंताओं ने भी अमेरिकी डॉलर पर दबाव डाला और कीमती धातुओं को समर्थन मिला। इस बीच, सोने के व्यापारियों ने ईरान और इजरायल के बीच युद्ध विराम पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि बाजार प्रतिभागी अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद, टिकाऊ वस्तुओं के ऑर्डर और प्रारंभिक बेरोजगारी दावों सहित अमेरिकी समष्टि आर्थिक आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

बस्तर गोंचा पर्व, 200 साल पहले जला था जगन्नाथ मंदिर

7 रथों से परिक्रमा, तुपकी से सलामी, पहला मंदिर जहां जगन्नाथ-सुभद्रा-बलभद्र के 22 विग्रह की पूजा

जगदलपुर, 26 जून (एक्सक्लूसिव डेस्क)। छत्तीसगढ़ के बस्तर का गोंचा पर्व देशभर में प्रसिद्ध है। इसकी प्रसिद्धि का सबसे बड़ा कारण जगदलपुर स्थित भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के 22 देव विग्रहों की पूजा है। वहीं तुपकी (बांस की बंदूक) से सलामी देनी की परंपरा है। समिति के सदस्यों के मुताबिक बस्तर में राजा ने पुरी से आरण्यक ब्राह्मणों को लाकर 360 घर बसाए थे।

बस्तर गोंचा पर्व समिति के सदस्य विवेक पांडेय के मुताबिक करीब 150 से 200 साल पहले जगन्नाथ मंदिर जला था। एक समय था जब बस्तर में गोंचा पर्व पर 7 रथों से परिक्रमा होती थी। क्या है गोंचा पर्व है और बस्तर में इसे क्यों मनाया जाता है, पर्व से जुड़ी कई अनसुनी कहानी और मान्यताएं-

करीब 618 साल पहले बस्तर के तत्कालीन राजा पुरुषोत्तम देव दंडवत करते हुए पुरी के जगन्नाथ मंदिर गए थे। वहां उन्हें रथपति की उपाधि दी गई थी। उन्हें 16 चक्कों का एक विशाल रथ भी भेंट किया गया था। 16 पहियों वाले रथ को तेजी से खींचकर बस्तर लाना मुश्किल था।

इसलिए जब राजा इस रथ को लेकर बस्तर आए तो उन्होंने इस रथ के 3 हिस्से कर दिए थे। जिसमें एक 8 का और 2 रथ 4-4 चक्के में बांट दिया था।

8 चक्के का एक और 4 चक्के का एक रथ बस्तर दशहरा और एक अन्य 4 चक्के का रथ बस्तर गोंचा के लिए दिया गया। जिसके बाद से ही बस्तर में गोंचा पर्व की शुरुआत हुई थी। उस समय के रियासत के लोगों ने आरण्यक ब्राह्मण समाज के लोगों को भी यहां लाया था। साथ ही भगवान जगन्नाथ के देव विग्रह भी लाए गए थे।

तब जगदलपुर में तिवारी बिल्डिंग के पास में मंदिर की स्थापना की गई थी, वो मंदिर पक्का नहीं था, कच्चा था। मंदिर स्थापना के कुछ साल बाद किसी वजह से मंदिर में आग लग गई थी। जिसके बाद 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज ने राजा से नया मंदिर स्थापित करने के लिए कहा था। फिर राजा ने सिरहासार भवन के पास पक्का मंदिर बनवाया।

आस-पास के गांवों में भी ब्राम्हण भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना करते थे। सभी जगह गोंचा पर्व मनाना भी थोड़ा मुश्किल था। इसलिए सभी ने एक देव विग्रहों को एक ही जगह रख कर पूजा करने की मंशा बनाई थी।

वहीं इसके बाद राजा ने 7 खंड बनाए और 7 खंडों में भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के 22 देव विग्रहों को स्थापित किया था। शुरुआत में बस्तर दशहरा में कुल 7 रथ चलते थे। 7 में 6 रथों में कुल 22 देव विग्रहों को रखा जाता था। यानी हर एक रथ में भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र के तीन-तीन देव विग्रहों को रखा जाता था। जबकि एक रथ में भगवान रामचंद्र के विग्रह को रख कर शहर की परिक्रमा करवाई जाती थी।

लेकिन वर्तमान में सिर्फ 3 रथ से ही परिक्रमा करवाई जाती है। जिसमें हर एक में एक विग्रह होते हैं।

बस्तर गोंचा में तुपकी से सलामी देने की भी परंपरा है। ये तुपकी क्या है? कैसे बनती है? इसकी कितनी महत्ता है? इन सारे सवालों का जवाब जानने के लिए हमने बस्तर के वरिष्ठ पत्रकार और बस्तर की कला, संस्कृति के जानकार अविनाश प्रसाद से बातचीत की।

रथ यात्रा के दिन इसी तुपकी से हर वर्ग के लोग भगवान भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और बलभद्र को सलामी देते हैं। इस रथ यात्रा को विश्वभर में और प्रसिद्ध बना देते हैं।

इस साल 11 जून को देव स्नान पूर्णिमा के दिन से गोंचा पर्व शुरू हो चुका है। 12 से 25 जून तक भगवान अनसर काल में थे। इस बीच भगवान के दर्शन वर्जित थे।

पुजारी भगवान को काढ़ा समेत अन्य भोग लगाते हैं। जिससे भगवान जल्दी स्वस्थ हो जाएं और फिर अपने भक्तों को जल्दी दर्शन दे सकें। आज यानी 26 जून को नेत्रोत्सव हुआ।

वहीं कल यानी 27 जून को गोंचा की रथ यात्रा होगी। भगवान अपनी मौसी के बीच जनकपुरी जाएंगे, फिर सिरहासार में देव विग्रहों को स्थापित किया जाता है। इन 9 दिनों में कई श्रद्धालु अपने बच्चों का मुंडन करवाते हैं, तो कई भक्त मन्नत लेकर पहुंचते हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: विजय भाटिया को कोर्ट से नहीं मिली राहत

रिट याचिका खारिज, नेताओं के खातों में मिले सबूत

बिलासपुर, 26 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में हुए करोड़ों के कथित शराब घोटाला मामले में आरोपी कारोबारी विजय भाटिया को हाइकोर्ट से राहत नहीं मिली। शराब कारोबारी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपराधिक मामले में रिट याचिका लगाई थी। इस मामले में चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच में गुरुवार को सुनवाई हुई।

कारोबारी विजय भाटिया की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने पक्ष रखा, जिसमें जांच एजेंसी एसीबी पर बिना समन के याचिकाकर्ता विजय भाटिया को गिरफ्तार करने की बात रखी गई। वहीं, आरोपी के खिलाफ एफआईआर होने के बाद एक साल से ज्यादा समय बीतने कार्रवाई में देरी को लेकर एसीबी का अधिवक्ता सौरभ पांडे ने पक्ष रखा। इसके जवाब में अधिवक्ता ने कहा, इस मामले में सबूत जुटाने और करीब 300 गवाहों से पूछताछ की गई।

वहीं, इस पिटीशन में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के माध्यम से रखी गई सभी बातों का कोर्ट में जवाब देते हुए कहा, कि ईडी ने एसीबी को पहले अभियुक्त से पूछताछ करने के बाद उसे 31मई 2025 को दोपहर में सौंपा और फिर 24 घंटे के बाद रायपुर में एक जून को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया है। सभी पक्षों को सुनने के बाद इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

दरअसल, कथित 2100 करोड़ से ज्यादा के शराब घोटाले ईओडब्ल्यू ने राज्य के बड़े कारोबारी विजय भाटिया को बीते 31 मई को दिल्ली से गिरफ्तार किया। कहा जा रहा है कि विजय अपने परिवार वालों के साथ विदेश जाने वाला था। इससे पहले ही उसे गिरफ्तार किया गया। इस मामले को लेकर कोर्ट में कार्रवाई चल रही है। इस पूरे मामले में कहा जाता है ईओडब्ल्यू ने जांच में पाया है कि भाटिया और बंसल के खाते से कांग्रेस के सीनियर नेताओं और उनके करीबी रिश्तेदारों के खातों में पैसे ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड मिला है।

एसीबी-ईओडब्ल्यू इसी एंगल पर जांच कर रही है कि शराब घोटाले का पैसा किन किन लोगों और राजनेताओं तक पहुंचा है। इसी वजह से ईओडब्ल्यू ने पहले विजय भाटिया को गिरफ्तार किया। विजय अपने परिवार के साथ दिल्ली में था। कहा जाता है कि दिल्ली से कहीं विदेश भागने की तैयारी में था। उसके पहले ही ईओडब्ल्यू ने उसे दिल्ली से पकड़ लिया था। जानकारी के मुताबिक, ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला है कि विजय ने विदेशी कंपनी की शराब सप्लाई कर 15 करोड़ से ज्यादा कमीशन लिया। घोटाले के पैसे प्रॉपर्टी में लगाए हैं।

पद्मश्री सुरेंद्र दुबे का निधन, हार्ट-अटैक की आशंका

कविताओं से दुनियाभर में थे मशहूर, अपनी मौत की अफवाह पर हंसाते हुए कहते थे-टाइगर अभी जिंदा है

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर हास्य कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे का गुरुवार को निधन हो गया। खबर है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है। रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में उनका इलाज चल रहा था। दुबे के परिवार के करीबी भाजपा नेता उज्ज्वल दीपक ने सोशल मीडिया पर उनके निधन की जानकारी दी है।

डॉ, सुरेंद्र दुबे के निधन पर कवि कुमार विश्वास, गृहमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, पूर्व सीएम भूपेश बघेल और मीर अली मीर समेत कई बड़ी हस्तियों ने दुख जताया है। लिखा पूरे परिवार को ईश्वर इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। ओम शांति।

कवि कुमार विश्वास ने ट्वीट कर दुख जताया है। उन्होंने लिखा है कि, छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति के वैश्विक राजदूत, मुझे सदैव अनुजवत स्नेह देने वाले, बेहद ज़िंदादिल मनुष्य, कविश्रेष्ठ पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे जी का निधन सम्पूर्ण साहित्य-जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

मेरे हृदय के रायपुर का एक हिस्सा, आपकी अनुपस्थिति को सदैव अनुभव करेगा भैया। प्रिय @ashutoshdubeyji और पूरे परिवार को ईश्वर इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। ओम शांति।

इसके साथ ही गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी दुख जताया है। उन्होंने लिखा कि सुरेन्द्र जी जीवन भर मुस्कान बांटते रहे, आज आंखें नम कर गए। छत्तीसगढ़ की माटी से लेकर विश्व मंच तक अपनी विशिष्ट कविताओं से पहचान बनाने वाले महान कवि पद्मश्री सुरेन्द्र दुबे जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोक संतप्त परिजनों और उनके असंख्य प्रशंसकों को यह पीड़ा सहने की शक्ति प्रदान करें। आपकी कविताएं सदैव हमारे हृदय में जीवित रहेंगी। ॐ शांति।

पाखंडी बाबा का विदेशी लड़कियों के साथ वीडियो वायरल

फॉरेनर युवतियों को गाड़ियों से घुमाया, 6 करोड़ में पहाड़ी पर जमीन खरीदी, बनवाया आलीशान फॉर्म-हाउस

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की धर्म नगरी डोंगरगढ़ की पहाड़ियों में गोवा जैसा आश्रम चलाने वाले कथित बाबा का विदेशी कनेक्शन भी सामने आया है। बाबा अपने आश्रम में विदेश से कई सामान मंगवाए हैं। आश्रम में पैकेट भी मिले हैं। इसके अलावा विदेशी लड़कियों के साथ वीडियो भी वायरल हो रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक पाखंडी बाबा तरुण अग्रवाल उर्फ सोनू (45) 20 साल पहले डोंगरगढ़ में पीसीओ चलाता था। इसके बाद गोवा चला गया। 2 साल पहले गोवा से डोंगरगढ़ लौटा, फिर प्रज्ञागिरी पहाड़ी में 6 करोड़ में जमीन खरीदकर फॉर्म हाउस बनवाया। हालांकि अभी उसका निर्माण चल ही रहा है।

दरअसल, पुलिस को फॉर्म हाउस में संदिग्ध गतिविधियां होने की लगातार शिकायत मिल रही थी। बुधवार यानी 26 जून को पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान फॉर्म हाउस के अंदर पुलिस ने सेक्स टॉयज, इंजेक्शन-वियाग्रा (उत्तेजना वाली की गोलियां) और गांजा बरामद हुआ।

डोंगरगढ़ में बीते डेढ़ साल से तरुण और उसके विदेशी दोस्तों का नेटवर्क बढ़ा है। तरुण अपनी गाड़ियों में कई बार अलग-अलग विदेशी युवतियों के साथ देखा गया है। पुलिस को तरुण की सोशल मीडिया आईडी में कई विदेशी नागरिकों के वीडियो मिले हैं। वीडियो में दिखने वाले लोगों का भी पता लगाया जा रहा है।

पाखंडी बाबा तरुण अग्रवाल उर्फ सोनू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इसके साथ ही पुलिस की एफआईआर में आरोपी तरुण अग्रवाल पर गांजा बेचने और बच्चों को गांजा पिलाने का जिक्र है। पुलिस ने आरोपी के फॉर्म हाउस में दबिश देकर बरामद के पीछे रखे दीवान से गांजा बरामद किया है।

इसके साथ ही तरुण के एनजीओ, उसकी शिक्षा संबंधित दस्तावेज, बैंक अकाउंट और पासपोर्ट की जानकारी पुलिस से मांगी है।

पुलिस विदेशी फंडिंग के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा पुलिस को आरोपी के फॉर्म हाउस में कई बंद डिब्बे दिखे हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने गोवा से सामान आने की बात स्वीकारी है। पुलिस सामान भेजने वाले व्यक्ति का भी पता लगा रही है। पुलिस इन्हीं जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

स्थानीय लोगों के अनुसार आरोपी ने अपने फॉर्म हाउस की चौकीदारी के लिए 2 विदेशी नस्ल के कुत्ते भी पाले थे। ये कुत्ते 24 घंटे खुले रहते थे। जब भी कोई व्यक्ति फॉर्म हाउस जाता था, कुत्तों को एक जगह बांध दिया जाता था।

पूछताछ में आरोपी ने खुद को 100 देशों में घूम चुका अंतरराष्ट्रीय योगगुरु बताया। उसने 10 से अधिक एनजीओ का डायरेक्टर होने और विदेशी फंडिंग का दावा भी किया है। पुलिस अब इन एनजीओ, उसके पासपोर्ट, बैंक खातों और सोशल नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस हिरासत में आए तरुण अग्रवाल से 25 जून की रात को विवेचना अधिकारियों ने 2 घंटे तक पूछताछ की। इस पूछताछ में आरोपी केवल कहानी सुनाता रहा। गांजा उसके पास कहां से आया? किन-किन देशों के लोगों से उसका संपर्क है, उसके पास कितने एनजीओ हैं? इन सभी सवालों का जवाब दिया।

पुलिस ने बताया कि बाबा ने लगभग सभी सवालों के जवाब तो दिए, लेकिन उसकी सत्यता के संबंध में दस्तावेज नहीं दे पाया। आरोपी का फोन पुलिस को अब तक नहीं मिला है। मोबाइल फोन का पता पुलिस लगा रही है।

आरोपी का परिवार डोंगरगढ़ का मूल निवासी है। शहर में सेठ परिवार के नाम से जाना जाता है। उनका आश्रम भी सेठ श्री बालकिशन प्रसाद अग्रवाल मेमोरियल फाउंडेशन के नाम से है। आरोपी ने डेढ़ साल पहले 6 करोड़ में इस आश्रम को खरीदा था। जो अब भी अंडर कंस्ट्रक्शन है। उनके बड़े भाई ठेकेदारी करते है जो अग्रवाल समाज के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। पिता का बहुत पहले देहांत हो चुका है। एक मंझले भाई की फॉर्चून की दुकान है। वर्तमान में आरोपी तरुण कथित गुरु के नाम से प्रचलित है।

रंगदारी के लिए गोली चलाने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

रेलवे साइडिंग पर की थी फायरिंग 2 पिस्टल और कारतूस बरामद

रामगढ़, 26 जून (एजेंसियां)। रामगढ़ के भदानीनगर रेलवे साइडिंग में हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से दो पिस्टल, छह जिंदा कारतूस, मोबाइल और बाइक बरामद की गई है। घटना 13 जून की सुबह 8 बजे की है। दो बाइक सवार नकाबपोश अपराधियों ने भुरकुंडा रेलवे साइडिंग में रंगदारी और दहशत फैलाने के लिए गोलियां चलाई थीं। मामले की जांच के लिए एसपी अजय कुमार ने पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया। टीम ने सबसे पहले शूटर सुजीत डोम को उसके घर रिवर साइड बुध बाजार, भुरकुंडा से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने अन्य आरोपियों के नाम बताए। इसके बाद पुलिस ने सुजीत राम, इनामुल अंसारी, मजहर अंसारी, आजाद अंसारी, कुणाल कुमार उर्फ बादल सिंह और बंसत मुंडा को गिरफ्तार किया।

रिश्वत लेते पकड़ा गया कंप्यूटर ऑपरेटर

डीसीएलआर कार्यालय में जमीन म्यूटेशन के लिए 15 हजार रुपए मांगे, एसीबी ने किया गिरफ्तार

धनबाद, 26 जून (एजेंसियां)। धनबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को डीसीएलआर कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर अनीश कुमार को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। अनीश कुमार ने वीर बहादुर सिंह से जमीन म्यूटेशन की फाइल आगे बढ़ाने के लिए 15 हजार रुपए की मांग की थी।

वीर बहादुर सिंह का जमीन म्यूटेशन का आवेदन अंचल कार्यालय से खारिज कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने डीसीएलआर कार्यालय में अपील की। कंप्यूटर ऑपरेटर ने फाइल को आगे बढ़ाने और आदेश पास कराने के लिए रिश्वत मांगी।

एसीबी के एएसपी बिनोद कुमार के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद मामले का सत्यापन किया गया। आरोप सही पाए जाने पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप ऑपरेशन चलाया और आरोपी को कार्यालय में ही पकड़ लिया।

हाथी ने मजदूर को कुचला, मौत

बोकारो, 26 जून (एजेंसियां)। बोकारो के गोमिया प्रखंड स्थित धर्मपुर गांव में जंगली हाथी ने एक मजदूर की जान ले ली। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल के कुल्टी निवासी कलाम अंसारी के रूप में हुई है। वह स्थानीय एक निर्माणाधीन क्रेशर में काम करता था। घटना रात करीब 11 बजे की है। क्रेशर साइट पर पांच मजदूर सो रहे थे। इसी दौरान एक जंगली हाथी ने परिसर में प्रवेश किया। नाइट वॉचमैन समेत चार मजदूर भागकर बच गए, पर कलाम अंसारी हाथी की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई।

रायपुर सूटकेस हत्याकांड, इन 6 बड़ी वजहों से फंसे आरोपी

खून नहीं रोक पाए, पेटी में नाम लिखा मिला, फर्जी आधार-कार्ड दिया, लेकिन पेमेंट ऑनलाइन किया

रायपुर, 26 जून (एजेंसियां)। रायपुर सूटकेस हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी अंकित उपाध्याय और उसकी पत्नी शिवानी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस पूरी घटना में पुलिस को कई अहम सबूत और गवाह मिले हैं, जिनकी मदद से पुलिस 24 घंटे के अंदर ही आरोपियों तक पहुंच गई।

दरअसल, किशोर पैकरा (मृतक) को प्रॉपर्टी बेचने के बाद करीब 30 लाख रुपए मिले थे, जिसे अंकित ने अलग-अलग बहाने बनाकर हड़प लिया था। वह पैसे मांग रहा था, जिससे अंकित परेशान था। इसी वजह से उसने हत्या की साजिश रची, फिर किशोर को इंद्रप्रस्थ स्थित एक फ्लैट में ले गया।

यहां उसने गला घोंटने के बाद चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। मर्डर के बाद आरोपी खून नहीं रोक पाए। पेटी में लिखा नाम पहला सबूत, फर्जी आधार-कार्ड दिया, लेकिन पेमेंट ऑनलाइन किया। पढ़िए ऐसे ही 6 अहम सबूत और वजह, जिसकी मदद से पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाई।

अंकित ने पहले किशोर का गला दबाया। संभावना है कि वह मर चुका था, लेकिन पति-पत्नी कंफर्म नहीं थे, इसलिए अंकित ने चाकू से गले पर वार किया, जिससे किशोर के शरीर से ज्यादा खून निकला। लाश को सूटकेस में ले जाकर कहीं डंप करने की साजिश थी, लेकिन सूटकेस खून से पूरी तरह रंग गया। उसे फ्लैट से नीचे उतारना संभव नहीं था। प्लान फेल होने के बाद वह पेटी लेने गए। यह पेटी कई जगह सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पेटी लेने के दौरान पति-पत्नी ने मुंह में कपड़ा बांधा था। वे सफेद रंग की ग्रीन नंबर प्लेट वाली इलेक्ट्रिक स्कूटी में गए थे। जिसे पुलिस के लिए पहचानना आसान हो गया। पेटी खरीदने के बाद वे ई-रिक्शा में लोड कर इंद्रप्रस्थ की बिल्डिंग में लाए।

ई-रिक्शा वाले ने पेटी को ऊपर तीसरी मंजिल पर फ्लैट के दरवाजे तक छोड़ा था, जिससे पुलिस को फ्लैट का पता लग गया। आरोपियों ने साजिश के मुताबिक, महीने भर पहले 60 हजार में आल्टो कार इसीलिए खरीदी थी कि इसमें आसानी से सूटकेस में लाश रखकर फेंक सके, लेकिन बाद में पेटी खरीदी। जो कार के भीतर नहीं आ पाई, जिसे पीछे में डिक्की खोलकर रखनी पड़ी। लाश ठिकाने लगाते समय पुलिस को ऐसे कई गवाह मिले। जिन्होंने इस कार में पेटी को देखा था। उन्होंने कार के आने जाने का रूट भी बताया। इसके अलावा पेटी में दुकान के मालिक का नाम भी लिखा था।

आरोपी अंकित ने कार खरीदने और फ्लैट को रेंट में लेने के लिए फर्जी आधार कार्ड बनवाया था। उसमें कोरबा का एड्रेस डलवाया था। लेकिन पेटी खरीदने और फ्लैट का रेंट देने के लिए उसने ऑनलाइन किया। जिससे पुलिस ने बैंक का डिटेल पता लगाकर नाम कंफर्म कर लिया, जो केस में अहम सबूत बने।

पटना जेल से रची गई थी ज्वैलरी लूट की साजिश

1.5 करोड़ की लूट के 6 आरोपी गिरफ्तार, 7 लाख के जेवर बरामद

बोकारो, 26 जून (एजेंसियां)। बोकारो के चास थाना क्षेत्र स्थित आस्था ज्वेलर्स से 1.5 करोड़ रुपए के जेवर और कैश की लूट का मामला सुलझा लिया गया है। 23 जून सोमवार शाम करीब 6 बजे हुई इस वारदात में शामिल छह अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला है कि इस लूट का मास्टरमाइंड पटना स्थित बेऊर जेल में बंद अविनाश श्रीवास्तव है। एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर गठित एसआईटी ने चास थाना प्रभारी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपियों की पहचान की गई।

एसपी ने बताया कि पटना एसटीएफ और आलमगंज थाना पुलिस के सहयोग से महावीर घाट और भद्राघाट से सभी आरोपियों को पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों में रौशन सिंह (पश्चिमी चंपारण), राहुल पटेल उर्फ डायमंड (पटना), नीतेश कुमार (हाजीपुर), आदित्य राज (पूर्वी चंपारण), प्रिंस कुमार सुमन (बेतिया) और मुसाफिर हवारी (बेतिया) शामिल हैं।

इनके पास से लूटे गए गहने बरामद किए गए हैं। इसमें 23 अंगूठियां, 6 हार, 1 ब्रेसलेट और 13,820 रुपए नगद शामिल हैं। साथ ही एक डिजायर कार, एक चोरी की बाइक और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। एसपी के अनुसार, लूट की योजना 12-13 जून को बनाई गई थी। अपराधियों ने वारदात से पहले पुरुलिया के एक होटल में रुककर दुकान की रेकी की थी। लूट के लिए डिजायर कार और दो बाइक का इस्तेमाल किया गया।

तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत

सरगुजा, 26 जून (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम केरजू में बुधवार शाम तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई।

इस घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि आरव और अंश पड़ोसी थे और हमेशा साथ खेलते थे।

इस हादसे से उनके परिवार और गांव में मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, ग्राम केरजू निवासी नवीन अग्रवाल का नौ वर्षीय पुत्र आरव अग्रवाल और संजय अग्रवाल का सात वर्षीय पुत्र अंश अग्रवाल दोस्तों के साथ खेलने के बाद तालाब में साइकिल धोने गए थे।

इस दौरान उनका पैर फिसला और दोनों गहरे पानी में डूब गए। अन्य बच्चों के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने उन्हें तालाब से निकाला और कांसाबेल अस्पताल ले गए।

वहां से अंबिकापुर रेफर किए जाने पर परिजन दोनों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जापानी बाबा वेंगा की 5 जुलाई की भविष्यवाणी होगी सच?

तोकारा में 330 भूकंप के झटके, क्यूशू में फटा ज्वालामुखी, दहशत

टोक्यो, 26 जून (एजेंसियां)। जापान में जुलाई में एक बड़ी तबाही मचने की भविष्यवाणी ने दहशत फैला दी है। देश में बीते कुछ दिनों से भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। इनको तात्सुकी की पुरानी भविष्यवाणियों से जोड़ा रहा है, जो लोगों को डरा रही है। जापानी बाबा वेंगा कही जाने वाली रयो तात्सुकी ने अगले महीने जापान में भूकंप और ज्वालामुखी आने की बात कही है। इस बीच तोकारा द्वीप समूह में 330 बार भूकंप आया है और क्यूशू में माउंट शिन्मोई ज्वालामुखी फटने से 500 मीटर तक हवा में राख फैल गई है। इसे कई लोग तात्सुकी की भविष्यवाणी के सच होने का संकेत कह रहे हैं और 5 जुलाई को देश में बड़ी तबाही आने की बात कह रहे हैं। इसका सीधा असर जापान के पर्यटन पर हो रहा है। जापान में पर्यटकों की बुकिंग में भारी गिरावट आई है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने ज्वालामुखी के लिए अलर्ट को स्तर 3 तक बढ़ा दिया है। इससे देशव्यापी चिंता और बढ़ गई है। भूकंप के झटकों और इस भविष्यवाणी के कारण जापान में पर्यटकों की संख्या में भी कमी आई है। हांगकांग, ताइवान और दक्षिण कोरिया से जापान की बुकिंग 83 प्रतिशत तक गिरी है। कुछ ट्रैवल एजेंसियों ने 50 प्रतिशत तक कैंसिल होने की सूचना दी है। हालांकि जापान के भूकंप विज्ञानियों और जेएमए ने वर्तमान भूकंपीय गतिविधि और तात्सुकी की भविष्यवाणी बीच किसी भी संबंध को खारिज किया है।

जापान की मंगा कलाकार रयो तात्सुकी की भविष्यवाणी लोगों को डरा रही है क्योंकि उनकी कई भविष्यवाणियों के पहले भी सच होने का दावा किया जाता है। दावा है उनका 2011 में तोहोकू भूकंप और कुछ मशहूर हस्तियों की मौत का दावा सच साबित हुआ है। अब उन्होंने जुलाई में जापान के कुछ हिस्सों में आपदा आने की भविष्यवाणी की है तो लोग इसे गंभीरता से लेते हुए जापान जाने पर दोबारा विचार कर रहे हैं।

बुल्गेरिया की अंधी फकीर कही जाने वाली बाबा वेंगा अपनी सटीक भविष्यवाणियों के दुनिया में मशहूर हैं। अब जापानी कलाकार रयो तात्सुकी का नाम वेंगा के साथ जोड़ा जा रहा है। इसकी वजह ये है कि रयो की भविष्यवाणियां भी बाबा वेंगा से मिलती-जुलती हैं। तात्सुकी पहली बार 1999 में अपनी किताब द फ्यूचर आई सॉ से चर्चा में आईं थीं। इस किताब में उन्होंने जापान के लिए कई भविष्यवाणी की हैं।

रयो की भविष्यवाणियों की इस किताब पर दुनिया का ध्यान तब गया, जब इसमें लिखे कुछ दावे सच हो गए। इससे जापान ही नहीं, पूरी दुनिया में उनकी ख्याति बढ़ गई। उनकी सबसे महत्वपूर्ण भविष्यवाणियों में मार्च 2011 में जापान के उत्तरी तोहोकू क्षेत्र में आया भूकंप और सुनामी है। इससे पहले उन्होंने 1995 में कोबे भूकंप और क्वीन के गायक फ्रेडी मर्करी की मौत की भविष्यवाणी की थी।

पुतिन यूं ही नहीं हैं भारत के सच्चे दोस्त

ब्रह्मोस मिसाइल को बनाने में हर कदम पर की थी मदद, बीच में कूद पड़ा था चीन

मॉस्को, 26 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान के एयरबेस पर तबाही मचा दी। इस क्रूज मिसाइल का पाकिस्तान के पास कोई जवाब नहीं था। अब इस मिसाइल के निर्माण को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। भारत के नामचीन वैज्ञानिक और ब्रह्मोस मिसाइल के जनक कहे जाने वाले ए. शिवथानु पिल्लई ने भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने में व्लादिमीर पुतिन के योगदान की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने बताया कि पुतिन ने निजी स्तर पर ब्रह्मोस मिसाइल कार्यक्रम में दिलचस्पी दिखाई और इसमें आने वाली तमाम बाधाओं को खुद दूर कराया। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ और एमडी रहे पिल्लई ने ये भी बताया कि व्लादिमीर पुतिन ने चीन को तकनीक देने से साफ इनकार कर दिया था। ब्रह्मोस मिसाइल इस समय भारतीय सेना का अहम हथियार है। इसे दुनियाभर में निर्यात किया जा रहा है।

चक्र न्यूज के साथ बातचीत में शिवथानु पिल्लई ब्रह्मोस मिसाइल विकसित करने के बारे में बात करते हुए बताया कि 1991 के खाड़ी युद्ध के बाद हमने महसूस किया कि भारत को भी मिसाइल तकनीक में आगे बढ़ना होगा। ऐसे में डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम और उन्होंने फैसला किया कि भारत को एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की जरूरत है। इसके बाद रूस के साथ मिलकर ब्रोहमोस पर बातचीत शुरू हुई। वहीं भारत में भी उनकी टीम ने चुपचाप काम शुरू कर दिया।

पिल्लई ने बताया कि रूस ने क्रूज मिसाइल तकनीक भारत को देने की हामी भरी तो ब्रोहमोस मिसाइल विकसित करने पर बातचीत शुरू हुई। इस साझेदारी को खासतौर से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने व्यक्तिगत रूप से समर्थन दिया। पिल्लई ने खुलासा किया कि ब्रोहोस प्रोजेक्ट का पता चलने पर चीनी राष्ट्रपति भी रूस पहुंचे थे। उन्होंने पुतिन से कहा था कि अगर आप इंडिया को तकनीक दिए हो तो हमें भी सुपरसोनिक टेक्नॉलोजी दीजिए। पुतिन ने चीन को साफ इनकार करते हुए कहा कि ये दो सरकारों का एग्रीमेंट है और हम इसे नहीं तोड़ सकते हैं। आपको ये तकनीक देना संभव नहीं है।

पिल्लई ने बताया कि उस समय भारत में एनडीए की सरकार थी और अटल बिहारी वाजपेयी पीएम थे। पुतिन ने खुद वाजपेयी को ये बताया था कि चीन भी इस तकनीक के लिए उनके पास आया है लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। वाजपेयी ने रूस से लौटकर ये बात उस वक्त रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को बताई थी। इसके बाद फर्नांडिस ने ये पिल्लई को इस बारे में बताया कि चीन भी रूस से मिसाइल तकनीक की जुगत में था लेकिन पुतिन ने उनको इनकार कर दिया है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने भी भारत को इस प्रोजेक्ट में मदद की। डॉक्टर पिल्लई ने खुलासा किया कि उनकी टीम ने दिल्ली के वसंत विहार में एक घर से सीक्रेट रूप से इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू किया था। 1998 में समझौते से पहले ही इसके डिजाइन का काम शुरू हो गया था। बाद में फंड मंजूर किए गए और भारतीय टीमों को मॉस्को भेजा गया।

फ्रांस में तूफान ने मचाई तबाही

दो लोगों की मौत और 17 घायल

पेरिस, 26 जून (एजेंसियां)। फ्रांस में बुधवार को आए भीषण तूफान ने तबाही मचा दी। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए। तूफान के कारण पेड़ उखड़ गए, पेरिस की सड़कों पर पानी भर गया और संसद भवन की छत से पानी टपकने लगा।

प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बैरू जब संसद में पश्चिम एशिया पर भाषण देने के बाद नेशनल असेंबली की टपकती गुंबदाकार छत की ओर देखते हुए कहा, क्या आपने ध्यान दिया, बारिश हो रही है?सदन के उपाध्यक्ष रोला लेस्क्यूर ने तत्काल वाद-विवाद को स्थगित कर दिया ताकि अग्निशमन कर्मी छत का निरीक्षण कर सकें। करीब 15 मिनट बाद जब सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो लेस्क्यूर ने सांसदों को बताया कि छत से रिसाव रोकने के लिए सोखने वाले मैट्स का इस्तेमाल किया गया।

फ्रांसीसी नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार तूफान में उस समय आया जब हाल ही में लू की स्थिति बनी हुई थी। इसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया और करीब 1.10 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। फ्रांसीसी मीडिया के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में पेड़ गिरने से एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। वहीं उत्तर-पश्चिम में एक व्यक्ति की मौत तब हुई जब उसका क्वाड-बाइक गिरे हुए पेड़ से टकरा गया।

भारत से बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहे शहबाज

पाकिस्तानी रक्षामंत्री ने पीएम मोदी के खिलाफ उगला जहर, मिली फटकार

इस्लामाबाद, 26 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए ट्वीट किया है। आसिफ की ओर ये भारतीय पीएम को ऐसे समय निशाना बनाया गया है, जब उनकी सरकार भारत के साथ बातचीत का रास्ता खोलने की कोशिश में लगी है। एक तरफ पाक सरकार अलग-अलग मंचों पर भारत से बातचीत का आग्रह कर रही है तो वहीं उनके रक्षा मंत्री भारतीय पीएम के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। ऐसे में पाक सरकार की विदेश नीति और आसिफ की इस हरकत पर अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रहे हुसैन हक्कानी ने सवाल उठाया है।

पूर्व राजनयिक हक्कानी ने अपनी सरकार को फटकारते हुए कहा है कि आखिर पाकिस्तान को यह स्पष्टता क्यों नहीं है कि वह भारत से क्या चाहता है।

पाकिस्तान की राजनीति की गहरी समझ रखने वाले और कई किताबें लिख चुके हुसैन हक्कानी ने पाक सरकार को उसकी नीति के लिए घेरा है।

बुधवार को किए गए अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, 'क्या पाकिस्तान के कैबिनेट मंत्री आपस में भी बात नहीं करते हैं? एक तरफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और फील्ड मार्शल दुनिया को बता रहे हैं कि पाकिस्तान भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहता है। दूसरी ओर रक्षा मंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री को 'कसाई' कह रहे हैं। आखिर ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कोई बातचीत कैसे आगे बढ़ सकती है?'

ख्वाजा आसिफ पाकिस्तान के रक्षा मंत्री और देश बड़े सियासी चेहरे हैं लेकिन उनके बयान अक्सर चर्चा का सबब बनते हैं। भारत के खिलाफ वह अक्सर आक्रामक और नफरतभरी की जुबान का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसमें वह अपनी ही फजीहत करा लेते हैं। भारत के साथ बीते महीने हुई सैन्य संघर्ष के दौरान उनके बयान शहबाज शरीफ की सरकार आर्मी के लिए मुश्किल का सबब बन गए थे।

ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक इंटरव्यू में ये मान लिया था कि उनके देश में आतंक को पनाह मिलती है। उन्होंने एक ब्रिटिश जर्नलिस्ट से कहा था कि पाकिस्तान कई दशकों तक पश्चिम के इशारे पर आतंकवाद को पनाह देने का गंदा खेल खेलता रहा है। इस बयान पर वह अपने ही देश में निशाने पर आ गए थे।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने भी भारत में काफी नुकसान का दावा किया था। इसके बाद एक इंटरव्यू में आसिफ से सवाल हुआ था कि आपने भारत में किए नुकसान का कोई सबूत क्यों नहीं दिया है? आपको इसका सबूत देना चाहिए। इस पर आसिफ ने कहा था कि सोशल मीडिया पर बहुत से फोटो हैं, उनको सबूत माना जाए।

सौ फीसदी वामपंथी बेवकूफ

ट्रंप ने भारतीय मूल के मेयर उम्मीदवार को लेकर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, 26 जून (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क मेयर का डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने जीत लिया है। इसके बाद अब नवंबर में होने वाले मुख्य चुनाव में ममदानी डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मेयर पद के उम्मीदवार होंगे। ममदानी की जीत पर राष्ट्रपति ट्रंप ने नाराजगी जताई और ममदानी को वामपंथी बेवकूफ बता दिया। ट्रंप ने ममदानी का समर्थन करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेताओं की भी आलोचना की।

ट्रंप ने जोहरान ममदानी की जीत के बाद ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'ये आखिरकार हो ही गया, डेमोक्रेट्स ने सीमा पार कर दी है। जोहरान ममदानी एक सौ फीसदी वामपंथी बेवकूफ हैं, उन्होंने अभी डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव जीता है और वे न्यूयॉर्क के अगले मेयर बनने की राह पर हैं। हमने पहले भी चरमपंथी वामपंथी देखे हैं, लेकिन ये बिल्कुल बेतुका है।'

ममदानी पर ट्रंप ने निजी हमले भी किए और लिखा कि 'ममदानी देखने में अजीब लगते हैं और उनकी आवाज भी बहुत कर्कश है। वे बहुत समझदार भी नहीं हैं और कई वरिष्ठ डेमोक्रेटिक नेता उनका समर्थन कर रहे हैं, जिनमें हमारे महान फलस्तीनी सीनेटर चक शूमर भी शामिल हैं। यह हमारे देश के इतिहास की बड़ी घटना है।' एक अन्य पोस्ट में डेमोक्रेटिक पार्टी पर तंज कसते हुए ट्रंप ने लिखा कि डेमोक्रेट्स को कम आईक्यू वाली जैस्मीन क्रॉकेट को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाना चाहिए। साथ ही डेमोक्रेट्स को एलेक्जेंड्रिया ओसासियो कोर्टेज और उनके जैसे प्रगतिशील नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाना चाहिए। इससे डेमोक्रेटिक पार्टी फिर से मुकाबले में आ सकती है।

ईरान में वर्षों तक बनी रहेगी मोसाद

इजरायली खुफिया एजेंसी हेड का बड़ा बयान, खामेनेई को सीधी चुनौती?

तेल अवीव, 26 जून (एजेंसियां)। ईरान के साथ 12 दिन तक चली भीषण लड़ाई को इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने अपनी बड़ी कामयाब कहा है। मोसाद के हेड डेविड बर्निया ने कहा कि इजरायल आने वाले कई सालों तक ईरान में मौजूद रहेगा क्योंकि उनकी एजेंसी ने ईरान में किए गए ऑपरेशन में 'अकल्पनीय' कामयाबी हासिल की है। बर्निया ने बुधवार को अपने एजेंटों के साथ एक बैठक में ये बात कही है। उन्होंने कहा कि आने वाले कई सालों तक मोसाद के लिए ईरान एक सुरक्षित जगह बनी रहेगी। इजरायल का ईरान में सक्रियता बनाए रखने का दावा वहां की सेना और ईरानी सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को सीधी चुनौती की तरह है।

डेविड ने येद वाशेम होलोकॉस्ट मेमोरियल म्यूजियम में आयोजित एक समारोह में भाग लेने के दौरान यह दावा किया है। उन्होंने अपने एजेंट्स से स्पष्ट कहा कि हम ईरान में बने रहेंगे, जैसे कि हम वर्षों से वहां रहे हैं। इजरायल ने ईरान में 13 जून को हमला किया था। इजरायल के हमले में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर और प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। इस ऑपरेशन में मोसाद की रणनीति को माना गया था। दावा है कि मोसाद ने ही जमीन पर ईरानी सैन्य अफसरों और परमाणु वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी जुटाई, जिसके बाद हमले किए गए।

मोसाद प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर मतभेद हैं, जिनमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्र में ईरानी प्रॉक्सी की गतिविधियां शामिल हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए, इजरायल ने ईरान पर हमले किए हैं। इसके बाद ईरान की ओर से भी इजरायल पर मिसाइलें दागी गईं। 12 दिन की भीषण लड़ाई के बाद 24 जून को दोनों पक्षों में सीजफायर हुआ है। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों में तनाव बरकरार है।

इजरायल और ईरान के बीच तनातनी दशकों पुरानी है। इजरायल और अमेरिका ने बार-बार ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंता जताई है। दोनों देश किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने की बात कहते हैं।

इसी कड़ी में हालिया समय मे इजरायल और फिर अमेरिका ने ईरान पर हमले किए हैं। हालांकि ईरान ने हमेशा कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और वह परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहता है। उसकी इस मुद्दे पर हालिया संघर्ष कसे पहले अमेरिका के साथ बातचीत भी हुई है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने विशेष न्यायाधिकरण को दी मंजूरी

रूसी नेताओं पर चल सकेगा मुकदमा

कीव, 26 जून (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के शीर्ष अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए, नए अंतरराष्ट्रीय कोर्ट को गठित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस नई अदालत में रूसी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा यूक्रेन पर हमले के आरोप में चलाया जाएगा। यूक्रेन और यूरोपीय परिषद के बीच समझौते के तहत विशेष न्यायाधिकरण का गठन किया जाएगा। नई अंतरराष्ट्रीय अदालत के गठन का उद्देश्य यूक्रेन के खिलाफ आक्रमण के लिए रूसी नेताओं और अधिकारियों को सजा देना है।

यूक्रेन का आरोप है कि रूसी सेना ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमले के बाद से अनगिनत युद्ध अपराध किए हैं।

मेक्सिको में त्योहार के दौरान गोलीबारी, 12 लोगों की मौत

20 घायल, कई की हालात गंभीर, मरने वालों में 8 पुरुष और 2 महिलाएं

मेक्सिको, 26 जून (एजेंसियां)। मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के इराप्युआतो शहर में मंगलवार रात भीषण गोलीबारी हुई। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग घायल हुए हैं।

उस वक्त लोग इराप्युआतो में सेंट जॉन द बैप्टिस्ट त्योहार के मौके पर सड़क पर नाच-गाना और जश्न मना रहे थे। यह जानकारी स्थानीय प्रशासन ने बुधवार को दी।

मरने वालों में से 11 की पहचान हो चुकी है। इनमें 8 पुरुष, 2 महिलाएं और एक 17 वर्षीय नाबालिग शामिल है। सोशल मीडिया पर हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें लोगों के जश्न मनाने के दौरान गोलीबारी की आवाज सुनी गई। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने हमले पर दुख जताया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है।

इराप्युआतो के अधिकारी रोडोल्फो गोमेज सेरवांतेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मेक्सिको मरने वालों की संख्या 12 हो चुकी है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

इराप्युआतो की स्थानीय सरकार ने इस हमले को कायरतापूर्ण बताया और कहा कि सुरक्षा बल जिम्मेदार लोगों की तलाश कर रहे हैं।

बुधवार की सुबह घटनास्थल पर खून के धब्बे और गोलियों के निशान अभी भी दिखाई दे रहे थे। राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर-पश्चिम में स्थित गुआनाजुआतो राज्य देश के सबसे हिंसाग्रस्त इलाकों में से एक बन चुका है। यहां अलग-अलग संगठित अपराध करने वाले गिरोह कंट्रोल के लिए एक-दूसरे से लड़ते रहते हैं।

सिर्फ इस साल के पहले पांच महीनों में ही यहां 1,435 हत्याएं दर्ज की गई हैं। यह आंकड़ा किसी भी अन्य राज्य की तुलना में दोगुने से ज्यादा है। पिछले महीने भी इसी राज्य के सैन बार्टोलो दे बेरियोस में कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित एक पार्टी में गोलीबारी हुई थी, जिसमें 7 लोगों की जान गई थी।

ब्राजील में ब्रिक्स समिट में शामिल नहीं होंगे शी जिनपिंग

वहां पीएम मोदी को स्टेट डिनर का न्योता, दावा- चीनी राष्ट्रपति इससे नाराज

बीजिंग, 26 जून (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होने वाले बीआरआईसी समिट में भाग नहीं लेंगे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि जिनपिंग समिट के बाद स्टेट डिनर में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाए जाने से नाराज हैं।

ब्राजील में 6-7 जुलाई को 17वां बीआरआईसी समिट होने वाला है। समिट के बाद स्टेट डिनर के लिए ब्राजीलियन राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने पीएम नरेंद्र मोदी को बुलाया है। एससीएमपी के मुताबिक, जिनपिंग को लग रहा है कि मोदी के सामने उन्हें कम तवज्जो मिलेगी।

हालांकि, चीन ने बीआरआईसी समिट के मेजबान ब्राजील को राष्ट्रपति जिनपिंग के बिजी शेड्यूल का हवाला देते हुए उनके न आने की जानकारी दी है।

बैठक से करीब 10 दिन पहले चीनी राष्ट्रपति के इस फैसले से ब्राजील के नाराज होने की भी खबरें हैं। शी जिनपिंग के बतौर राष्ट्रपति 12 सालों के कार्यकाल में ऐसा पहली बार होगा, जब वे बीआरआईसी समिट में नहीं जाएंगे। वे 2013 से हर साल समिट में शामिल हुए हैं। कोविड महामारी के दौरान, उन्होंने दो साल बीआरआईसी में वर्चुअली भाग लिया था। एससीएमपी के मुताबिक, बीआरआईसी समिट में चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की जगह अब प्रधानमंत्री ली कियांग देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने 2023 में भी जिनपिंग की जगह भारत में G20 समिट में भाग लिया था।

हालांकि, चीन की तरफ से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने ब्राजील के अखबार फोल्हा से कहा कि सही समय आने पर इसकी जानकारी दी जाएगी।

शी जिनपिंग के समिट में भाग न लेने की रिपोर्ट्स पर ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आंतरिक फैसलों पर टिप्पणी नहीं करेगा।

म्यांमार में 2500 करोड़ की ड्रग्स जलाकर खाक

गोल्डन ट्रायंगल से बढ़ती तस्करी पर दुनियाभर में अलर्ट

यांगून, 26 जून (एजेंसियां)। म्यांमार में नशे के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई के तहत गुरुवार को करीब 300 मिलियन डॉलर (करीब 2500 करोड़ रुपये) की अवैध ड्रग्स को जलाकर नष्ट कर दिया गया। यह कार्रवाई इंटरनेशनल डे अगेंस्ट ड्रग एब्यूज एंड इलिसिट ट्रैफिकिंग के मौके पर की गई। अधिकारियों के मुताबिक, ड्रग्स को यांगून, मंडाले और ताउंग्जी जैसे बड़े शहरों में जलाया गया।

यांगून शहर में ही 117 मिलियन डॉलर की जब्त ड्रग्स को आग के हवाले किया गया। इसमें अफीम, हेरोइन, मेथामफेटामिन, गांजा, केटामाइन और क्रिस्टल मेथ (आइस) शामिल थे। इस मौके पर यांगून पुलिस के ब्रिगेडियर जनरल सीन ल्विन ने कहा कि यह कदम नशे की लत और ड्रग्स तस्करी पर सख्त संदेश देने के लिए उठाया गया है।

तीन अलग-अलग जगहों पर जलाया गया ड्रग्स

बताया जा रहा है कि इन ड्रग्स को तीन अलग-अलग जगहों पर जलाया गया। राजधानी नेप्यीडॉ के एक पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कुल जलाए गए ड्रग्स की कीमत करीब 297.95 मिलियन डॉलर आंकी गई है। यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक मानी जा रही है।

पूर्वी म्यांमार का शान राज्य, खासकर गोल्डन ट्रायंगल इलाका, ड्रग्स उत्पादन का बड़ा गढ़ बना हुआ है। गोल्डन ट्रायंगल वह इलाका है जहां म्यांमार, थाईलैंड और लाओस की सीमाएं मिलती हैं। लंबे समय से यहां अफीम और हेरोइन का उत्पादन होता आ रहा है। कानून व्यवस्था की कमी और सीमावर्ती इलाकों में सेना का सीमित नियंत्रण ड्रग्स कारोबार को बढ़ावा देता है। संयुक्त राष्ट्र की ड्रग्स और अपराध पर रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में सेना द्वारा सत्ता हथियाने के बाद म्यांमार में चल रहे सिविल वॉर ने ड्रग्स व्यापार को और बढ़ावा दिया है। खासतौर पर मेथामफेटामिन (आइस) का उत्पादन तेजी से बढ़ा है, जो न केवल दक्षिण-पूर्व एशिया, बल्कि भारत के उत्तर-पूर्वी हिस्से तक भी तस्करी किया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अब ड्रग्स की तस्करी समुद्री रास्तों से मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस तक हो रही है। इनमें मलेशिया का सबाह इलाका एक अहम ट्रांजिट हब बन चुका है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को गिराने का किसने किया षड्यंत्र?

अशोक गहलोत ने इन 3 नेताओं पर लगाया आरोप

जोधपुर, 26 जून (एजेंसियां)। जोधपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राजस्थान की भजनलाल सरकार पर जमकर निशाना साधा। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने बीजेपी पर विभिन्न राज्यों में सरकारें गिराने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया। गहलोत ने दावा किया कि बीजेपी ने राजस्थान की उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की थी, लेकिन वह इसमें नाकाम रही।

उन्होंने कहा कि ये षड्यंत्र नरेंद्र मोदी जी की सरकार के वक्त में अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत ने रचा था। मध्यप्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में सरकारें गिराई गईं, लेकिन राजस्थान में हमने इसे विफल कर दिया। गहलोत ने बीजेपी पर 'हॉर्स ट्रेडिंग' और पैसे बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास इसके सबूत हैं।

लोकतंत्र के लिए खतरे की बात उठाई

उन्होंने संविधान और लोकतंत्र के लिए खतरे की बात उठाई और पूछा कि ऐसे में डेमोक्रेसी कैसे बचेगी? बीजेपी संविधान दिवस मना रही है, लेकिन हॉर्स ट्रेडिंग करके सरकारें गिराना संविधान के अनुरूप है? उन्होंने इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस ने उसकी गलतियों के लिए माफी मांग ली थी और इंदिरा गांधी सहित पार्टी को सजा भी मिली थी।

गहलोत ने कहा कि आपातकाल में कुछ गलतियां हुईं, लेकिन अनुशासन, मिलावटखोरी और भ्रष्टाचार पर रोक जैसे सकारात्मक बदलाव भी आए। आज अघोषित आपातकाल है, पत्रकारों और लेखकों को जेल में डाला जा रहा है। उन्होंने इलाहाबाद कुंभ मेले में मृतकों के आंकड़ों को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने 35 मौतों की बात कही, लेकिन बीबीसी ने 85 के आंकड़े दिए।

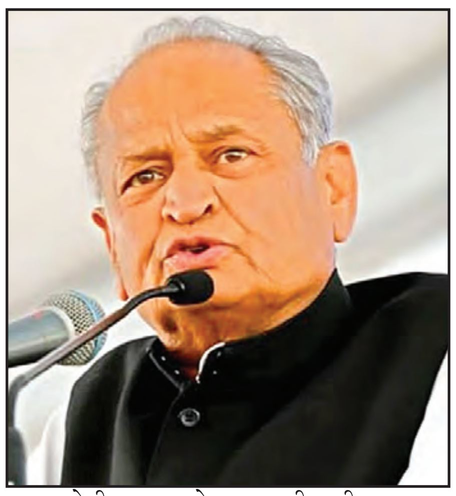

ऐसी सरकार से क्या उम्मीद की जा सकती है?

भजनलाल सरकार पर भी निशाना साधा

गहलोत ने राजस्थान की भजनलाल सरकार पर भी निशाना साधा और कहा कि जनता बहुत दुखी है, ये मुख्यमंत्री समझ नहीं पा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए कहा उनको अपनी जो ऑथोरिटी है, उस पर पूरी तरह पकड़ करनी चाहिए, जिससे की ये जो नीचे हो रहा है वो बंद हो जाए। पब्लिक को राहत नहीं मिल रही है, तहसीलदार हो या कोई दूसरा अधिकारी हो, ऐसे जवाब देते हैं जाइए कह दीजिए, ट्रांसफर करवा दीजिए हमारा।

अशोक गहलोत ने आगे कहा कि आपके एमएलए की स्थिति ये है, एमएलए को अधिकारी ने कह दिया ऐसे चलेगा आप मेरी ट्रांसफर करवा दीजिए, इतनी हिम्मत होना बहुत बड़ी बात है। पहले इतना भय था अधिकारियों में, अगर ढंग से बात नहीं करी, तो ये रात को ट्रेन में बैठेगा, जाएगा 8 सिविल लाइन्स और मेरी शिकायत कर देगा, अब किसके पास जाए? जयपुर में तो दरवाजे बंद हैं सबके, मुख्यमंत्री की बात छोड़ो, मंत्री तक नहीं मिलते हैं, स्थितियां बहुत नाजुक हो गईं, मैं मानता हूं।

बीजेपी के नेताओं ने किया था पलटवार

बीते कल जोधपुर में दिए गए गहलोत के बयानों पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड़ ने गहलोत के आरोपों को 'निराधार' करार देते हुए कहा था कि गहलोत को अपने कार्यकाल की यादें ताजा हो रही हैं, जब उनकी सरकार दो गुटों में बंट गई थी। बीजेपी सरकार जनसेवा में जुटी है, लेकिन कांग्रेस सस्ती लोकप्रियता के लिए बयानबाजी कर रही है।

वहीं, कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने तंज कसते हुए कहा था कि जिन्होंने अपने कार्यकाल में विधायकों को होटलों में कैद रखा, वे अब स्थायित्व पर सवाल उठा रहे हैं? वहीं, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा थी कोरोना काल में गहलोत 20 महीने तक मुख्यमंत्री निवास से बाहर नहीं निकले और अब हमारी सरकार की सक्रियता पर सवाल उठा रहे हैं।

जयपुर में बम धमकी का सिलसिला

ईएसआईसी अस्पताल में मचा हड़कंप

अजमल कसाब के नाम से आया ई-मेल

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। जयपुर में बम धमकी के ई-मेल का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में शहर के ईएसआईसी अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी अजमल कसाब के नाम से भेजे गए एक ई-मेल के जरिए दी गई। जैसे ही अस्पताल प्रशासन को इसकी सूचना मिली, पुलिस, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड, फायर ब्रिगेड, सिविल डिफेंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं।

इस दौरान पूरे अस्पताल परिसर को खाली कराकर व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया। हालांकि, अभी तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। प्रारंभिक जांच में इसे किसी शरारती तत्व की करतूत माना जा रहा है।

सदर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया है और मेल की जांच के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है। सुरक्षा कारणों से अस्पताल में आवाजाही पर सख्त नियंत्रण रखा गया है। तलाशी अभियान अभी भी जारी है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित खतरे को टालने के लिए हर स्तर पर सतर्कता बरत रही हैं।

बताते चलें कि जयपुर में बम धमकियों का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले कुछ समय से शहर के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों को निशाना बनाकर धमकी भरे ई-मेल भेजे जा रहे हैं। 8, 12 और 13 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं।

इनमें से 13 मई को मिले ई-मेल में बम धमकी के साथ-साथ एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग भी की गई थी। इस मामले में अहमदाबाद से एक महिला को गिरफ्तार किया गया था, जो जयपुर में चार-पांच बार ऐसी धमकियां भेज चुकी थी।

इसके अलावा, 9 मई को जयपुर मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जयपुर मेट्रो की आधिकारिक मेल आईडी पर आए इस ई-मेल में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जिक्र करते हुए मेट्रो स्टेशन और ट्रेन को उड़ाने की बात कही गई थी। हालांकि, उस दौरान भी गहन जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली थी।

पुलिस बरत रही है सतर्कता

लगातार मिल रही इन धमकियों ने शहर में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस और प्रशासन हर बार की तरह इस मामले में भी पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। साइबर सेल इन धमकी भरे ई-मेल्स के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

गहलोत के बयान पर भड़की बीजेपी

भजनलाल सरकार के मंत्री बोले- कांग्रेस राज में हुए एक-दूसरे को हटाने के षड्यंत्र

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक बयान से सियासत गरमा गई है। बीजेपी नेताओं ने अब अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए तीखा हमला बोला है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि गहलोत खुद 5 साल सत्ता बचाने के लिए षडयंत्र करते रहे। ऐसे में उन्हें लगता है कि बीजेपी में भी ऐसा होता होगा।

दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि मुख्यमंत्री को हटाने का भयंकर षड्यंत्र चल रहा है। सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने के लिए उनकी ही पार्टी के कुछ नेता दिल्ली और जयपुर में साजिश रच रहे है। यह बयान सामने आने के बाद बीजेपी बुरी

तरह भड़क गई और बीजेपी नेताओं पर गहलोत पर तीखा पलटवार किया।

जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस सरकार में पूर्व सीएम गहलोत व पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट एक दूसरे को हटाने का षड्यंत्र करते रहे और पूरे पांच साल तक नूरा-कुश्ती चलती रही। अब सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान विकास की तरफ दौड़ रहा है। कांग्रेस पार्टी को यह हजम नहीं हो रहा और लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक रोटियां सेंक रहे गहलोत: राठौड़

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का भाजपा सरकार को लेकर दिया गया बयान बेबुनियाद, तर्कहीन और भ्रामक है। गहलोत को शायद अपने ही कार्यकाल की यादें ताजा हो रही है, जब उनकी सरकार दो खेमों में बंट गई थी। मंत्री-विधायक पांच सितारा होटल में कैद रहे।

शराब ठेकेदार टुल्ली हत्याकांड के बाद अलर्ट मोड़ पर आया पुलिस महकमा

लालाराम पहलवान पर भी रख रहा है नजर, मिली थी जान से मारने की धमकी

अलवर, 26 जून (एजेंसियां)। बानसूर थाना क्षेत्र में मंगलवार को शराब ठेकेदार सुनील उर्फ टुल्ली की हत्या के बाद पूरा पुलिस महकमा अलर्ट मोड पर है। बदमाशों की तलाश में पुलिस की पांच अलग-अलग टीमें जगह-जगह छापेमारी कर रही हैं, लेकिन अभी तक एक भी बदमाश पुलिस के हाथ नहीं लगा है। इधर, नीमराणा थाना क्षेत्र के बाटखानी गांव निवासी चितानंद उर्फ लालाराम पहलवान पर भी पुलिस नजर रख रही है। बानसूर में सुनील की हत्या में शामिल आरोपी कृष्ण यादव उर्फ कृष्ण पहलवान ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो जारी किया था, उसमें उसने चितानन्द उर्फ लालाराम पहलवान को भी जान से मारने की धमकी दी थी।

पुलिस के अनुसार चितानन्द

उर्फ लालाराम पहलवान के खिलाफ हत्या के प्रयास, फायरिंग, लूटपाट व आर्म्स एक्ट जैसे आधा दर्जन गंभीर मामले दर्ज हैं। इसके अलावा पड़ोसी जिलों में अगर कोई आपराधिक मामले दर्ज है तो उनकी भी जानकारी मंगवाई जा रही है।

चितानंद ने सोडावास में रसगुल्ले की दुकान कर रखी है। इसके अलावा उसने खुद की गैंग भी बना रखी है। यह गैंग क्षेत्र में बदमाशों को अवैध हथियारों की सप्लाई करती है। इस गैंग के बदमाशों के खिलाफ बहरोड़, नीमराणा, मुंडावर सहित अन्य थानों में आर्म्स एक्ट, हत्या के प्रयास व फायरिंग जैसे कई संगीन मामले दर्ज हैं।

बानसूर में शराब ठेकेदार की हत्या के मामले को लेकर पुलिस गंभीर है। पुलिस की टीमें आरोपियों के छुपने के संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दे रही है। अभी कोई प्रोग्रेस नहीं मिली है। अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास जारी हैं। –

बानसूर में हुई घटना के बाद पुलिस ने क्षेत्र में गश्त व्यवस्था बढ़ा दी है। इसके अलावा संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली जा रही है। संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। क्षेत्र में किसी तरह की गैंगवार व आपसी रंजिश को लेकर कोई बड़ी घटना नहीं हो, इसके लिए पुलिस ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है। बदमाशों के खिलाफ धरपकड़ अभियान व संदिग्ध वाहनों की जांच का कार्य भी तेज कर दिया है।

चितानंद को पिछले साल नीमराणा पुलिस ने किया था गिरफ्तार

चितानंद के खिलाफ बहरोड़ कोतवाली पुलिस थाने में फायरिंग, हत्या का प्रयास, नीमराणा पुलिस थाने में लूटपाट, अपहरण, फायरिंग, आर्म्स एक्ट व हत्या के प्रयास के मामले वर्ष 2023 में दर्ज हुए थे। इसके अलावा पिछले साल इसको नीमराणा थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया था। बाद में वह जमानत पर रिहा हो गया था। तभी से चितानंद पुलिस की नजरों से दूर है। बताया जा रहा है कि वह मुंडावर क्षेत्र में रह रहा है।

सीआईडी ने पकड़ा पाकिस्तानी जासूस

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी स्थित नौसेना भवन से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक अपर डिवीजन क्लर्क (यूडीसी) को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने के आरोप में राजस्थान पुलिस की खुफिया विंग द्वारा गिरफ्तार किया गया है। इस गिरफ्तारी ने देश की सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया है। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस ने कार्रवाई करते हुए विशाल यादव निवासी पुनसिका रेवाड़ी हरियाणा को शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत दबोचा है। महानिरीक्षक पुलिस सीआईडी सुरक्षा विष्णुकांत गुप्ता ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों द्वारा की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान लगातार निगरानी रख रही थी। इसी निगरानी के दौरान यह जानकारी सामने आई कि नौसेना भवन दिल्ली में डायरेक्टरेट ऑफ डॉकयार्ड में कार्यरत विशाल यादव सोशल मीडिया के माध्यम से एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी की महिला हैंडलर के निरंतर संपर्क में था।

रिटायरमेंट के बाद ही रंग दिखाने लगी थी घरवाली

खुदकुशी से पहले रिटायर्ड फौजी ने खोले कई राज

नागौर, 26 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में गुरुवार तड़के दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। दधवाडा कस्बे के निकटवर्ती नोखा चांदावता गांव में बीएसएफ से रिटायर्ड फौजी ने पहले अपने साले को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारी। इसके बाद खुद ने भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली। घटना से पहले फौजी ने 6 मिनट का वीडियो भी बनाया था। जिसे सोशल मीडिया पर भी अपलोड किया था। इतना ही नहीं रिटायर्ड फौजी ने तीन हजार से ज्यादा शब्दों का सुसाइड नोट भी लिखा था। जिसमें उसने बताया कि ससुराल वालों ने उसके घर को बर्बाद कर दिया था, ऐसे में उसने भी पत्नी को सबक सिखाने और ससुराल वालों को बर्बाद करने की ठानी।

पीपाड़ इलाके के खांगटा के रहने वाले बीएसएफ के रिटायर्ड फौजी मनरूप ने सुसाइड नोट में कई चौंकाने वाले खुलासे किए है। उसने पत्नी पर भी कई गंभीर आरोप लगाए है। मनरूप को शक था कि उसकी पत्नी के किसी और से संबंध है। उसने सुसाइड नोट में लिखा कि रिटायरमेंट के बाद के बाद ही उसकी पत्नी रंग दिखाने लगी थी। साथ ही बहन-बेटियों से भी भावुक अपील की।

बीएसएफ की 174 बटालियन से रिटायर्ड फौजी मनरूप ने सुसाइड और साले पप्पूराम की हत्या से पहले सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट लिखी। सुसाइड नोट में लिखे एक-एक शब्द भावुक करने वाले हैं। मनरूप ने लिखा कि एक फौजी के आखिरी शब्द है... सज्जनों, अखबार की तरह नहीं बल्कि संवेदना से ठीक से पढ़ना और शेयर कर देना। शायद किसी की जिदंगी में मेरे दो शब्द काम आ जाए। 20 साल मैंने बीएसएफ में बॉर्डर पर सेवाएं दी।

पुलिस और तस्करों में फायरिंग, एक गिरफ्तार

दूसरा फरार, जब्त कार में मिला डोडा चूरा

चित्तौड़गढ़, 26 जून (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले में अब मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अपराधी बे-खौफ हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिले में बेगूं थानान्तर्गत मेनाल में तस्करी के जरिए कार में डोडा चूरा ले जा रहे तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने हवाई फायर करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दूसरा आरोपी मेनाल झरने में उतरकर फरार हो गया।

नाकाबंदी तोड़ भगाई कार

जानकारी के अनुसार बेगूं थाना प्रभारी शिवलाल मीणा को सूचना मिली कि मेनाल होते हुए एक कार में तस्करी के जरिए डोडा चूरा ले जाया जा रहा है। सूचना पुख्ता होने पर पुलिस ने नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी के दौरान एक

कार आती दिखाई दी। जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया पर चालक नाकाबंदी तोड़ते हुए कार को भगा ले जाने लगा।

फायरिंग के बाद भागे बदमाश

पुलिस जाप्ते ने स्टॉप स्टिक लगाकर कार को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान उसमें सवार आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी एक हवाई फायर करते हुए एक आरोपी बीकानेर जिले के नौखा थानान्तर्गत मुकाम निवासी कैलाश (20) पुत्र सूरजाराम विश्नोई को दबोच लिया। जबकि दूसरा आरोपी कार को कुछ दूरी पर छोड़कर मेनाल झरने में उतर गया और घने जंगल में फरार हो गया।

बीकानेर का रहने वाला है आरोपी

पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें करीब 196 किलो डोडा चूरा पाया गया। जिसे मय कार जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने फरार आरोपी का नाम बीकानेर निवासी दिनेश विश्नोई होना बताया। पुलिस मेनाल के जंगलों में फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सर्च अभियान चला रही है।

मुफ्त पैन कार्ड के नाम पर खोले गए खाते में आए 82 लाख, पुलिस ने दो ठगों को गिरफ्तार किया

बांसवाड़ा, 26 जून (एजेंसियां)। मुफ्त पैन कार्ड और बैंकिंग योजनाओं का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले दो आरोपियों को डूंगरपुर साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब एक ऐसे ही खाते में 82 लाख रुपए का संदिग्ध लेनदेन पकड़ा गया। डूंगरपुर साइबर थाना प्रभारी गिरधारीलाल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बथड़ी निवासी विक्रम मालीवाड़ और महावीर सिंह शामिल हैं। इन्होंने ऑनलाइन ठगी करने वाले साइबर अपराधियों को मोटे कमीशन के बदले करीब 25 से 30 बैंक खाते उपलब्ध कराए थे। बथड़ी निवासी लालशंकर रोत ने 19 जून को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने बताया कि नवंबर 2024 में आरोपी विक्रम मालीवाड़ अपने तीन साथियों के साथ उसके घर आया और मुफ्त पैन कार्ड की योजना का झांसा देकर एक खाता खुलवाने की बात कही। उन्होंने उसके नाम से बैंक ऑफ महाराष्ट्र में खाता खुलवाया और संबंधित दस्तावेज, पासबुक, चेकबुक व एटीएम कार्ड अपने पास रख लिए। कुछ दिन पहले जब लालशंकर ने बैंक जाकर खाता स्टेटमेंट मांगा तो पता चला कि खाते में 82 लाख रुपए का संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुआ है, जिस कारण खाता फ्रीज कर दिया गया। इसके बाद उसने विक्रम मालीवाड़, महावीर सिंह, घनश्याम कलाल और बैंककर्मी कौशल प्रजापत के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी। पूछताछ में विक्रम और महावीर ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर कई लोगों को पैन कार्ड और लोन दिलाने का झांसा देते थे और उनके नाम से खाते खुलवाकर साइबर ठगों को बेचते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके अन्य साथियों की तलाश जारी है।

मौसम विभाग का डबल अलर्ट, कई जिलों में होगी बारिश

30-50 किमी प्रति घंटे गति से चलेगी अंधड़

जयपुर, 26 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने डबल अलर्ट जारी किया है। राजस्थान के 25 जिलों में मेघगर्जन संग बारिश होने की संभावना है। साथ ही 30-50 किमी प्रति गति से अंधड़ चलेगी। मौसम विभाग ने 5 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार सवाई माधोपुर, टोंक, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर जिलों के आस-पास के क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश व एक-दो दौर भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही मेघगर्जन, आकाशीय बिजली और तेज सतही हवा चलने की संभावना बलवती है। इस दौरान अंधड़ की गति 30-50 50 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना है।

वहीं दूसरी तरफ मौसम विभाग ने 20 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। जिसमें मौसम विभाग के अनुसार जयपुर, जयपुर शहर, भीलवाड़ा, करौली, धौलपुर, दौसा, बारां, भरतपुर, नागौर, बाडमेर, जैसलमेर, बीकानेर, पाली, झुंझुनू, श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, बारां, सिरोही, उदयपुर जिलों और आस-पास के क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश व कहीं कहीं पर तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान तेज हवा की गति 20-30 50 किमी प्रति घंटे रहने की संभावना जताई है।

50 हजार के इनामी दो भाइयों को जयपुर में दबोचा, ग्यारह महीने से चल रही थी तलाश

बीकानेर, 26 जून (एजेंसियां)। बीकानेर पुलिस की 11 महीने की लंबी खुफिया निगरानी और मेहनत रंग लाई। शातिर इनामी बदमाश महेंद्र बिश्नोई और मनरूप बिश्नोई, जिन पर प्रत्येक पर 25-25 हजार का इनाम घोषित था उसको जयपुर में एक रोमांचक ऑपरेशन के बाद दबोच लिया गया। सूचना मिली थी कि दोनों जयपुर के एक होटल में छिपे हुए हैं। इस पर डीएसटी बीकानेर की टीम ने जयपुर पुलिस के सहयोग से होटल को घेर लिया, लेकिन जैसे ही बदमाशों को भनक लगी, उन्होंने कमरे का दरवाजा नहीं खोला और खिड़की से कूदकर गली में भागने लगे। करीब एक घंटे की तगड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने दोनों को खोज निकाला और काबू कर लिया। ऑपरेशन की खास बात यह रही कि डीएसटी की टीम सुबह 5 बजे से होटल की रेकी कर रही थी। टीम के जवान अलग-अलग भेष बदलकर होटल के आसपास जमे हुए थे। जैसे ही सही वक्त आया, पूरी रणनीति के साथ रेड डाली गई।

पति की मौत के बाद अब पत्नी ने की खुदकुशी

पीहरवालों ने की थी सहदेव की हत्या; सदमे में थी पत्नी

नागौर, 26 जून (एजेंसियां)। नागौर जिले के रोल थाना क्षेत्र के रातंगा गांव में सहदेव राम भाकर की पत्नी करिश्मा ने गुरुवार सुबह 4 बजे अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों के प्रेम विवाह से नाराज करिश्मा के पीहर पक्ष के लोगों ने उसके पति सहदेव की हत्या गत 14 जून को कर दी थी। सहदेव का शव जायल थाना क्षेत्र के तेजासर गांव के मेहरवास रोड पर एक खेत में मिला था। सहदेव की हत्या के आरोप में उसके सगे चावा सहित अन्य आरोपी पकड़े जाने के बाद करिश्मा ने अपने पति की हत्या के आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग

की थी। करिश्मा पति की मौत का सदमा ज्यादा दिन सहन नहीं कर पाई और आज सुबह यानी गुरुवार तड़के उसने अपने ससुराल रातंगा में कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

रोल थाने के हेड कांस्टेबल नेनुराम ने बताया कि करिश्मा ने घर में ही फांसी लगाई है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परिवार के लोगों ने बताया कि करिश्मा के पेट में दो-तीन महीने का गर्भ भी था, जो दो-तीन दिन पहले ही गिर गया था। एक तो पति की मौत और उसके बाद गर्भ गिरने से वह सदमे में थी।

हैदराबाद के शहरी विकास में एक गेम-चेंजर : श्रीधर बाबू

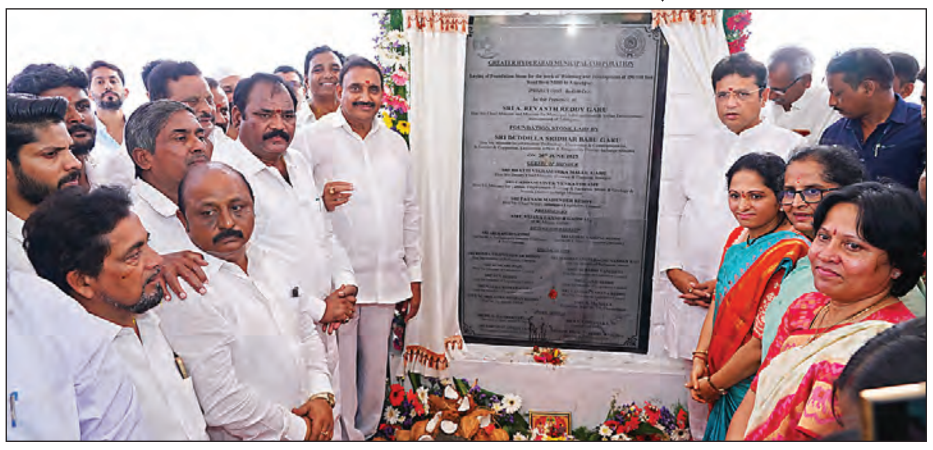

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने एच-सिटी परियोजना को हैदराबाद की विकास यात्रा मचें एक गेम-चेंजर बताया। गुरुवार को यहां एनएच-65 से अमीनपुर तक 45 करोड़ रुपये की लागत से एक प्रमुख सड़क चौड़ीकरण पहल के शिलान्यास समारोह में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि यह परियोजना हैदराबाद को शहरी उत्कृष्टता के लिए एक राष्ट्रीय रोल मॉडल में बदलने के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। फ्लाईओवर, अंडरपास बनाने और प्रमुख सड़क गलियारों का विस्तार करने के लिए 7,032 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एच-सिटी परियोजना शुरू की गई थी। हमारा लक्ष्य यातायात की भीड़ को कम करना, यात्रा के समय में कटौती करना, सड़क संपर्क में सुधार करना और शहर को पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ तरीके से विकसित करना है। शहर की आबादी तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में शहरी दबाव को कम करने और नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला जीवन सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हैं।

मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने पहले ही टीएसआरटीसी के तहत 1,000 इलेक्ट्रिक बसें तैनात करने की योजना बनाई है और सीएम रेवंत रेड्डी की प्रतिबद्धता के अनुसार अतिरिक्त 800 ई-बसों पर विचार किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने भी इस मोर्चे पर सहयोग करने की इच्छा दिखाई है। एआई-सक्षम ट्रैफ़िक सिग्नल सिस्टम शुरू किए जा रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, हम अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके पैदल यात्रियों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। श्रीधर बाबू ने इस बात पर जोर दिया कि विकास के लिए राज्य सरकार का दृष्टिकोण समावेशी और शहरव्यापी है, न कि कुछ क्षेत्रों तक सीमित है।

जबकि कुछ व्यक्ति जानबूझकर गलत सूचना फैला रहे हैं, लोगों ने एचसीयू भूमि मुद्दे में उनके कार्यों को देखा है। हम अडिग हैं। हमारा एकमात्र लक्ष्य विकास, पारदर्शी, जन-केंद्रित और न्यायसंगत है। हम आपके लिए काम करने वाली सरकार के लिए आपका आशीर्वाद और सहयोग चाहते हैं। इस कार्यक्रम में स्थानीय विधायक अरिकेपुडी गांधी, पार्षद मंजुला और रागम नागेंद्र यादव सहित अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हुए।

200 ग्राम चोरी के सोने के साथ आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राजकीय रेलवे पुलिस हैदराबाद ने एक चोर को गिरफ्तार किया है जिसने लिंगमपल्ली-काकीनाडा विशेष एक्सप्रेस ट्रेन में एक यात्री से सोने के गहने चुराए थे। पुलिस ने उसके पास से 200 ग्राम सोने के गहने बरामद किए हैं।

राजकीय रेलवे पुलिस के डीएसपी एसएन जावेद के अनुसार, संदिग्ध बल्ला सागर अनिल कुमार (32), जो कुतबुल्लापुर का निवासी है और नलगोंडा जिले का मूल निवासी है, ने एक यात्री से सोने के गहने चुरा लिए थे। एसएन जावेद ने बताया, अनिल कुमार को लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध तरीके से घूमते हुए पकड़ा गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से सोने के गहने बरामद हुए। अनिल कुमार ने स्वीकार किया कि उसने एक यात्री से सोने के गहने चुराए थे। उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया।

सशस्त्र बलों के दिग्गजों, वीर नारियों के लिए जागरूकता-सह-प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ) क्षेत्रीय कार्यालय तेलंगाना और एपी राज्य, सिकंदराबाद द्वारा एमसीएमई ऑडिटोरियम में मुख्यालय टीएमएसए के तत्वावधान में दिग्गजों, वीर नारियों और सशस्त्र बलों के आश्रितों के लिए डिजिटल और उद्यमशीलता सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता-सह-प्रशिक्षण और इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया गया।

यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के प्रमुख के तहत सीएसई ई-गवर्नेंस सर्विस इंडिया लिमिटेड द्वारा भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों को एक कॉमन सर्विस सेंटर टाउन/विलेज लेवल उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत तेलंगाना और एपी राज्य के एडब्ल्यूपीओ क्षेत्रीय कार्यालय के निदेशक कर्नल बीजी बुधोरी के प्रेरक उद्घाटन भाषण के साथ हुई, जिसके बाद सीएससी ई-गवर्नेंस के सीनियर वीपी और राज्य प्रमुख डॉ विग्नेश सोरनामोहन और उनकी टीम द्वारा व्याख्यान-सह-प्रशिक्षण सत्र हुआ। तेलंगाना और एपी राज्य से 12 वीर नारियों और आश्रितों सहित लगभग 300 पूर्व सैनिकों और 36 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। प्रश्न-उत्तर सत्र के दौरान दिखाया गया उत्साह कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है और उन लोगों को प्रेरित करता है जो सेवानिवृत्ति के बाद दूसरे करियर के लिए समाधान की तलाश कर रहे हैं और स्व-नियोजित डिजिटल उद्यमी बन रहे हैं।

कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प से मनकोंदुर में तनाव

करीमनगर, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मनकोंदूर मंडल मुख्यालय में गुरुवार को उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब कांग्रेस और बीआरएस कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की, जिसके कारण थोड़ी देर के लिए झड़प भी हुई। पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में किया तथा दोनों समूहों को शांतिपूर्वक वहां से जाने के लिए राजी किया। इंदिराम्मा आवास योजना की मंजूरी में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए बीआरएस ने मनकोंदूर में धरना देने की योजना बनाई थी। विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए, बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी प्रदर्शन का मुकाबला करने के लिए वहां एकत्र हुए।

केटीआर ने जुराला गेट की विफलता के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की

> रखरखाव में लापरवाही का हवाला

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने बुधवार को प्रियदर्शिनी जुराला परियोजना के गेट नंबर 9 की विफलता के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यह घटना समय पर रखरखाव कार्य करने में सरकार की लापरवाही का प्रत्यक्ष परिणाम है। गुरुवार को जुराला परियोजना में परिचालन संबंधी समस्याएं सामने आईं, जब क्रेस्ट गेट नंबर 9 नहीं खुल पाया, क्योंकि इसकी दो रस्सी केबल में से एक टूट गई, जबकि जलाशय में पानी का प्रवाह लगातार बढ़कर 53,000 क्यूसेक हो गया। परियोजना में कुल 62 क्रेस्ट गेट हैं।

रामा राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण में एक भी ईंट नहीं रखी है, फिर भी हर साल बाढ़ के खतरों के बावजूद जुराला स्पिलवे जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के बिंदुओं पर बुनियादी रखरखाव सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। उन्होंने परियोजना के अन्य गेटों की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, सरकार को तुरंत निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सचेत करना चाहिए और तत्काल निवारक उपाय करने चाहिए क्योंकि बाढ़ का स्तर लगातार बढ़ रहा है। जुराला परियोजना की सुरक्षा और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। रामा राव ने बुनियादी ढांचे की विफलताओं की एक श्रृंखला के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिसमें एसएलबीसी सुरंग के ढहने से आठ लोगों की मौत, पेद्दावगु में दरार के बाद 16 गांवों में बाढ़, वट्टेम पंप हाउस का जलमग्न होना, और सुंकीशाला रिटेनिंग दीवार का ढहना जैसी घटनाएं शामिल थीं। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रत्येक घटना लापरवाही और प्रशासनिक विफलता के कारण हुई, जिसके परिणामस्वरूप काफी जन हानि हुई।

जैव विविधता का संरक्षण भविष्य की खाद्य प्रणालियों और अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण

संगारेड्डी, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की रेजिडेंट प्रतिनिधि डॉ. एंजेला लुसिगी ने गुरुवार को पटनचेरु में अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) में आयोजित एक उच्च स्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान कहा कि जैव विविधता का संरक्षण ही अर्थव्यवस्था, खाद्य प्रणालियों और भविष्य को सुरक्षित रखने का एकमात्र तरीका है।

डॉ. लुसिगी ने कहा कि भारत ने कृषि क्षेत्र में जैवविविधता-नकारात्मक सब्सिडी से जैवविविधता-सकारात्मक या तटस्थ निवेश की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, इस बदलाव को गति देने के लिए हमें मजबूत भागीदारी के माध्यम से एकजुट होना चाहिए, उन्होंने सभी हितधारकों से प्रकृति-सकारात्मक समाधानों को आगे बढ़ाने में मिलकर काम करने का आह्वान किया। 'जैव विविधता की सुरक्षा के लिए कृषि में सार्वजनिक नीतियों और कार्यक्रमों का पुन: प्रयोजन' विषय पर आयोजित इस गोलमेज सम्मेलन का आयोजन भारतीय अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) और यूएनडीपी की जैव विविधता वित्त पहल (बीआईओएफआईएन) ने आईसीआरआईएसएटी के सहयोग से संयुक्त रूप से किया था। आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने कृषि जैव विविधता को संरक्षित करने में संस्थान की भूमिका पर प्रकाश डाला, खास तौर पर सीजीआईएआर के 11 अंतर्राष्ट्रीय जीन बैंकों के माध्यम से। उन्होंने कहा कि आज कृषि की भूमिका खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने से कहीं आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा को भी शामिल करना चाहिए।

इस सभा को ऐतिहासिक गोलमेज बताते हुए राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण के अध्यक्ष सी अचलेंद्र रेड्डी, आईएफएस (सेवानिवृत्त) ने जैवविविधता के मुद्दों पर राजनीतिक नेताओं और नीति निर्माताओं को संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जैवविविधता को मुख्यधारा में लाने में भारत की प्रगति प्रस्तुत की, और बताया कि भारत कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा पर हस्ताक्षर करने वाले 46 देशों में से एक है। रेड्डी ने कहा कि भारत ने अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्य तैयार किए हैं और तेलंगाना देश का पहला राज्य है, जिसने नए वैश्विक ढांचे के अनुरूप राज्य जैव विविधता कार्य योजना विकसित की है।

प्रदर्शन कर रहे बीआरएस कार्यकर्ताओं को लिया गया हिरासत में

आदिलाबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद में गुरुवार को हल्का तनाव व्याप्त हो गया, जब पुलिस ने जयनाथ मंडल केंद्र पर धरना दे रहे बीआरएस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। वे अपने घरों में बारिश का पानी घुसने से रोकने के लिए कार्रवाई की मांग कर रहे थे। जलभराव से प्रभावित निवासियों ने बताया कि बारिश का पानी उनके घरों में घुस गया है, जिससे उन्हें भारी असुविधा हो रही है। उन्होंने बाढ़ के लिए सड़क की ऊंचाई बढ़ाए जाने को जिम्मेदार ठहराया, जिसे हाल ही में सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत ऊंचा किया गया था। प्रभावित क्षेत्र के परिवारों ने बीआरएस के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन किया और सड़क को घेर लिया, तथा अधिकारियों से निवारक उपाय लागू करने का आग्रह किया। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जबरन हटाकर तथा उन्हें पुलिस वाहन में बंद करके विरोध को विफल कर दिया। इस कार्रवाई को लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच बहस छिड़ गई। पीड़ित निवासियों ने आरोप लगाया कि उन्हें सिर्फ़ अपनी बार-बार की परेशानियों के समाधान की मांग करने के लिए दंडित किया जा रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि. 21-07-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1. निविदा सूचना संख्या व तिथि: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई05-ओटी-25-26 दि.26-06-2025 कार्य विवरण- विजयवाडा डिवीजन: सिग्नल व दूरसंचार विभाग: दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) के बीजेडए डिवीजन के विजयवाडा टेस्ट रूम में डाटालागर सर्वर्स के अद्यतन या अपग्रेडेशन सहित तत्संबंधित एस एण्ड टी कार्य तथा विजयवाडा डिवीजन के एसएसई/सिग्नल कार्यालयों के लिए नेटवर्किंग सुविधा एवं फर्नीचर का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु.3,97,66,935.42 पूर्व धरोहर राशि(**पूधरा**) रु.3,48,800.00 केवल आनलाईन या बिड सेक्युरिटी के माध्यम से ही **सीटीबी : रु. शून्य कार्य पूरा करने की अवधि:** 180 दिन

2. निविदा सूचना संख्या व तिथि: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई06-ओटी-25-26 दि.26-06-2025 **कार्य विवरण-**विजयवाडा डिवीजन: सिग्नल व दूरसंचार विभाग: विजयवाडा डिवीजन के डाटालागर सिस्टम पर आधारित सेफ्टी पाइण्ट अलार्म / पाइण्ट रिवर्सल अलार्म सिस्टम के प्रावधान सहित तत्संबंधित एस एण्ड टी कार्य। निविदा मूल्य: रु.23,51,740.00 पूर्व धरोहर राशि(**पूधरा**) रु.47000.00 केवल आनलाईन या बिड सेक्युरिटी के माध्यम से ही **सीटीबी:रु. शून्य** कार्य पूरा करने की अवधि: 180 दिन

बंद करने की तिथि व समय : 21-07-2025 के 15.30 बजे

भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित कोई भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

विभागीय रेल प्रबंधक (एस एण्ड टी), विजयवाडा

खुली निविदा सूचना सं.बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-13-2025-26 दि.25-06-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरईपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

1.निविदा सं. बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-13-2025-26 **कार्य विवरण:** बीजेडए डिवीजन के ओएचइ/पीएसआय इनफ्रास्ट्रक्चर या बुनियादी संरचनाओं के लिए रिलायबिलीटी का सुधार कार्य। **अनुमानित लागत:** रु. 2,13,50,929.40 कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने बोली सुरक्षा(**पूधरा**)रु.2,56,800.00 **बंद करने की तिथि:** 18.07.2025 के 15-00 बजे

1.निविदा प्रपत्र मूल्य: रु. शून्य

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ टीआरडी/विजयवाडा

खुली निविदा सूचना सं. बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-14-2025-26 दि.25-06-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु आईआरईपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

1.निविदा सं.बी-इ29-टीआरडी-टीएनडीआर-14-2025-26 कार्य विवरण: टीआरडी/बीजेडए डिवीजन के ओएचइ मास्ट्स/स्ट्रक्चर्स/पोर्टल्स/टीटीसीज पर, बंदरों के उछलकूद व चढ़ने को रोकने के लिए, बंदरों के प्रवण क्षेत्रों में मन्की क्लाईंबिंग डिवाइसेज का प्रावधान व्यवस्था। अनुमानित लागत रु.1,02,70,250.00 **कार्य पूरा करने की अवधि:** 09 महिने बिड सेक्युरीटी(पूधरा) रु.2,01,400.00 बंद करने की तिथि: 22-07-2025 के 15.00 बजे

1.निविदा प्रपत्र मूल्य:रु.शून्य

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/विजयवाडा ए0954

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

पुलिस ने मेदक सांसद रघुनंदन राव की सुरक्षा बढ़ाई

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस विभाग ने मेदक सांसद रघुनंदन राव की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। माओवादियों की ओर से हाल ही में मिली धमकी के बाद सांसद की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया गया है। धमकी भरे कॉल की पुलिस जांच में पुष्टि हुई है कि मेदक सांसद रघुनंदन राव को सुरक्षा की जरूरत है। अब से रघुनंदन राव के दौरे के दौरान उन्हें सशस्त्र पुलिस कर्मियों की सुरक्षा मिलेगी।

एसीबी ने आरटीए कार्यालय में तलाशी ली

पेद्दापल्ली, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारी गुरुवार को पेद्दापल्ली क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) कार्यालय में अचानक छापेमारी कर रहे हैं। डीएसपी विजय कुमार के नेतृत्व में करीमनगर की एक एसीबी टीम जिला परिवहन अधिकारी और वाहन निरीक्षक के कार्यालयों को अपने नियंत्रण में लेकर कार्रवाई कर रही है।

पंजाब नैशनल बैंक द्वारा चित्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, के सीजीएम सुनील कुमार चुघ की अध्यक्षता में अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा नराकास (बैंक एवं बीमा),के तत्वावधान में चित्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को कला, संस्कृति, पर्यावरण, लोक-व्यवहार एवं अन्य सामयिक विषयों पर आधारित चित्र दिये गये, प्रतिभागियों द्वारा जिनके उत्तर रूप में शीर्षक दिये गये।

प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए सुनील कुमार चुघ, अंचल प्रबंधक ने कहा कि इस वर्ष राजभाषा विभाग अपनी स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहा है। आज का यह आयोजन स्वर्ण जंयती वर्ष के उपलक्ष्य में एक सृजनात्मक पहल है। हिंदी प्रतियोगिताओं के आयोजन के माध्यम से स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत विकास, सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास को बेहतर बल मिलता है। उप-अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्रीमती वन्दना पाण्डेय ने आज के आयोजन को सृजनशीलता को प्रोत्साहित करने वाला बताया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. साकेत सहाय द्वारा किया गया। बैंक की ओर से सभी प्रतिभागियों को उपहार स्वरूप हिंदी के महान साहित्यकारों की कृतियां दी गई। इस अवसर पर श्यामा कुमार, सहायक महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय एवं प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक के रूप में रविन्द्र कुमार, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय स्टेट बैंक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में राजा सुधीर, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), मंडल कार्यालय, सिकंदराबाद रहे।

शमशेरगंज स्थित शिव मंदिर गौशाला में अमावस्या के अवसर पर चारा खिलाते हुए श्रद्धालु तथा इस अवसर पर कावड़ यात्रा का पोस्ट रिलीज करते हुए सदस्य।

आयात शुल्क में कटौती के बाद पाम तेल किसानों को नुकसान

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में तेल पाम किसान गंभीर संकट से जूझ रहे हैं क्योंकि कच्चे पाम तेल (सीपीओ) और अन्य खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में कटौती के केंद्र सरकार के फैसले के बाद ताजे फल गुच्छा (एफएफबी) की कीमतों में भारी गिरावट आई है। इस साल 31 मई से प्रभावी शुल्क कटौती से एफएफबी की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 20,058 रुपये से घटकर 18,748 रुपये प्रति टन हो गई है, जो वैश्विक बाजार के रुझान और बढ़े हुए आयात को दर्शाता है।

यह तीव्र गिरावट, बढ़ती लागत और संरचनात्मक चुनौतियों के साथ मिलकर, राज्य भर में हजारों छोटे किसानों की आजीविका के लिए खतरा बन रही है। स्थानीय कीमतों को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक, वैश्विक पाम कर्नेल तेल बाजार भी दबाव में रहा है। अमेरिका में, कीमतें गिर रही हैं, जबकि मलेशिया में, दरें नीचे की ओर चल रही हैं, जो वर्तमान में सितंबर 2024 से 1,345 अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर चल रही हैं। विश्लेषक इसका श्रेय खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्योगों से अधिक आपूर्ति और कम मांग को देते हैं।

तेलंगाना में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का अभाव एक गंभीर मुद्दा साबित हो रहा है। किसानों ने बाजार में उतार-चढ़ाव से बचने के लिए 25,000 रुपये प्रति टन के एमएसपी की मांग की है। किसानों का कहना है, कम कीमतें और एमएसपी का न होना हमारे लिए अभिशाप बन गया है।

खेती की बढ़ती लागत उनकी परेशानियों को और बढ़ा रही है। मजदूरी दर 300 रुपये से बढ़कर 800 से 1,000 रुपये प्रतिदिन हो गई है। उर्वरक और कीटनाशकों की कीमतें 120 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। इन समस्याओं को और भी बदतर बना रही है खराब गुणवत्ता वाले पौधे, जिनमें से 10-50 प्रतिशत घटिया बताए गए हैं। कई पौधे चार साल की गर्भधारण अवधि के बाद विफल हो जाते हैं, जिससे किसानों को उन्हें उखाड़कर फिर से लगाना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप भारी वित्तीय नुकसान होता है।

इस क्षेत्र में रसद संबंधी समस्याएं भी हैं। प्रसंस्करण मिलों तक सीमित पहुंच के कारण एफएफबी खराब हो जाता है, जिससे किसानों की आय में और कमी आती है।

तेल पाम, एक जल-गहन फसल है जिसके लिए प्रति पेड़ प्रतिदिन 200-300 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, यह भी तेलंगाना के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में भूजल को कम कर रहा है। राज्य सरकार 2026-27 तक पाम ऑयल की खेती को 8.09 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने की कोशिश कर रही है, जिसमें 26,000 रुपये प्रति एकड़ की सब्सिडी और बायबैक गारंटी शामिल है, लेकिन किसानों की शिकायत है कि वादा किया गया समर्थन या तो देरी से मिल रहा है या फिर असंगत है। उनका यह भी आरोप है कि कंपनियों की प्रतिबद्धताएं अविश्वसनीय हैं।

आयात शुल्क में कटौती से तेल रिफाइनरियों को फ़ायदा हुआ है, जो अब सस्ते आयातित तेलों से भर गई हैं। हालांकि, खुदरा खाद्य तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, 20 जून तक पाम ऑयल अभी भी 116.10 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं मिल रही है।

राज्य सरकार ऑयलफेड के माध्यम से जोर देकर कहती है कि वह प्रोत्साहनों के साथ तेल पाम उत्पादकों का समर्थन कर रही है, किसानों का कहना है कि और अधिक करने की आवश्यकता है। महबूबाबाद के एक किसान ने कहा, हमें एमएसपी, बेहतर पौधे और अधिक मिलों की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि तत्काल हस्तक्षेप के बिना, किसान तेल पाम की खेती छोड़ना शुरू कर सकते हैं, जैसा कि देश के अन्य हिस्सों में पहले से ही हो रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एससीओ में पाकिस्तानी ...

भारत ने इससे नाराजगी जाहिर करते हुए स्टेटमेंट पर साइन नहीं किए। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले का पैटर्न भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकी हमलों जैसा था। सीमा पार से होने वाले आतंकी हमलों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया।

कुछ देश सीमा पार आतंकवाद को अपनी नीति मानते हैं और आतंकवादियों को पनाह देते हैं। फिर इसे इनकार करते हैं। ऐसे डबल स्टैंडर्ड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समझना होगा कि अब आतंकवाद के एपिसेंटर सेफ नहीं हैं। राजनाथ ने कहा, एससीओ को ऐसे देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी मौजूद थे। दूसरी तरफ राजनाथ सिंह ने बैठक में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ से भी मुलाकात नहीं की है।

उग्रवाद और आतंकवाद सबसे बड़ी चुनौती :

राजनाथ ने आगे कहा, मेरा मानना है कि सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं। इन समस्याओं की असल वजह कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद में बढ़ोत्तरी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है और हमें अपनी सामूहिक सुरक्षा और संरक्षा के लिए इन बुराइयों के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट होना चाहिए।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस :

राजनाथ ने कहा भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति आज हमारे एक्शन में भी नजर आती है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ स्वयं की रक्षा करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे।

देशों के बीच संघर्ष रोकने के लिए संवाद की जरूरत

भारत का मानना है कि संवाद के बिना देशों के बीच संघर्ष को नहीं रोका जा सकता। इसके लिए सभी को साथ आना होगा। कोई भी देश, चाहे वह कितना भी बड़ा और शक्तिशाली क्यों न हो, अकेले काम नहीं कर सकता। साथ मिलकर काम करने की हमारी पुरानी परंपरा रही है। यह हमारी सदियों पुरानी संस्कृत कहावत 'सर्वे जन सुखिनो भवन्तु' को भी दर्शाता है, जिसका अर्थ है सभी के लिए शांति और समृद्धि।

ग्लोबल चैलेंज में सभी एक साथ आएं :

कोरोना वायरस से यह साबित हो गया कि महामारियों की कोई सीमा नहीं होती। जब तक सभी सुरक्षित नहीं हो जाते, तब तक कोई भी सेफ नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि कैसे महामारी, जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां हमारे जन-जीवन का प्रभावित कर सकती हैं। इनसे निपटने के लिए सभी देशों को एकजुट होना पड़ता है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई-ईसीबी सऊदी टी20 लीग के विरोध में

नहीं देंगे खिलाड़ियों को एनओसी; सऊदी की एसआरजी स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स 4400 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली 26 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड सऊदी अरब की ओर से शुरू किए जाने वाले वर्ल्ड टी-20 लीग का विरोध करेंगे।

लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान ईसीबी और बीसीसीआई ने इस नई लीग का विरोध करने का फैसला किया। दोनों बोर्ड अपने खिलाड़ियों को इस लीग में खेलने के लिए 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' नहीं देंगे और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से भी इसे मंजूरी न देने की अपील करेंगे।

ईसीबी के साथ बीसीसीआई का गठबंधन इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत-पाक के बीच तनाव के कारण आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव किया गया था। आईपीएल के प्ले ऑफ के मैच के दौरान ही वेस्टइंडीज-इंग्लैंड की वनडे सीरीज के भी मुकाबले थे। इसकी वजह से ईसीबी ने जोस बटलर, जैकब बेथेल और विल जैक्स को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी गई थी। जिसके बाद बीसीसीआई के साथ संबंध खराब होने की चर्चा हो रही थी।

सऊदी की एसआरजे स्पोर्ट्स इन्वेस्टमेंट्स ने इस नई लीग के लिए 400 मिलियन (लगभग 4400 करोड़ रुपये) निवेश करने की योजना बनाई है, जिसमें आठ टीमें हर साल चार अलग-अलग जगहों पर टूर्नामेंट खेलेंगी, जैसे टेनिस के ग्रैंड स्लैम खेला जाता है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस लीग के पक्ष में

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इस नई लीग के पक्ष में है। वह चार में से एक टूर्नामेंट अपने यहां कराने के लिए भी राजी है। क्योंकि उनकी बिग बैश लीग में अभी तक बड़ा निजी निवेश नहीं हुआ है।

दूसरी ओर, ईसीबी ने अपनी द हंड्रेड लीग की 49% हिस्सेदारी बेचकर 520 मिलियन (लगभग 5700 करोड़ रुपये) कमाए हैं, और क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने SA20 लीग की फ्रेंचाइजी बेचकर ने 100 मिलियन (5000 करोड़)से ज्यादा जुटाए हैं।

भारत-इंग्लैंड के बिना लीग का महत्व कम हो सकता है

भारतीय और इंग्लिश खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से इस नई लीग का महत्व कम हो सकता है। वहीं, वर्ल्ड कैलेंडर पहले ही 20 से ज्यादा T20 और 10 ओवर की लीग से भरा है।

आईसीसी ने अभी इस लीग पर कोई औपचारिक फैसला नहीं किया है। वहीं उसके बीसीसीआई के खिलाफ जाने की संभावना भी कम है। आईसीसी के नए चेयरमैन जय शाह पहले बीसीसीआई के सचिव रह चुके हैं और भारत के गृह मंत्री अमित शाह के बेटे हैं। हालांकि, आईसीसी के सऊदी अरब के साथ भी करीबी रिश्ते हैं। ICC ने सऊदी की सरकारी तेल कंपनी अरामको के साथ चार साल का 70 मिलियन प्रति वर्ष का करार किया है।

लीग के सामने चुनौती

आईसीसी के मौजूदा नियमों के तहत नई T20 लीग में प्रत्येक टीम में केवल चार विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं, जो सऊदी अरब जैसे देश के लिए मुश्किल है, जहां स्थानीय खिलाड़ियों की संख्या सीमित है। आईपीएल, बिग बैश और द हंड्रेड की सफलता की मुख्य वजह विदेशी और स्थानीय खिलाड़ियों का संतुलन है। अगर सऊदी लीग में सात खिलाड़ी सऊदी अरब या अन्य छोटे क्रिकेट देशों से होंगे, तो यह स्पॉन्सर्स और प्रसारकों के लिए आकर्षक नहीं होगा।

कार्लसन के साथ 9 साल के आरित ने ड्रॉ खेला

अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे टूर्नामेंट में किया कारनामा; भारत के वी. प्रणव बने चैंपियन

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। भारत के 19 साल के गुकेश के बाद अब 9 साल के आरित कपिल ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला है। दिल्ली के आरित ने कार्लसन को ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे' में ड्रॉ पर रोक दिया। आरित ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन के हर मूव का शानदार जवाब दिया और उन्हें पूरी तरह हार की स्थिति में पहुंचा दिया था।

हालांकि, मैच के आखिरी पलों में आरित के पास समय बहुत कम बचा था। सिर्फ कुछ सेकंड बचे होने के कारण वह अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके और मुकाबला ड्रॉ हो गया।

गुकेश से हारने के बाद कार्लसन ने चेस बोर्ड पर गुस्सा उतारा था

हाल ही में डी गुकेश का सामना करते हुए जब मैग्नस कार्लसन को हार मिली थी, तो उन्होंने अपनी झल्लाहट को खेल की मेज पर दिखाया था। हाथ पटककर उन्होंने सारे मोहरे गिरा दिए और चेस रूम से बाहर चले गए। वहीं, आर प्रागननंदा 16 वर्ष की उम्र में कार्लसन का हरा चुके हैं।

कार्लसन के खिलाफ ड्रॉ, एक बड़ी उपलब्धि

कार्लसन को शतरंज इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे 2013 से 2023 तक वह वर्ल्ड चैंपियन रहे हैं। उन्होंने क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज तीनों फॉर्मेट में वर्ल्ड खिताब जीते हैं। नॉर्वे के इस दिग्गज खिलाड़ी को मात देना या उनके खिलाफ ड्रॉ निकालना किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि होती है, और नौ साल के आरित ने यह कर दिखाया।

भारत के वी. प्रणव बने विजेता

वहीं इस टूर्नामेंट में भारत के ही वी. प्रणव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 में से 10 अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और मैग्नस कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक प्राप्त किए, लेकिन टाईब्रेक के आधार पर नीमन को दूसरा स्थान मिला।

सूर्यकुमार यादव की जर्मनी में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई

फोटो पोस्ट कर दी जानकारी; लिखा- सर्जरी के बाद रिकवरी कर रहा हूं

मुंबई, 26 जून (एजेंसियां)। भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का जर्मनी के म्यूनिख में पेट की दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया का सफल ऑपरेशन हुआ। 34 साल के सूर्या ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, 'लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाएं ओर स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हो गई है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सफल ऑपरेशन के बाद अब मैं रिकवरी की राह पर हूं।'

अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करेगी टीम इंडिया

भारतीय टीम को अगस्त महीने में बांग्लादेश का दौरा करना है। टीम को वहां 17 अगस्त से 3 वनडे और 3 टी-20 मैच की सीरीज खेलनी है। टी-20 सीरीज 26 अगस्त से शुरू होगी। फिलहाल, भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई है।

मुंबई की ओर से 700 से ज्यादा रन बनाए

सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए 700 से अधिक रन बनाए। फिर वे मुंबई प्रीमियर लीग टी-20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

सूर्या ने 2021 में इंटरनेशनल डेब्यू किया

सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2021 में भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की। पहले ही मैच में उन्होंने छक्के से शुरुआत की। उनका वनडे डेब्यू भी 2021 में हुआ। फरवरी 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका टेस्ट डेब्यू हुआ, हालांकि यह उनका एकमात्र टेस्ट मैच है। उन्होंने अब तक 83 टी-20 मैचों में 2598 रन बनाए हैं। वहीं, 37 वनडे में उनके नाम 773 रन हैं।

एआईसीएफ ने खिलाड़ियों के लिए वजीफा योजना शुरू की

नई दिल्ली, 26 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शीर्ष राष्ट्रीय खिलाड़ी वजीफा योजना (टीएनपीएसएस) शुरू करने की घोषणा की जो प्रतिभा विकास में मदद करने के लिए एक वित्तीय सहायता पहल है।

एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग की इस परियोजना का उद्देश्य जमीनी स्तर से शतरंज खिलाड़ियों को तैयार करना है।

एआईसीएफ शीर्ष युवा शतरंज प्रतिभाओं के खातों में 60 हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक की पहली तिमाही वजीफा राशि तुरंत भेज रहा है। अप्रैल से जून के महीनों के लिए कुल 42.30 लाख रुपये वितरित किए जाएंगे।

अंडर-सात से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के खिलाड़ी इस योजना के लाभार्थी होंगे।

नारंग ने कहा, ''यह सिर्फ एक योजना नहीं है। यह दर्शाता है कि हम भारत के हर युवा शतरंज खिलाड़ी पर कितना गहरा विश्वास करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''हमारे इतिहास में पहली बार हम 39 लड़कियों और 39 लड़कों के भविष्य में सीधे निवेश कर रहे हैं। उन्हें अपनी प्रतिभा को सफलता में बदलने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान कर रहे हैं।''

आकाश चोपड़ा ने टीम मैनेजमेंट के फैसले पर जताई नाराजगी, कहा- क्यों नहीं छिपाई ये बात?

खेल डेस्क, 26 जून (एजेंसियां)। भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच लीड्स में खेला गया, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में मिली हार के बाद टीम इंडिया की फील्डिंग और गेंदबाजी पर काफी सवाल भी उठे। जसप्रीत बुमराह को छोड़कर पहले टेस्ट मैच में ओर कोई भारतीय गेंदबाज खास प्रदर्शन नहीं कर पाया था। पहली पारी में बुमराह ने 5 विकेट चटकाए थे। वहीं अब ये भी साफ हो गया है कि बुमराह इस सीरीज के सभी मैच नहीं खेल पाएंगे। वहीं इस बात को पहले से ही उजागर करने के लिए पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़ा किया है।

टीम मैनेजमेंट के इस फैसले से नाखुश आकाश चोपड़ा

दरअसल सीरीज शुरू होने से पहले ही साफ हो गया था कि जसप्रीत बुमराह 5 मैच नहीं खेल पाएंगे। वहीं पहले मैच में मिली हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने भी इस बात को साफ कर दिया था कि बुमराह सीरीज के सभी मैच नहीं खेल पाएंगे, वे सिर्फ 3 मैच में ही टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। इसको लेकर टीम इंडिया के मैनेजमेंट पर सवाल उठाते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा "बुमराह इस सीरीज के 3 ही मैच खेलेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि इसको पब्लिसाइज करने की क्या जरुरत थी। इसको सीक्रेट क्यों नहीं रखा गया? हम तो अपनी टीम भी नहीं बताते तो फिर इसको भी मत बताओ न। जब हम अपनी टीम मैच से पहले अनाउंस नहीं करते तो फिर बार-बार ये क्यों बताना कि बुमराह कितने मैच खेलेंगे?"

आगे उन्होंने कहा मेरा मानना है कि "इंग्लैंड को अंदाजा लगाने दो, कि बुमराह खेलेंगे या नहीं। बुमराह 3 मैच खेलेंगे, जिसमें से वे एक मैच खेल चुके हैं और आपको पता है वे अब 2 मैचों में ही उपलब्ध होंगे जो अच्छा नहीं है। इस बात के सामने आने से विपक्षी टीम मानसिक रूप से मजबूत हो जाएगी।"

4 जुलाई से खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच एजबेस्टन में खेला जाएगा। इंग्लैंड इस सीरीज में 1-0 की बढ़त बना चुकी है। पहले मैच में टीम इंडिया की तरफ से 5 शतक देखने को मिले थे, बावजूद इसके टीम को हार का सामना करना पड़ा। अब देखने वाली बात होगी कि दूसरे टेस्ट मैच में कप्तान शुभमन गिल कितने बदलाव के साथ उतरते हैं? दूसरा मैच 4 जुलाई से खेला जाएगा।

हर्षित राणा को टीम इंडिया से रिलीज किया गया

बर्मिंघम नहीं गए; पहले टेस्ट के लिए टीम में शामिल किए गए थे

लीड्स, 26 जून (एजेंसियां)। भारत के तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे टेस्ट से पहले टीम से रिलीज कर दिया गया है। युवा गेंदबाज को पहले टेस्ट में कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा टीम के साथ लीड्स से बर्मिंघम नहीं गए हैं।

टीम इंडिया लीड्स से बर्मिंघम रवाना

भारतीय टीम लीड्स से बर्मिंघम के लिए रवाना हो गई। टीम अगले दो दिन आराम करेगी और फिर दूसरा टेस्ट शुरू होने से पहले ट्रेनिंग शुरू करेगी। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से खेला जाना है। भारतीय टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है।

कोच ने राणा को टीम से रिलीज के दिए थे संकेत

कोच गौतम गंभीर ने राणा के बारे में कहा, 'मैंने अभी चीफ सिलेक्टर से बात नहीं की है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को छोटी-मोटी चोट की आशंका थी। इसलिए हमने उन्हें बैकअप के तौर पर रखा था। लेकिन अब सब ठीक लग रहा है, तो अगर सब फिट हैं, तो उन्हें वापस जाना होगा।'

हर्षित राणा

इंटरनेशनल क्रिकेट करियर

फॉर्मेट	मैच	विकेट	इकोनॉमी रेट
टेस्ट	2	4	4.51
वनडे	5	10	5.69
टी-20I	1	3	8.25

5 खिलाड़ियों के शतक के बाद भी हेडिंग्ले टेस्ट हारा भारत

हेडिंग्ले टेस्ट में पांच बल्लेबाजों के शतक लगाने के बाद भी टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। यह टेस्ट इतिहास में पहली बार हुआ कि किसी टीम ने पांच शतक लगाने के बावजूद मैच गंवाया। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत (दो बार) ने शतक बनाए, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 371 रनों का लक्ष्य हासिल कर पांच विकेट से जीत दर्ज की।

बेन डकेट ने दूसरी इनिंग में 149 रनों की पारी खेली। दोनों टीमों के बीच कुल 1673 रन बने, जो भारत-इंग्लैंड टेस्ट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 जुलाई को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

ब्रिजटाउन टेस्ट- ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 180 पर ऑलआउट

हेड का अर्धशतक, सील्स 5, जोसेफ ने 4 विकेट लिए; पहले दिन वेस्टइंडीज 57/4

ब्रिजटाउन, 26 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया मैच के पहले दिन पहली पारी में 180 रन पर ऑलआउट हो गई। दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने 4 विकेट खोकर 57 रन बना लिए हैं। ब्रैंडन किंग (23) और कप्तान रोस्टन चेज (1) नाबाद लौटे।

चार बल्लेबाज ही छू सके दहाई का आंकड़ा

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों का पहली पारी में काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा। टीम के केवल चार बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा छू सके। ट्रेविस हेड 59, उस्मान ख्वाजा 47, कप्तान पैट कमिंस 28 और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर ने 11 रन बनाए।

सील्स 5 और जोसेफ ने 4 विकेट लिए

वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में जेडन सील्स और शमार जोसेफ ने शानदार गेंदबाजी की। सील्स अपने 15.5 ओवरों के स्पेल में पांच विकेट झटके। जबकि जोसेफ ने 16 ओवरों के स्पेल में चार विकेट लिए। इन दोनों गेंदबाजों के अलावा जस्टिन ग्रीव्स ने एक विकेट हासिल लिया।

स्टंप तक वेस्टइंडीज ने भी चार विकेट गंवाए

वेस्टइंडीज की भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर क्रैग ब्रैथवेट (4) और जॉन कैंपबेल (7) जल्दी पवेलियन लौट गए। उसके बाद केसी कार्टी ने 20 और जोमेल वार्रिकान बगैर खाता खोले ही आउट हो गए। टीम का स्कोर दिन की समाप्ति तक चार विकेट के नुकसान पर 57 रन है। पहले दिन कुल 14 विकेट गिरे।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को दी मात, टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही

बर्लिन, 26 जून (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार देशों के टूर्नामेंट में तीसरे स्थान के प्लेऑफ में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया। इस मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने मिला और भारत तथा ऑस्ट्रेलिया शुरुआती दो क्वार्टर में कोई गोल नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया को कप्तान टोबी मेलोन ने दूसरे हाफ में बढ़त दिलाई जिसके बाद रोहित ने 45वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। अजीत यादव ने 52वें मिनट में भारत को 2-1 से आगे किया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने अंततः तीसरे क्वार्टर में मैच के 40वें मिनट में टोबी के मैदानी गोल से बढ़त बनाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम हालांकि अधिक समय तक जश्न नहीं बना सकी क्योंकि पांच मिनट बाद ही रोहित ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। भारत ने इसके बाद अंतिम क्वार्टर में अजीत के गोल से बढ़त बनाई और जीत सुनिश्चित की।

पूल चरण में भारत ने मेजबान जर्मनी के खिलाफ 1-7 की करारी हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन अगले मैच में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराकर वापसी की। टीम को अपने अंतिम लीग मैच में स्पेन के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

कोमटिरेड्डी ने नशा विरोधी मार्च को हरी झंडी दिखाई

नलगोंडा, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नशा विरोधी जागरूकता समाह के हिस्से के रूप में, सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को नलगोंडा शहर के एनजी कॉलेज में एक रैली को हरी झंडी दिखाई।

इसके बाद क्लॉक टॉवर सर्किल में भीड़ को संबोधित करते हुए, मंत्री ने छात्रों के बीच नशीली दवाओं के उपयोग के बढ़ते प्रचलन के बारे में महत्वपूर्ण चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से कोविड-19 के बाद। उन्होंने टिप्पणी की कि मादक द्रव्यों का सेवन युवा लोगों के जीवन पर कहर बरपा रहा है और छात्रों से नशीली दवाओं से दूर रहने का आग्रह किया। तेलंगाना में नशीली दवाओं के लिए कोई जगह नहीं है, उन्होंने जोर देकर कहा। युवा विकास के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, कोमटिरेड्डी ने घोषणा की कि छात्रों के लिए एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है, जिसमें नलगोंडा में 34 करोड़ रुपये का कौशल केंद्र बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका उद्घाटन जल्द ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी करेंगे। उन्होंने छात्रों से कम से कम 20 वर्ष की आयु तक शिक्षा, खेल और योग पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और उन्हें मोबाइल फोन के अनावश्यक उपयोग से बचने के लिए कहा। उन्होंने सलाह दी कि 'अच्छी तरह से अध्ययन करें, प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल हों और सरकारी नौकरी हासिल करें,' उन्होंने कहा कि छात्रों को जीवन के इस चरण को एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में लेना चाहिए। उन्होंने ड्रग पेडलर्स और नशेड़ी लोगों को भी चेतावनी दी, कहा कि सरकार हैदराबाद और पूरे राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कदम उठा रही है। उन्होंने नागरिकों को जरूरत पड़ने पर ड्रग उपयोगकर्ताओं से शारीरिक रूप से भिड़ने और तुरंत पुलिस को सूचित करने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि प्रतीक फाउंडेशन के साथ साझेदारी में प्रकाशम बाजार में डिजिटल कक्षाओं और सभी आधुनिक सुविधाओं वाला एक नया स्कूल बनाया जा रहा है।

उन्होंने फाउंडेशन के माध्यम से उठाए गए किसी भी छात्र कल्याण पहल के लिए सरकार और खुद एक मंत्री की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। कोमटिरेड्डी ने शहर के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव को भी याद किया, उन्होंने बताया कि उन्होंने एक बार तेलंगाना के लिए यहां 11 दिनों की भूख हड़ताल की थी।

जिला एसपी शरत चंद्र पवार, अतिरिक्त कलेक्टर जे. श्रीनिवास, एमएलसी शंकर नाइक, मिर्यालगुडा के उप-कलेक्टर नारायण अमित, अतिरिक्त एसपी रमेश, डीडब्ल्यूओ कृष्णवेणी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष बुर्री श्रीनिवास रेड्डी, डीईओ और अन्य सहित कई गणमान्य लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर, सभी उपस्थित लोगों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक गंभीर शपथ ली।

टीजीएएनबी अब ईएजीएलई के नाम से काम करेगा : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) अब राज्य के भीतर ईएजीएलई (एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट) के नाम से काम करेगा।

यह ईएजीएलई पूरे तेलंगाना में गांजा की खेती का पता लगाने में सक्षम है और सीमाओं के पार अवैध तस्करी की पहचान कर सकता है। इसके अलावा, प्रशिक्षित ईएजीएलई टीम लगातार क्षेत्र में गश्त करती है। अगर उन्हें गांजा या अन्य ड्रग्स मिलते हैं, तो वे संदिग्धों को तुरंत पकड़ लेंगे। मुख्यमंत्री ने ये टिप्पणियां गुरुवार को मधापुर में शिल्प कला वेदिका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कीं, जिसमें नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान, रेवंत रेड्डी ने याद किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के समय यह स्पष्ट कर दिया था कि वह तेलंगाना में नशीली दवाओं से संबंधित गतिविधियों में शामिल लोगों से सख्ती से निपटने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस अधिकारियों को ऐसे उपाय करने का निर्देश दिया है जिससे संभावित नशीली दवाओं के तस्कर तेलंगाना की सीमा पार करने की कोशिश करने से पहले दो बार सोचें। रेवंत रेड्डी ने आगे कहा, ऐसे मामले हैं जहां चॉकलेट और आइसक्रीम के साथ गांजा और ड्रग्स बेचे जा रहे हैं। गांजा बेचने वाले व्यक्तियों के बारे में पुलिस को सचेत करना महत्वपूर्ण है। अगर स्कूल परिसर में ड्रग्स पाए जाते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी प्रबंधन पर आती है।

कार्यक्रम में फिल्म स्टार राम चरण और विजय देवरकोंडा, फिल्म निर्माता दिलराजू, सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

एसीबी ने कई कार्यालयों में छापेमारी की

जांच के दौरान 1,81,030 रुपये की बेहिसाबी राशि जब्त

हैदराबाद-मदनूर, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने तेलंगाना में विभिन्न स्थानों पर आरटीए चेक पोस्ट, आरटीए कार्यालय और सब रजिस्ट्रार कार्यालयों सहित औचक निरीक्षण किया। तलाशी के दौरान एसीबी ने सलाबतपुर आरटीए चेक पोस्ट, कामारेड्डी जिले और पेड्डापल्ली, तिरुमलगिरी और उप्पल के आरटीए कार्यालयों पर छापेमारी की। जांच के दौरान 1,81,030 रुपये की बेहिसाबी राशि जब्त की गई और इसके अलावा कई अनियमितताएं पाई गईं।

एसीबी ने खम्मम जिले के बुर्गुम पाडु और वारंगल जिले के भीमदेवरा पल्ली में सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में भी औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान 91,000 रुपये की बेहिसाबी राशि जब्त की गई। कई अनियमितताएं पाई गईं। आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी। एसीबी के अधिकारियों ने किसी भी सरकारी कर्मचारी द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने की स्थिति में, लोगों से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए ए.सी.बी. के टोल फ्री नंबर यानी 1064 पर संपर्क करें। ए.सी.बी तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सफ, फेसबुक, एक्स के माध्यम से भी संपर्क किया जा सकता है। पीड़ित/शिकायतकर्ता का नाम और विवरण गुप्त रखा जाएगा।

रामागुंडम पुलिस के वरिष्ठ सहायक की बाइक दुर्घटना में मौत

मंचेरियल, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय में कार्यरत एक वरिष्ठ सहायक की मौके पर ही मौत हो गई, जब बुधवार देर रात जयपुर मंडल के इंदरम गांव के पास उनका दोपहिया वाहन एक पेड़ से टकरा गया। पुलिस के अनुसार, जादव दिनेश कुमार (40) को घातक चोटें आईं, जब उनकी मोटरसाइकिल जंगली सूअर से टकराने से बचने की कोशिश में पेड़ से टकरा गई। घटना रात करीब 11 बजे हुई। उत्नूर मंडल के उदा नाइक थांडा के मूल निवासी दिनेश मंदामरी में रहते थे और दुर्घटना के समय रामागुंडम से वहां लौट रहे थे।

जीएम ने कार्डियक कैथ लैब और एडवांस कार्डियक यूनिट का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गुरुवार को सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुडा, सिकंदराबाद में कार्डियक कैथ लैब और एडवांस कार्डियक यूनिट का उद्घाटन किया। निर्मला राजाराम, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक, एससीआर; लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद मंडल; डॉ. आई. शिव नागा प्रसाद, चिकित्सा निदेशक, सेंट्रल हॉस्पिटल; डॉ. एनवीबीके साई, चीफ स्टाफ सर्जन 1 (कार्डियोलॉजिस्ट), सेंट्रल हॉस्पिटल; इस अवसर पर सेंट्रल अस्पताल के चीफ स्टाफ सर्जन 2 डॉ. कृष्णवेणी और विभागों के प्रमुख प्रमुख, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर और अस्पताल कर्मचारी, मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि, सेवानिवृत्त कर्मचारी भी उपस्थित थे। नई कार्डियक कैथ लैब अस्पताल को एंजियोग्राम और एंजियोप्लास्टी जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को करने में सक्षम बनाएगी, जिससे हृदय संबंधी स्थितियों वाले रोगियों के लिए समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित होगा। एडवांस्ड कार्डियक यूनिट में एक आधुनिक कार्डियक इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) और एक कार्डियोथोरेसिक ऑपरेशन थियेटर (ओटी) शामिल है, जो एक ही छत के नीचे व्यापक हृदय संबंधी देखभाल प्रदान करता है। इससे लालगुडा स्थित सेंट्रल अस्पताल भारतीय रेलवे में कैथ लैब से सुसज्जित चौथा अस्पताल बन गया है। यह सुविधा लंबे समय से प्रतीक्षित आवश्यकता को पूरा करती है और इससे रेलवे लाभार्थियों को, विशेष रूप से हृदय संबंधी आपात स्थितियों के दौरान, अत्यधिक लाभ होगा।

इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन ने कहा कि नई सुविधा रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय पर हृदय संबंधी देखभाल से जान बच सकती है और यह पहल अपने कर्मचारियों की भलाई के प्रति दक्षिण मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भट्टी ने 180.38 करोड़ रुपये के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों का निपटारा किया

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को खुशखबरी दी है। उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने गुरुवार को सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के सभी बकाया चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों का एक ही बार में निपटान करने के लिए 180.38 करोड़ रुपये वितरित किए। विभिन्न कल्याणकारी पहलों का प्रबंधन करते समय महत्वपूर्ण वित्तीय कठिनाइयों से जूझने के बावजूद, उपमुख्यमंत्री ने लंबे समय से लंबित चिकित्सा प्रतिपूर्ति अनुरोधों को संबोधित करना अपनी प्राथमिकता बनाई। 4 मार्च, 2023 से 20 जून, 2025 तक लंबित दावे, जो पिछले प्रशासन के कार्यकाल से ओवरलैप होते हैं, अब हल हो गए हैं। इस निर्णय से 26,519 सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को आवश्यक राहत मिली है।

डॉ. विशाल को वक्ता के रूप में किया गया आमंत्रित

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. विशाल अकुला को ब्रिटिश इंडियन साइकियाट्रिक एसोसिएशन (बीआईपीए) द्वारा 5 और 6 जुलाई को यूनाइटेड किंगडम के बर्मिंघम में आयोजित होने वाले अपने वार्षिक सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि 'मानसिक स्वास्थ्य का भविष्य: नवाचार, एकीकरण और प्रभाव' विषय पर आयोजित कार्यशाला में डॉ. विशाल अकुला 'व्यसन मनोचिकित्सा में उभरते रुझान' शीर्षक से भाग लेंगे। सत्र में व्यसन विकारों के निदान और प्रबंधन में नवीनतम प्रगति, उभरती नैदानिक चुनौतियों और विकसित होती रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में एनआईएमएचएएनएस (भारत), मैकगिल विश्वविद्यालय (कनाडा), साउथ लंदन और मौडस्ले एनएचएस ट्रस्ट (यूके) और रॉयल कॉलेज ऑफ़ साइकियाट्रिस्ट्स (यूके) सहित विश्व स्तर पर प्रसिद्ध संस्थानों के प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

तेलंगाना में महिला ने रेलवे ट्रैक पर कार चलाई

कई पुलिस और रेल कर्मचारियों ने मिलकर रोका, 15 ट्रेनें रोकीं या डायवर्ट की गईं

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में एक 34 साल की महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ा दिया। इसके चलते वहां मौजूद कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। 10-15 ट्रेनें रोकी या डायवर्ट करनी पड़ीं।

शंकरपल्ली के पास हुई इस घटना के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। 13 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि महिला किआ सोनेट कार को रेलवे ट्रैक पर चला रही है। दूसरे वीडियो में स्थानीय लोग, रेलवे कर्मचारी और पुलिस मिलकर महिला को कार से बाहर निकालने की कोशिश करते दिखते हैं। भीड़ उसे कार से बाहर निकालने के बाद उसके हाथ बांध देती है। घटना को लेकर जांच जारी है कि महिला ने ऐसा क्यों किया और उसकी मानसिक स्थिति कैसी थी।

20 लोगों ने मिलकर महिला को कार से बाहर निकाला :

सूत्रों के अनुसार, कई रेलवे कर्मचारी और पुलिसकर्मी उस कार के पीछे दौड़े। बड़ी मुश्किल से वे उसे कार रोकने में कामयाब हो पाए। महिला को कार से बाहर निकालने के लिए करीब 20 लोगों की मदद लेनी पड़ी। वह बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रही थी। रेलवे पुलिस की सुपरिंटेंडेंट चंदना दीप्ति ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि वह महिला हाल ही तक एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम कर रही थी। वह उत्तर प्रदेश की रहने वाली है। वह काफी आक्रामक व्यवहार कर रही थी। लग रहा था कि वह मानसिक रूप से अस्थिर है।

पुलिस घटना को आत्महत्या की कोशिश जैसे देख रही :

सुपरिटेंडेंट चंदना दीप्ति ने आगे कहा कि हमने महिला की कार से उसका ड्राइविंग लाइसेंस और पैन कार्ड बरामद किया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं यह महिला आत्महत्या की योजना तो नहीं बना रही थी और इस पूरी घटना को हत्या जैसा दिखाने की कोशिश तो नहीं थी। रेलवे सूत्रों के अनुसार, बेंगलुरू-हैदराबाद ट्रेन समेत कम से कम 10 से 15 पैसेंजर ट्रेनों को सावधानी के तौर पर डायवर्ट किया गया। फिलहाल, महिला को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

आज होगी जगन्नाथ रथ यात्रा

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ स्वामी रामगोपाल ट्रस्ट द्वारा आयोजित भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून को सिकंदराबाद के जनरल बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से निकाली जाएगी। ट्रस्ट के संस्थापक परिवार के ट्रस्टी पुरुषोत्तम मालानी ने बताया कि जनरल बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से पिछले 130 वर्षों से रथ यात्रा नियमित रूप से आयोजित की जाती है। सिकंदराबाद के जनरल बाजार स्थित मंदिर के द्वार शुक्रवार को सुबह 6.15 बजे दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे और दोपहर 1 बजे बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद, रथ यात्रा मंदिर से शाम 4 बजे शुरू होगी और जनरल बाजार से गुजरते हुए शाम 6:30 बजे से रात 11 बजे तक एमजी रोड पर रहेगी, जिसके बाद यह हिल स्ट्रीट, रानीगंज से होते हुए अगली सुबह करीब 4 बजे वापस मंदिर पहुंचेगी।

भारी जलप्रवाह के बीच जुराला बांध पर केबल टूटने से रुका गेट संचालन

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा नदी में बाढ़ के बढ़ते स्तर के बीच, प्रियदर्शिनी जुराला परियोजना ने गुरुवार को अपने 62 गेटों में से एक में परिचालन संबंधी समस्या की सूचना दी। अधिकारियों ने बताया कि क्रेस्ट गेट नंबर 9 दो रोप केबल में से एक के टूटने के कारण नहीं खुल पाया, जिससे चिंता बढ़ गई क्योंकि जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के बाद परियोजना में पानी का प्रवाह लगातार बढ़कर 53,000 क्यूसेक हो गया। समस्या को ठीक करने के लिए एक तकनीकी टीम को मौके पर भेजा गया। परियोजना के रेडियल गेट रखरखाव कार्यक्रम, जिसकी अनुमानित लागत 11 करोड़ रुपये है, में पहले ठेकेदार द्वारा समय पर काम पूरा करने में विफल रहने के कारण देरी हो गई थी।

17 लाख रुपये की लूट का नाटक करने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डकैती की झूठी कहानी गढ़कर पुलिस को गुमराह करने और 17 लाख रुपये ठगने की कोशिश करने वाले दो लोगों को दोमलगुडा पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में जेठिन राज यादव (21) और सौदा अभिलाष (18) शामिल हैं, जो मलकपेट के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, राज पिछले छह महीनों से शहर में स्थित एक चिटफंड कंपनी में काम कर रहा था। बुधवार को मैनेजर ने राज को जुबली हिल्स में पंकज नाम के एक व्यक्ति से पैसे लेने के लिए भेजा था। पैसे लेने के बाद राज अपने ऑफिस की ओर चल पड़ा, लेकिन वह ऑफिस नहीं पहुंचा।

राज ने बाद में अपने कार्यालय और पुलिस से संपर्क किया और उन्हें बताया कि टैंक बंड में दुर्घटना के समय कुछ लोगों ने नकदी से भरा बैग चुरा लिया था। पुलिस ने फिर निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच की और पाया कि दुर्घटना के समय राज के पास कोई बैग नहीं था। जांच में पता चला कि राज ने अपने साथी अभिलाष के साथ मिलकर नकदी चोरी करने की योजना बनाई थी। बुधवार को नकदी इकट्ठा करने के बाद राज ने अभिलाष को रकम सौंप दी।

सेवा लाभ के बिना सेवानिवृत्त कर्मचारी परेशान : बीआरएस नेता

हैदराबाद, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर सरकारी कर्मचारियों, खास तौर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों से किए गए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि सेवा-संबंधी लाभ जारी करने में अनुचित देरी के कारण कर्मचारी परेशान हैं। उन्होंने लगभग 10,000 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के 4,000 करोड़ रुपये के बकाये का तत्काल भुगतान करने की मांग की। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सेवानिवृत्त प्रिंसिपल सोमी रेड्डी की हाल ही में हुई मौत का जिक्र करते हुए पूर्व मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने कहा कि हर दूसरे दिन कम से कम एक सेवानिवृत्त कर्मचारी बकाया भुगतान न होने के कारण वित्तीय तनाव के कारण मर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल के दौरे से होने वाली ऐसी मौतों को 'सरकारी हत्या' माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, चूंकि उनमें से अधिकतर लोग उम्र से संबंधित बीमारियों से जूझ रहे हैं, इसलिए अतिरिक्त वित्तीय संकट उन्हें और अधिक परेशान कर रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने 2.5 लाख कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों में जमा होने वाले 1,300 करोड़ रुपये डायवर्ट कर दिए, जिसे उन्होंने नियमों का उल्लंघन बताया। उन्होंने मांग की कि कर्मचारियों के पैसे का दूसरे कामों में इस्तेमाल करना गैरकानूनी है। जब निजी कंपनियां ऐसा करती हैं, तो उन पर आपराधिक मामले दर्ज किए जाते हैं। सरकार के खिलाफ भी यही कार्रवाई होनी चाहिए।

इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए बीआरएस नेता जी देवी प्रसाद ने कहा कि 24,000 करोड़ रुपये के कर्मचारी कोष के बारे में व्यापक भ्रम है, खातों की स्थिति के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अंशदायी पेंशन योजना (सीपीएस) के तहत वेतन से मासिक कटौती के बावजूद, संबंधित राशि सीपीएस खातों में जमा नहीं की जा रही है। उन्होंने पेंशन फंड जमा की पूरी जानकारी देने की मांग की और सीपीएस को खत्म करने की मांग की। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करने का आग्रह किया।

दुर्घटना में आंध्र प्रदेश के दो पुलिसकर्मियों की मौत

सूर्यापेट, 26 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के सूर्यापेट में दुर्गापुरम के पास एक सड़क दुर्घटना में आंध्र प्रदेश के दो पुलिसकर्मियों, एक सब-इस्पेक्टर और एक कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। यह घटना उस समय घटी जब एक लॉरी ने नियंत्रण खो दिया और अधिकारियों को ले जा रही कार से टकरा गई, जो एक जांच कार्य के लिए हैदराबाद जा रहे थे। उनकी पहचान कोनासीमा जिले के अलामुरु पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर अशोक कुमार और कांस्टेबल ब्लेसिन के रूप में हुई है।

हालांकि टक्कर के कारण एयरबैग खुल गए, लेकिन आगे की सीट पर बैठे अशोक कुमार और गाड़ी चला रहे ब्लेसिन की चोटों के कारण मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दो पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए कोडाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.